राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
YouTube Linked in
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023 (Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत–गुजरात,संस्करण बुधवार,23सितम्बर2020 वर्ष–3, अंक –237 पृष्ठ–10 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

उमर खालिद की परिवार से मिलने की अनुमति संबंधी याचिका खारिज

नई दिल्ली। दिल्ली दंगों की साजिश के आरोप में पकड़े गए जेएनयू के पूर्व छात्र उमर खालिद की परिवार से मिलने की अनुमति संबंधी याचिका को अदालत ने खारिज कर दिया है। खालिद इस समय दस दिन की पुलिस रिमांड पर है। उसकी रिमांड अवधि 24 सितंबर को समाप्त हो रही है। खालिद के वकील ने अदालत में याचिका दायर कर कहा था कि खालिद रिमांड अवधि के दौरान परिवार से मिलना चाहता है।दकड़कड़डूमा स्थित अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश अमिताभ रावत की अदालत ने कहा कि रिमांड के दौरान परिवार से मिलने की अनुमति नहीं दी जा सकती है। क्योंकि यह कानून के मुताबिक न्यायसंगत नहीं है। इसलिए याचिका को खारिज किया जाता है। ज्ञात रहे कि उमर खालिद को दिल्ली पुलिस ने 13 सितंबर को गिरफ्तार किया था। इसके अगले दिन अदालत ने खालिद को 10 दिन की रिमांड पर पुलिस के सुपुर्द कर दिया था। खालिद के वकील द्वारा अदालत में दायर याचिका में आग्रह किया गया था कि उनके मुवक्किल को दस दिन लंबी पुलिस रिमांड पर दिया गया है। इससे वह बहुत तनाव में है। ऐसे में उसके परिवार के सदस्यों को दो दिन आधे-आधे घंटे की मुलाकात की अनुमति दी जाए। परंतु अदालत ने कहा कि कानूनी प्रावधान के अनुसार ऐसा नहीं किया जा सकता। वैसे भी आरोपी एक गंभीर अपराध का आरोपी है। उसे इस तरह की राहत नहीं दी जा सकती। ज्ञात रहे कि उमर खालिद पर दिल्ली दंगों को लेकर गैर कानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

44 वंदे भारत ट्रेन बनाने के लिए नए सिरे से टेंडर जारी, 75 प्रतिशत उपकरणों के देश में निर्मित होने की शर्त

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने 44 वंदे भारत ट्रेन सेट बनाने के लिए आज नए सिरे से निविदा जारी की जिसमें 75 प्रतिशत उपकरणों के भारत निर्मित होने की शर्त रखी गई है। रेल मंत्रालय ने आज बताया कि नई योजना में अब ये ट्रेन सेट इंटीग्रल कोच फैक्टरी (आईसीएफ) चेन्नई के अलावा मॉडर्न कोच फैक्टरी (एमसीएफ) रायबरेली और रेल कोच फैक्टरी (आरसीएफ) कपूरथला में भी बनाये जाएंगे। सूत्रों के अनुसार पहले यह एक वैश्विक निविदा थी लेकिन इस बार इसे घरेलू निविदा के रूप में जारी किया गया है। इच्छुक निवेशकों के लिए निविदा पूर्व बैठक 29 सितंबर को होगी जबकि

निविदा 17 नवंबर को खुलेगी। बोली दो चरणों में होगी जिसमें निमार्ण इकाइयां अपनी लागत बताएंगी और खरीदार तय करेगा कि किसका उत्पाद खरीदा जाए। रेल मंत्रालय के अनुसार यह निविदा मेक इन इंडिया नीति पर आधारित होगी जिसमें स्थानीय सामग्री का अनुपात न्यूनतम 75 प्रतिशत है। औद्योगिक नीति एवं संवर्धन विभाग द्वारा आत्मनिर्भर भारत की पुनरीक्षित शर्तों के अनुरूप यह पहली बड़ी निविदा है।

इससे पहले रेलवे ने एक माह पहले 22 अगस्त को 44 सेमी हाईस्पीड वंदे भारत ट्रेनों के निमार्ण की निविदा रद्द कर दी थी जो पिछले साल आमंत्रित की गई थी। जुलाई में जब निविदा खोली गई तो 16 डिब्बे वाली इन 44 ट्रेनों के इलेक्ट्रिकल उपकरणों एवं अन्य सामान की आपूर्ति के लिए छह दावेदारों में से एक चीनी संयुक्त उपक्रम एकमात्र विदेशी दावेदार के रूप में सामने आया था। चीनी कंपनी सीआरआरसी योंगजी इलेक्ट्रिक कंपनी लिमिटेड और गुरुग्राम की पायनियर इलेक्ट्रिक (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड के बीच यह संयुक्त उपक्रम वर्ष 2015 में बना था। रेल मंत्रालय ने एक ट्वीट में निविदा रद्द करने की घोषणा करते हुए कहा था कि 44 सेमी-हाई स्पीड ट्रेनों (वंदे भारत) के निमार्ण की निविदा रद्द कर दी गई है। संशोधित सार्वजनिक खरीद (मेक इन इंडिया को वरीयता) आदेश के अंतर्गत जल्द ही ताजा निविदा आमंत्रित की जाएगी।

भारतीय जवानों की मदद के लिए हिमालय की चोटी तक चढ़ जा रहे हैं चुशुल के लोग

नई दिल्ली। लद्दाख के चुशुल गांव के लोग अपने गांव को चीनी नियंत्रण में आने से बचाने के लिए भारतीय सेना की मदद कर रहे हैं। इसके लिए वे ब्लैक टॉप के रूप में जानी जाने वाली हिमालय की पर्वत चोटी की यात्रा करने से भी परहेज नहीं कर रहे हैं। 'द गार्जियन' की एक रिपोर्ट के अनुसार, 100 से अधिक पुरुष, महिला और युवा लड़कों के साथ अधेड़ चावल की बोरी, ईंधन के डिब्बे और अन्य जरूरी सानानों के साथ ब्लैक टॉप की ओर बढ़ रहे हैं, जहां भारतीय सेना के सैकड़ों जवान टेंट लगाकर रहते हैं और चीनी घुसपैठ का मुंहतोड़ जवाब दे रहे हैं।

आने वाले सर्दियों के महीनों में, यहां तापमान शून्य से 40 डिग्री सेल्सियस नीचे चला जाता है। ग्रामीणों को डर है कि अगर वे भारतीय सेना को चीन की सीमा से लगे पर्वतों पर अपने पोस्ट को सुरक्षित रखने और आगे कड़ाके की ठंड के लिए सैनिकों को तैयार करने में मदद नहीं करते हैं तो उनका गांव जल्द ही चीनी नियंत्रण में हो सकता है।

चुशूल के एक 28 वर्षीय युवक टेरसिंग ने कहा, हम भारतीय सेना को उनके पोस्ट को तुरंत सुरक्षित करने में मदद करना चाहते हैं। हम उन्हें जरूरी सामानों की आपूर्ति कर रहे हैं। एक दिन में कई बार हम जाते हैं। हम यह

सुनिश्चित करना चाहते हैं कि सेना को बहुत अधिक समस्याओं का सामना नहीं करना पड़े।

आपको बता दें कि भारत और चीन के बीच लद्दाख के चुशुल क्षेत्र से पैंगोंग त्सो सहित कई अन्य जगहों पर संघर्ष की स्थिति बनी हुई है। हालांकि दोनों देशों के बीच बातचीत का दौर भी जारी है। भारत ने गालवान घाटी हिंसक झड़प (जिसमें 20 भारतीय सैनिक शहीद हो गए थे) के बाद दोनों देशों के बीच हथियारों का उपयोग नहीं करने की शर्तों को भी बदल दिया है।

आपको यह भी बता दें कि तनाव कम करने के लिए विदेश मंत्री एस जयशंकर और उनके चीनी समकक्ष वांग यी हाल ही में मास्को में मिले। बैठक के बारे में एक संयुक्त प्रेस बयान के अनुसार, दोनों नेताओं ने भारत-चीन सीमा क्षेत्रों के साथ-साथ भारत-चीन संबंधों पर हुए घटनाक्रम पर स्पष्ट और रचनात्मक चर्चा की।

ग्रामीणों के अनुसार जमीनी हालात ठीक नहीं हैं। पिछले एक सप्ताह में भारतीय सैनिकों ने सीमा पर निर्माण जारी रखा है। भारतीय सेना के वाहनों के काफिले ने सीमा पर चौकियों पर तैनात सैनिकों के लिए आपूर्ति और गोला-बारूद लाना जारी रखा है और सड़कों और इमारतों के निर्माण के लिए लगभग 100 खुदाई करने वालों को सीमा के साथ भारत की स्थिति को और अधिक सुरक्षित करने के लिए लाया गया है।

ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन के एक सुरक्षा विशेषज्ञ, मनोज जोशी ने कहा, ÷यह बहुत स्पष्ट है कि दोनों पक्ष सर्दियों के लिए वहां रहने की योजना बना रहे हैं। वे अनुमान लगा रहे हैं कि बातचीत का कोई हल नहीं निकलने वाला है।

द गार्डियन के अनुसार, इस हफ्ते, चुशुल के ग्रामीणों ने सैनिकों को ब्लैक टॉप पर आपूर्ति लाने के लिए अपने नॉन-स्टॉप प्रयासों को जारी रखा है। टेरसिंग ने कहा, हाल ही में जिस क्षेत्र में संघर्ष हुआ था, वहां अभी तक सड़क नहीं है।

एक अन्य ग्रामीण कोंचक त्सेपेल ने कहा, जिन नई जगहों पर चीनी और भारतीय सैनिक आमने-सामने हैं, वे जगह रहने के हिसाब से अनुकूल नहीं है। सेना को टेंट में रखा जा रहा है। मुझे नहीं पता कि वे बिना सड़क के रहने के लिए पर्याप्त बुनियादी ढांचे का निर्माण करने जा रहे हैं।

भारत में एक दिन में ठीक हुए कोरोना के 90 हजार मरीज, रिकवरी रेट 80 प्रतिशत पर

नई दिल्ली। भारत ने पिछले 3 दिनों के दौरान क्रमिक रूप से बहुत अधिक कोरोना मरीज ठीक हुए हैं। एक दिन में 90,000 से अधिक कोविड-19 रोगियों को घर /क्वारंटाइन और अस्पतालों से ठीक किया गया है। एक दिन में ठीक होने वालों की इस उच्च दर ने भारत को दुनिया भर में सबसे अधिक कोरोना मरीजों के ठीक होने वाले देश बना दिया है। यहां रिकवरी दर 80% से अधिक हो गई है। विश्वभर में कोरोना वायरस (कोविड-19) महामारी से तीन करोड़ नौ लाख से अधिक लोग संक्रमित हो गये हैं और 9.59 लाख से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है।अमेरिका की जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के विज्ञान एवं इंजीनियरिंग केन्द्र (सीएसएसई) की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार कोरोना से विश्वभर में अब तक 3,09,29,163 लोग संक्रमित हुए हैं और 9,59,528 लोगों की मौत हुई है। वैश्विक महाशक्ति माने जाने वाले अमेरिका में कोरोना से संक्रमित होने वालों की संख्या 67,99,266 पर पहुंच गयी है और अब तक 1,99,474 लोगों की जान जा चुकी है। भारत में केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से सोमवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटों में कोरोना संक्रमण के 86,961 नये मामलों के साथ संक्रमितों का आंकड़ा 54 लाख को पार कर 54,87,580 हो गया। वहीं इस दौरान 1130 मरीजों की मौत होने से मृतकों की संख्या 87,882 हो गयी है। ब्राजील में अब तक 45,44,629 लोग इसकी चपेट में आ चुके हैं जबकि 1,36,895 लोगों की मौत हो चुकी है। रूस में कोरोना से संक्रमित होने वालों की संख्या 10,98,958 पहुंच गई हैं तथा 19,349 लोगों ने जान गंवाई है। पेरू में कोरोना महामारी का प्रकोप बढ़ता ही जा रहा है और यह कोरोना से संक्रमित होने के मामले में वह छठे स्थान पर पहुंच गया है। यहां इस वायरस से अब तक 7,62,865 लोग संक्रमित हुए हैं और 31,369 लोगों की मौत हो चुकी है।

निलंबित सासंदों को चाय पिलाकर खुद उपवास पर बैठे राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश, कहा–अपमान से रातभर सोया नहीं

नई दिल्ली। राज्यसभा के उप सभापति हरिवंश 20 सितंबर को कृषि विधेयकों के पारित होने के दौरान विपक्षी सांसदों द्वारा सदन में उनके साथ अनियंत्रित व्यवहार के खिलाफ एक दिवसीय उपवास का पालन करेंगे। उन्होंने इसको लेकर सभपति को एक पत्र लिखा और कहा कि सांसदों के व्यवहार के चलते वे मानसिक वेदना में हैं और पूरी रात सो नहीं पाए। उन्होंने पत्र में लिखा, राज्यसभा में जो कुछ हुआ, उससे पिछले दो दिनों से गहरी आत्मपीड़ा, तनाव और मानसिक वेदना में हूं। मैं पूरी रात सो नहीं पाया। हरिवंश ने कहा, सदन के सदस्यों की ओर से लोकतंत्र के नाम पर हिंसक व्यवहार हुआ। आसन पर बैठे व्यक्ति को भयभीत करने की कोशिश हुई। उच्च सदन की हर मर्यादा और व्यवस्था की धज्जियां उड़ाई गईं। सदन में सदस्यों ने नियम पुस्तिका फाड़ी।

निलंबित सांसदों में कांग्रेस के राजीव सातव, सैयद नजीर हुसैन और रिपुन बोरा, तृणमूल कांग्रेस के डेरेक ओ ब्रायन और डोला सेन, माकपा के इलामारम करीम, केके रागेश और आम आदमी पार्टी के संजय सिंह शामिल हैं। निलंबन के विरोध में कांग्रेस, माकपा, शिवसेना, जनता दल (एस), तृणमूल कांग्रेस, भाकपा और सपा के सांसद संसद भवन परिसर में धरने पर बैठ गए। उनके हाथों में 'लोकतंत्र की हत्या' और 'संसद की मौत' लिखी तख्तियां थीं। माकपा नेता करीम ने कहा, निलंबन से आवाज दबाई नहीं जा सकती।

मेरे ऊपर फेंका। उन्होंने लिखा नीचे से कागज को रोल बनाकर आसन पर फेंके गए। आक्रामक व्यवहार, भद्दे और असंसदीय नारे लगाए गए। हृदय और मानस को बेचैन करने वाला लोकतंत्र के चीरहरण का पूरा नजारा रात मेरे मस्तिष्क में छाया रहा। इस कारण मैं सो नहीं सका। गांव का आदमी हूं, मुझे साहित्य, संवेदना और मूल्यों ने गढ़ा है। बता दें कि सुबह ही हरिवंश संसद भवन परिसर में धरना दे रहे निलंबित सांसदों के लिए चाय लेकर पहुंचे। सोमवार को राज्यसभा में कृषि से जुड़े बिलों को लेकर जमकर हंगामा हुआ। नौबत यहां तक पहुंच गई कि कई सांसद उपसभापति हरिवंश के चेयर तक पहुंच गए और माइक तोड़ दिए। आठ सांसदों को उनके अमर्यादित आचरण के लिए राज्यसभा के सभापति वैंकेया नायडू ने बचे हुए पूरे मानसून सत्र के लिए निलंबित कर दिया। आज सुबह-सुबह हरिवंश संसद भवन परिसर में धरना दे रहे निलंबित सांसदों के लिए चाय लेकर पहुंचे।

आपको बता दें कि कल जब निलंबित सांसदों का प्रदर्शन जब सदन के अंदर खत्म नहीं हुआ तो राज्यसभा को पूरे दिन के लिए स्थगित कर दिया गया। इसके बाद सभी निलंबित सांसद संसद भवन परिसर के अंदर गांधी मूर्ति के समीप धरना पर बैठ गए। राज्यसभा में आज भी गतिरोध जारी रहने की संभावना है। निलंबित सांसदों में कांग्रेस के राजीव सातव, सैयद नजीर हुसैन और रिपुन बोरा, तृणमूल कांग्रेस के डेरेक ओ ब्रायन और डोला सेन, माकपा के इलामारम करीम, केके रागेश और आम आदमी पार्टी के संजय सिंह शामिल हैं। निलंबन के विरोध में कांग्रेस, माकपा, शिवसेना, जनता दल (एस), तृणमूल कांग्रेस, भाकपा और सपा के सांसद संसद भवन परिसर में धरने पर बैठ गए। उनके हाथों में 'लोकतंत्र की हत्या' और 'संसद की मौत' लिखी तख्तियां थीं। माकपा नेता करीम ने कहा, निलंबन से आवाज दबाई नहीं जा सकती। हम किसानों के साथ उनकी लड़ाई में साथ रहेंगे। संजय सिंह ने कहा, किसानों जाग जाओ और इस काले कानून का विरोध करो।

तिरुवनंतमपुरम एयरपोर्ट पर NIA के हत्थे चढ़े 2 आतंकवादी, सऊदी अरब से पहुंचे थे केरल

तिरुवनंतमपुरम। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने सोमवार रात को केरल के तिरुवनंतमपुरम अंतराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर तीन घंटे की पूछताछ के बाद कथित तौर पर दो आतंकवादियों को हिरासत में ले लिया। सूत्रों ने बताया कि दोनों आतंकवादियों के सऊदी अरब से यहां पहुंचने के बाद एनआईए ने दोनों को हिरासत में ले लिया, जिसमें से एक गुल नवाज उत्तर प्रदेश का निवासी है जबकि दूसरा शुहैब केरल के कन्नूर से ताल्लुक रखता है। इन दोनों में से एक आतंकवादी लश्कर-ए-तैयबा जबकि दूसरा इंडियन मुजाहिदीन से जुड़ा हुआ हैं। सऊदी अरब के रियाध से यहां लौटने के बाद खुफ़िया एजेंसी रॉ समेत कई जांच एजेंसियों ने इनसे लगभग तीन घंटे पूछताछ की जिसके बाद इन्हें हिरासत में ले लिया गया। सूत्रों के अनुसार उन्हें पहले कोच्चि ले जाया जाएगा, जिसके बाद शुहाब को बेंगलुरु जबकि गुल नवाज को दिल्ली ले जाया जाएगा। इन दोनों आतंकवादियों को बेंगलुरु में हुए विस्फोट को लेकर हिरासत में लिया गया है तथा इस मामले में दोनों के खिलाफ लुकआउट नोटिस भी जारी किया जा चुका था। इससे पहले एनआईए ने 19 सितंबर को तीन आतंकवादियों को केरल के एनार्कुलम से और छह को पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद से गिरफ्तार किया गया था। हिरासत में लिए जाने के बाद एजेंसी ने बताया था कि प्रारंभिक

जांच में सोशल मीडिया के माध्यम से पाकिस्तान स्थित अल-कायदा के आतंकवादियों ने इन्हें राष्ट्रीय राजधानी समेत देश के कई इलाकों में बड़े हमले करने के लिए तैयार किया था। इसके अलावा हिरासत में लिए गए आतंकवादियों के पास से बड़ी संख्या में डिजिटल उपकरण, जिहादी साहित्य एवं दस्तावेज, तेज हथियार,देशी बम और रक्षा जैकेट बरामद किये गये थे।

मास्क न पहनने पर दिल्ली मेट्रो ने 9 दिनों में 2,214 यात्रियों पर लगाया जुर्माना

नई दिल्ली। पांच महीनों के बाद दिल्ली मेट्रो सेवा शुरू होने को दो हफ्ते के भीतर दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने स्टेशन परिसर और गाड़ियों के अंदर मास्क नहीं पहनने पर 2,000 से अधिक लोगों पर जुर्माना लगाया है। डीएमआरसी के आंकड़ों के अनुसार, 11 सितंबर से - जब रेल निगम ने मास्क न पहनने पर के जुर्माना लगाना शुरू किया था - 20 सितंबर तक कम से कम 2,214 यात्रियों को मास्क नहीं पहनने के लिए जुर्माना लगाया गया। इसके अलावा, DMRC टीमों ने लोगों की काउंसलिंग की कि नए यात्रा दिशानिर्देशों का पालन किया जाए और 5,000 से अधिक लोगों पर जुर्माना नहीं लगाया।सेवाओं के फिर से शुरू

होने के चार दिन बाद, डीएमआरसी ने अपने नौ परिचालन गलियारों में से प्रत्येक के लिए एक विशेष फ्लाइंग स्क्वाड का गठन किया था ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि यात्री हर समय मेट्रो नेटवर्क के अंदर मास्क पहने और सामाजिक दूरी के मानदंडों का पालन करें। ये टीमें उन्हें सौंपी गई लाइनों में ट्रेनों और स्टेशनों से बाहर जाती हैं और यदि कोई यात्री नियमों का उल्लंघन करता पाया जाता है, तो वे उनकी काउंसलिंग करते हैं। यदि कोई कम्यूटर फिर भी मास्क पहनने से इनकार करता है, तो उन्होंने दिल्ली मेट्रो के संचालन और रखरखाव अधिनियम की धारा 59 के तहत जुर्माना लगाया जाता है। इस धारा के तहत, सार्वजनिक उपद्रव पैदा करने के लिए उल्लंघनकर्ताओं को 200 रुपये का जुर्माना लगाया जा सकता है। रिकॉर्ड बताते हैं कि येलो लाइन (समयापुर बादली-हुडा सिटी सेंटर) पर सबसे अधिक जुर्माना जारी किया गया था, जहां 724 यात्रियों को स्टेशनों और अंदर ट्रेनों में मास्क पहनने या अनुचित तरीके से पहनने के लिए दंडित किया गया था।

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

किसान के लिए

राज्यसभा में कृषि विधेयकों के विरोध में जो हुआ, उसकी तारीफ नहीं की जा सकती। लोकतंत्र में विरोध की एक सीमा है, विरोध जताने के तय संसदीय पैमाने हैं, लेकिन लगता है, कई बार कुछ सांसद इसके प्रति उदासीन हो जाते हैं। जिस तरह से विरोधी सांसदों ने राज्यसभा के वेल में आकर प्रदर्शन किया और उप-सभापति के साथ जो व्यवहार किया, उसे सिवाय कोरी राजनीति के कुछ नहीं कहा जा सकता। नियम पुस्तिका फाड़ने या तोड़फोड़ की कोशिश को देश ने देखा है, जिससे राज्यसभा और राज्यसभा के सदस्यों की चमक और फीकी हुई है। जिस तरह से राज्यसभा में कृषि संबंधी विधेयकों को पारित होने से रोकने की कोशिश हुई थी, उसके बाद यह तय माना जा रहा था कि कुछ न कुछ कार्रवाई होगी। राज्यसभा के सभापति वेंकैया नायडू ने आठ सांसदों को निलंबित कर दिया है। जिन विपक्षी सांसदों को निलंबित किया गया है, उनमें तृणमूल कांग्रेस के डेरेक ओ ब्रायन व डोला सेन, आम आदमी पार्टी के संजय सिंह, कांग्रेस के राजीव सातव, सैयद नासिर हुसैन, रिपुन बोरा और सीपीआई (एम) से के के रागेश व एल्मलारान करीम के नाम हैं। निलंबन की कार्रवाई होनी चाहिए थी या नहीं, इस पर विशेषज्ञों में बहस चल रही है, लेकिन जिस प्रकार से उप-सभापति के सामने दुर्व्यवहार किया गया, उसे गलत मानने वालों की संख्या आज ज्यादा है। अगर किसी विधेयक को पारित होने से रोकने के लिए कोई बल का प्रयोग करता है, कुछ फाड़ने-तोड़ने की कोशिश करता है, तो इस परंपरा को तत्काल रोकने की जरूरत है। देश के ऊपरी सदन राज्यसभा के वरिष्ठ सांसदों को अपनी गरिमा और विरोध शैली का अवश्य ध्यान रखना चाहिए। सड़क और संसद में संघर्ष का तरीका अलग होना ही चाहिए। इसमें एक पक्ष यह भी है कि संसद में इस तरह की उत्तेजना पहले भी पैदा होती रही है, और निलंबन की परंपरा को आगे बढ़ाने से पहले विचार कर लेना चाहिए। आश्वासन लिया जा सकता है कि दोषी सांसद फिर कभी ऐसा नहीं करेंगे, मगर सुलह-सफाई की कोशिश फिलहाल नहीं दिखती है, तो मामला राष्ट्रपति तक जाएगा। कृषि संबंधी विधेयक को कानून बनने और लागू होने से रोकने के लिए कुछ विपक्षी दल सक्रिय रहेंगे। ध्यान देने की बात है कि बिहार के मुख्यमंत्री ने उप-सभापति हरिवंश के साथ हुए व्यवहार को बिहार के अपमान से जोड़ दिया है। बिहार में चुनाव होने वाले हैं और संभव है, वहां यह मुद्दा बना रहे। कुल मिलाकर, इस विवाद को बढ़ाने की बजाय समाधान निकालना चाहिए। अगर किसान देश की सड़कों पर लामबंद होते हैं, तो आर्थिक, सामाजिक और स्वास्थ्य के लिहाज से भी स्थिति तनावपूर्ण हो सकती है। यह किसानों की मजबूती ही है कि कोई भी दल उनके समर्थन को गंवाना नहीं चाहेगा। यदि विपक्षी दलों में विरोध की बेचैनी है, तो सत्तारूढ़ दल में किसानों को साथ रखने की कवायद है। जो संभावनाएं दिख रही हैं, उसमें इस पूरी किसान राजनीति से किसानों को फायदा ही होता दिखता है। मंडी और न्यूनतम समर्थन मूल्य का कवच पहले से ज्यादा मजबूत होकर सामने आ सकता है। पर यह भी देखना चाहिए कि कुछ राज्य हैं, जहां मंडी व न्यूनतम समर्थन मूल्य की व्यवस्था नहीं है। आज हर राज्य के हर अन्नदाता की रक्षा के उपाय जरूरी हैं और यह बात जितनी सत्ता पक्ष पर लागू होती है, उतनी ही विपक्ष पर भी।

आज के ट्वीट

ज्ञान

बॉलीवुड ज्यादातर 'नग्नता' और 'जिहाद' पर ज्ञान परोसता है, किंतु साउथ के फिल्मकार गौ, वेद, ब्रह्मण, पूजा, यज्ञ, और मंदिर को कभी नहीं भूलते।

– अर्णव गोस्वामी

रोजगार बढ़ने से सुधरेगी आर्थिकी

भरत झुनझुनवाला

देश की आय को मापने के लिए देश में हुए उत्पादन का अनुमान लगाया जाता है। जैसे किसानों द्वारा कितने माल पर जीएसटी दिया गया, रेलवे ने कितनों को यातायात उपलब्ध कराया, बिजली की कितनी बिक्री हुई, इत्यादि। इन आधारों पर आकलन किया जाता है कि देश में कितना उत्पादन हुआ होगा। चूंकि हर ढाबे वाले से पूछना कठिन है कि उसने कितनी रोटी बेची। सरकारी अनुमान के अनुसार इस वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही यानी अप्रैल से जून 2020 में देश के कुल उत्पादन में 23.9 प्रतिशत की गिरावट आई है लेकिन जवाहर लाल नेहरू यूनिवर्सिटी के पूर्व प्रोफेसर अरुण कुमार के अनुसार अप्रैल में जीडीपी में 75 प्रतिशत की गिरावट आई है, मई में 60 प्रतिशत और जून में 40 प्रतिशत । यानी औसत 58 प्रतिशत की गिरावट पहली तिमाही में आई है। इस प्रकार सरकार और अरुण कुमार के अनुमान में दुगने से ज्यादा का अंतर दिखता है पर वास्तविकता इन दोनों के बीच है। ऐसा प्रतीत होता है कि सरकार ने जो जीडीपी का अनुमान लगाया है, वह कम्पनियों द्वारा प्रकाशित परिणाम के आधार पर लगाया है जो कि सही विधि है। लेकिन कोविड संकट के दौरान पहली तिमाही में विशेषता यह है कि केवल कुछ बड़ी कंपनियों जैसे मोबाइल टेलीफोन, बिजली एवं ई-कॉमर्स का ही कारोबार ठीकठाक चला है। तमाम छोटी कम्पनियों की हालत गड़बड़ रही है लेकिन इन छोटी कम्पनियों द्वारा अपने परिणाम प्रकाशित नहीं किये गये हैं। इसलिए यदि केवल प्रकाशित परिणामों के आधार पर जीडीपी का आकलन करें तो वह बड़ी सफल कम्पनियों के आधार पर हो जाता है जो कि अर्थव्यवस्था की सही स्थिति को नहीं बताता है। सरकार के अनुमान में दूसरी समस्या यह है कि असंगठित क्षेत्र, जिसमें किराना दुकान, दर्जी, टैक्सी, छोटे स्कूल, डाक्टर, ढाबे इत्यादि आते हैं, इनके आंकड़े एकत्रित करना पहली तिमाही में असम्भव था। इसलिए सरकार ने इनके द्वारा उत्पादन में आयी गिरावट का अनुमान कैसे लगाया है, इसका ब्योरा उपलब्ध नहीं है। इसलिए सरकार द्वारा जो 23.9 प्रतिशत की गिरावट बताई गयी है, उस पर विश्वास नहीं होता है। सरकार ने यह भी कहा है कि इस तिमाही में कृषि में 3.4 प्रतिशत की जीडीपी में वृद्धि हुई है। इस पर भी संदेह उत्पन्न होता है। अरुण कुमार के अनुसार अप्रैल में हमारी मंडियों में 50 प्रतिशत की आवक कम हुई है। पर नींबू का मूल्य जो 40 रुपये प्रति किलो पूर्व में था, वह इस अवधि में गिरकर 25 रुपये हो गया है। यदि फल-सब्जी के दाम गिरते हैं तो जीडीपी उसी अनुपात में गिरता है। जैसे 1 किलो नींबू यदि 25 रुपये में बिके तो वह जीडीपी में 25 रुपये की वृद्धि करता है। वही नींबू यदि 40 रुपये में बिके तो जीडीपी में 40 रुपये की वृद्धि होती है। क्योंकि इस अवधि में कृषि उत्पादों के दाम में गिरावट आई है, इसलिए कृषि की जीडीपी में वृद्धि हुई, इस पर विश्वास करना कठिन हो जाता है। यह मान भी लें कि कृषि में 3.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई तो भी कृषि क्षेत्र को अर्थव्यवस्था में आगे बढ़ाने में भरोसा करना उचित नहीं होगा। कारण यह कि जीडीपी में कृषि का हिस्सा मात्र 14 प्रतिशत है। 14 प्रतिशत में यदि 3.4 प्रतिशत की वृद्धि हो तो कुल जीडीपी में 0.24 प्रतिशत की वृद्धि कृषि के कारण हो सकती है जो कि नगण्य है। जीडीपी के कमजोर होने का एक और आंकड़ा छोटे उद्यमों को दिए गये ऋण का है। रिजर्व बैंक के अनुसार बैंकों द्वारा मझले, छोटे एवं अति छोटे उद्योगों को मार्च 2020 में 11.49 लाख करोड़ रुपये का ऋण दिया गया था। अप्रैल-मई में इसमें गिरावट आई, जून में यह सुधरा और 11.32 लाख करोड़ तक पहुंच गया जो कि मार्च से कम था। लेकिन विचारणीय यह है कि छोटे उद्योगों को जो 3 लाख करोड़ रुपये का सरकार ने ऋण का पैकेज जारी किया था, उसके बावजूद कुल ऋण में वृद्धि क्यों नहीं हुई? ऐसा प्रतीत होता है कि बैंकों ने छोटे उद्योगों को दिए पुराने ऋण का भुगतान ले लिया और नये ऋण उन्हें दे दिए। इस प्रकार कुल ऋण पूर्ववत रहे। यह एक और संकट का द्योतक है। इस अवधि में इनका उत्पादन प्रभावित हुआ है और अपने को जीवित रखने के लिए इन्होंने ऋण लेकर अपने को जीवित रखा है। जैसे आईसीयू में मरीज को कुछ समय के लिए भर्ती किया जाता है। इस ऋण को विकास नहीं मान सकते। यह ऋण लेना संकट को बताता है। कुल मिलाकर परिस्थिति यह है कि सरकार द्वारा जो 23.9 प्रतिशत की जीडीपी में गिरावट बताई जा रही है, वह वास्तव में इससे अधिक है। यद्यपि अरुण कुमार द्वारा 58 प्रतिशत की जो गिरावट बताई जा रही है, उसके पीछे कोई ठोस आंकड़े नहीं दिए गये हैं। इसलिए वह वास्तविकता से अधिक दिखती है। बहरहाल इतना स्पष्ट है कि हमारे देश की अर्थव्यवस्था की हालत अच्छी नहीं है। इस परिस्थिति में अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष ने भारत सरकार को सलाह दी है कि वह अपने निर्यात बढ़ाये और वैश्वीकरण को और पुरजोर तरीके से अपनाए, जिससे विदेशी पूंजी मिले इत्यादि। ऐसा ही हम पिछले 6 वर्षों से करते आ रहे हैं लेकिन हमारा जीडीपी लगातार गिर ही रहा है। इस समय इस नीति को अपनाना और ज्यादा घातक होगा। कारण यह कि संकट के समय जब हम वैश्वीकरण को अपनाते हैं तो दूसरे देशों में बना सस्ता माल अपने देश में प्रवेश करता है और हमारे उपभोक्ता के रोजगार साथ -साथ समाप्त हो जाते हैं। रोजगार समाप्त होने से उसके हाथ में क्रय शक्ति नहीं बचती और वह माल दुकान में पड़ा रह जाता है तथा बिक नहीं पाता। इसलिए हमारे सामने विकल्प यह है कि हम जनता को रोजगार उपलब्ध करायें अथवा सस्ता माल? पर रोजगार उपलब्ध करना ज्यादा महत्वपूर्ण है। रोजगार उपलब्ध हो तो व्यक्ति महंगा माल भी बर्दाश्त कर लेता है। लेकिन यदि रोजगार न हो तो दुकान में रखा सस्ता माल भी व्यर्थ है। इसलिए सरकार को चाहिए कि तत्काल विदेश से आने वाले तमाम माल पर आयात कर में भारी वृद्धि करे, जिससे देश के बंद उद्योगों का काम फिर से चालू हो जाये। इन उद्योगों का माल बिकने से इनके द्वारा रोजगार उत्पन्न किये जायेंगे, जिससे पुनः बाजार में माल की मांग उत्पन्न होगी और अर्थव्यवस्था चल निकलेगी। लेकिन इस प्रक्रिया को अपनाने में जनता को महंगा माल स्वीकार करना पड़ेगा। इसलिए सरकार को चाहिए कि जनता को अपने विश्वास में ले। उन्हें बताये कि विदेश में बने सस्ते माल के स्थान पर हमें देश में बने महंगे माल को खरीदना चाहिए, जिससे कि देश में रोजगार उत्पन्न हो और अर्थव्यवस्था चल निकले। लेखक आर्थिक मामलों के जानकार हैं।

ज्ञान गंगा

संघर्ष

आचार्य रजनीश ओशो/ मैंने एक बहुत पुरानी कहानी सुनी है। यह यकीनन बहुत पुरानी होगी क्योंकि उन दिनों ईश्वर पृथ्वी पर रहता था। धीरे-धीरे वह मनुष्यों से उकता गया क्योंकि वे उसे बहुत सताते थे। कोई आधी रात को द्वार खटखटाता और कहता, 'तुमने मेरे साथ ऐसा क्यों किया? मैंने जो चाहा था वह पूरा क्यों नहीं हुआ?' सभी ईश्वर को बताते थे कि उसे क्या करना चाहिए। हर व्यक्ति प्रार्थना कर रहा था और उनकी प्रार्थनाएं विरोधाभासी थीं। कोई आकर कहता, 'आज धूप निकलनी चाहिए क्योंकि मुझे कपड़े धोने हैं।' कोई और कहता, 'आज बारिश होनी चाहिए क्योंकि मुझे पौधे रोपने हैं।' अब ईश्वर क्या करे? यह सब उसे बहुत उलझा रहा था। वह पृथ्वी से चला जाना चाहता था। उसके अपने अस्तित्व के लिए यह जरूरी हो गया था। वह अदृश्य हो जाना चाहता था। एक दिन एक बूढ़ा किसान ईश्वर के पास आया और बोला, 'देखिए, आप भगवान होंगे और आपने ही यह दुनिया भी बनाई होगी लेकिन मैं आपको यह बताना चाहता हूं कि आप सब कुछ नहीं जानते- आप किसान नहीं हो और आपको खेतीबाड़ी का क-ख-ग भी नहीं पता और मेरे पूरे जीवन के अनुभव का निचोड़ यह कहता है कि आपकी रची प्रकृति और इसके काम करने का तरीका बहुत खराब है। आपको अभी सीखने की जरूरत है।' ईश्वर ने कहा, 'मुझे क्या करना चाहिए?' किसान ने कहा, 'आप मुझे एक साल का समय दो और सब चीजें मेरे मुताबिक होने दो, और देखो कि मैं क्या करता हूं। मैं दुनिया से गरीबी का नामोनिशान मिटा दूंगा!' ईश्वर ने किसान को एक साल की अवधि दे दी। अब सब कुछ किसान की इच्छा के अनुसार हो रहा था। यह स्वाभाविक है कि किसान ने उन्हीं चीजों की कामना की जो उसके लिए ही उपयुक्त होतीं। उसने तूफान, तेज हवाओं और फसल को नुकसान पहुंचाने वाले हर खतरे को रोक दिया। सब उसकी इच्छा के अनुसार बहुत आरामदायक और शांत वातावरण में घटित हो रहा था और किसान बहुत खुश था। गेहूं की बालियां पहले कभी इतनी ऊंची नहीं हुईं! कहीं किसी अप्रिय के होने का खटका नहीं था। उसने जैसा चाहा, वैसा हुआ। उसे जब धूप की जरूरत हुई तो सूरज चमका दिया; तब बारिश की जरूरत हुई तो बादल उतने ही बरसाए जितने फसल को भाए। पुराने जमाने में तो बारिश कभी हद से ज्यादा हो जाती थी और नदियां उफनने लगतीं थीं, फसल बरबाद हो जाती थी। कभी पर्याप्त बारिश नहीं होती तो धरती सूखी रह जाती।

किसानों की आशंकाओं का समाधान जरूरी

शेर सिंह सांगवान

कृषि सुधार से जुड़े दो बिल संसद ने पारित कर दिये हैं। तीसरा बिल लोकसभा में पारित हो चुका है। इन बिलों का सदन के अन्दर और बाहर जोरदार विरोध हो रहा है। सबसे ज्यादा किसान पंजाब और हरियाणा में इन बिलों वापस लेने के लिए प्रदर्शन कर रहे हैं। इसका मुख्य कारण तो इन दोनों प्रणालियों का इन राज्यों में पूरी तरह से लागू होना और किसानों का लाभान्वित होना है। अन्य कारणों को जानने के लिए इन तीन बिलों की विवेचना किया जाना उचित होगा। सबसे पहला बिल 'आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955' सुधार के संबंध में है, जिसके अनुसार खाद्य पदार्थों की आपूर्ति पर रोक केवल असामान्य परिस्थितियों जैसे युद्ध, अकाल और प्राकृतिक आपदा और अप्रत्याशित मूल्यों के बढ़ने पर ही लगाई जायेगी। इसी तरह स्टॉक लिमिट भी 100 प्रतिशत फलों व सब्जियों की कीमत बढ़ने और अन्य खाद्य पदार्थों की 50 प्रतिशत कीमत बढ़ने पर ही लगाई जायेगी। इस बिल पर कोई विशेष विरोध किसानों को नहीं होना चाहिए। दूसरे बिल 'किसान उत्पाद ट्रेड और कामर्स' के अनुसार कोई भी ट्रेडर जिसके पास पेन नम्बर हो, वह अन्तर-राज्य और अन्तरा-राज्य खाद्य पदार्थों में व्यापार किसी किसान या अन्य ट्रेडर के साथ 'ट्रेड एरिया' में कर सकता है। खाद्य पदार्थों में एपीएमसी में शामिल सभी कृषि वस्तुएं होंगी तथा ट्रेड एरिया में किसान, खेत, कारखाने की जगह, कोल्ड स्टोरेज, गोदाम व कोई अन्य बिल्डिंग भी हो सकती है परन्तु ट्रेड एरिया में एपीएमसी और उसके अधिकृत प्राइवेट बाजार शामिल नहीं होंगे। इसके अतिरिक्त ट्रेड एरिया में खरीद-फरोख्त पर एपीएमसी या अन्य कानून व टैक्स नहीं लगेगा जबकि एपीएमसी बाजारों में यह रह सकता है। इसका प्रभाव यह होगा कि कोई भी खरीददार एपीएमसी में नहीं जाना चाहेगा और जल्दी ही ये मार्केट प्रणाली खत्म हो जायेगी। किसी फैक्टरी में एक खरीददार तथा सैकड़ों बेचने वाले होंगे तो कीमत क्या होगी। बिल के अनुसार कोई रेफरेंस कीमत होगी परन्तु उसमें एमएसपी का नाम नहीं होगा। अतः यह बिल एपीएमसी और न्यूनतम मूल्य प्रणाली दोनों को ही खत्म करने वाला होगा । इसी प्रकार तीसरा बिल कृषक (सशक्तीकरण और सुरक्षा) कीमत आश्वासन और कृषि सेवा; खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता, ग्रेड व स्टैंडर्ड पर ही ज्यादा ज़ोर देता है परन्तु मूल्य निर्धारण के बारे किसी कीमत से लिंक करने की बात तो करता है परन्तु स्पष्ट रूप से न्यूनतम मूल्य को उजागर नहीं करता। यहां भी खाद्य पदार्थों की बिक्री 'ट्रेड एरिया' में ही होगी, न कि एपीएमसी मार्केट में। इस प्रकार से ये दोनों ही बिल एपीएमसी और न्यूनतम मूल्य प्रणाली को खत्म करने वाले हैं। याद रहे एपीएमसी मार्केट प्रणाली रायल कृषि कमीशन 1928 में किसानों पर व्यापारियों के शोषण को कम करने के लिए अनुशंसित की गयी थी। इसे लागू करने में लगभग 30 वर्ष लगे क्योंकि 1960 और 1970 के दशकों में सभी राज्यों ने इसे लागू किया। इस प्रणाली का पिछले 50 वर्षों में किसानों ने कभी विरोध नहीं किया। राज्य सरकारों ने भी कोई विरोध नहीं किया क्योंकि उन्हें भी टैक्स व सैस मिलते रहे हैं। हालांकि संबंधित उद्योग वर्ग इससे नाखुश था क्योंकि उनसे कई तरह के टैक्स उगाहे जाते हैं। इसी प्रकार एमएसपी जो 1970 में गेहूं से शुरू हुई, 2020 तक लगभग सभी फसलों के लिए लागू हो गयी है। देश के सभी राज्यों के किसान इससे लाभान्वित हो रहे हैं। केन्द्र सरकार के उपरोक्त दोनों बिलों 'ट्रेड एरिया' में टैक्स खत्म करके एपीएमसी मार्केट को नष्ट करने का सीधा संकेत है। इसी तरह एमएसपी का नाम नहीं है, यद्यपि प्रधानमंत्री मौखिक आश्वासन दे रहे हैं।

यह तथ्य है कि गेहूं और चावल के बढ़ते स्टॉक के कारण, भारत सरकार पर लगातार दबाव बना हुआ है कि वह स्टॉक को प्रबंधनीय सीमा के भीतर रख सके। यहां तक कि एमएसपी पर सरकार द्वारा खरीदे गए दलहन और तिलहन के स्टॉक का भी अगले खरीद सीजन से पहले निपटान नहीं किया जाता है। हाल के वर्षों में अधिक खरीद के कारण एमएसपी एक राष्ट्रव्यापी समस्या बन गई है और विपणन सुधार बिल 2020 में इसके गैर-उल्लेखों से निश्चित रूप से किसानों के मन में आशंका पैदा होगी। ऐसी स्थितियों में, एक बेहतर विकल्प फसलों की बुवाई से पहले खरीद के लिए पंजीकरण के माध्यम से 'क्षेत्र-योजना' हो सकता है।

आज का राशिफल

मेष व्यावसायिक समस्या सुलझाने में आप सफल होंगे। रक्तचाप या हृदय रोगी स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। टकराव की स्थिति आपके हित में न होगी। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं।

वृषभ पारिवारिक सदस्यों का सहयोग मिलेगा। आपके प्रभाव तथा वर्चस्व में वृद्धि होगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

मिथुन आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कर्क राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। खानपान में संयम रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। व्यर्थ के तनाव मिलेंगे

सिंह पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। पारिवारिक जनों से तनाव मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कन्या पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन लाभ होगा। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी रखें। वाणी की सौम्यता आवश्यक है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। व्यावसायिक क्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। अनावश्यक कष्ट का सामना करना पड़ेगा। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। धन हानि की संभावना है।

वृश्चिक शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। विरोधियों का पराभव होगा।

धनु आर्थिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। जारी प्रयास सार्थक होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। अनावश्यक कष्ट का सामना करना पड़ेगा।

मकर जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। मकान, सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

कुम्भ गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। पारिवारिक जनों से तनाव मिलेगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें।

मीन व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दाल-आलू-प्याज अब नहीं रही जरूरी चीजें, राज्यसभा में पास हुआ आवश्यक वस्तु संशोधन बिल

बिजनेस डेस्क: संसद के दोनों सदनों में आवश्यक वस्तु (संशोधन) बिल पास हो गया है। इसके पास होने के बाद अब अनाज, दलहन, आलू, प्याज, खाद्य तेल जैसी चीजें आवश्यक वस्तुओं की श्रेणी में नहीं होंगी। दरअसल लोकसभा ने 15 सितंबर 2020 को आवश्यक वस्तु (संशोधन) विधेयक 2020 को मंजूरी मिली थी। अब यह राज्यसभा से भी पास हो गया है। आवश्यक वस्तु (संशोधन) बिल में बदलाव से अनाज, खाद्य तेल, तिलहन, दालें, प्याज और आलू सहित कृषि खाद्य सामग्री एक ट से बाहर हो गई हैं। इसका मतलब साफ है कि इन सभी कृषि खाद्य सामग्री पर सरकार का नियंत्रण नहीं रहेगा और किसान अपने हिसाब से मूल् य तय कर आपूर्ति और बिक्री कर सकेंगे। हालांकि, सरकार समय-समय पर इसकी समीक्षा करती रहेगी। जरूरत पड़ने पर नियमों को सख् त किया जा सकता है। 1955 में बने आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 के जरिए सरकार 65 साल से इन वस्तुओं की बिक्री, उत्पादन और आपूर्ति को नियंत्रित करती आ रही थीं लेकिन अब ये खुले बाजार के हवाले हैं। कृषि उत्पादों जैसे अनाज, खाद्य तेल, तिलहन दाल, प्याज और आलू कि डी-रेगुलेट कर दिया है यानि अब सरकार इनके बाजार भाव में भी हस्ताक्षेप नहीं करेगी। निचले सदन में चर्चा का जवाब देते हुए उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण राज्यमंत्री रावसाहेब दानवे ने कहा था कि इस विधेयक के माध्यम से कृषि क्षेत्र में संपूर्ण आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत बनाया जा सकेगा, किसान मजबूत होगा और निवेश को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि इससे कृषि क्षेत्र में कारोबार अनुकूल माहौल बनाने और वोकल फार लोकल को मजबूत बनाया जाएगा। हालांकि विपक्षी दलों ने इसका विरोध किया। विपक्ष ने केंद्र सरकार से इसे वापस करने की मांग की। माना जा रहा है कि इस बिल के पास होने से निजी निवेशकों को नियामकीय हस्तक्षेप से मुक्ति मिलेगी। इस विधेयक के माध्यम से कृषि क्षेत्र में संपूर्ण आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत बनाया जा सकेगा, किसान मजबूत होगा और निवेश को बढ़ावा मिलेगा।

क्या है एसेंशियल कमोडिटी एक्ट?

इस एक्ट के तहत जो भी चीजें आती हैं केंद्र सरकार उनकी बिक्री, दाम, आपूर्ति और वितरण को कंट्रोल करती है। उसका अधिकतम खुदरा मूल्य (MRP) तय कर देती है। कुछ वस्तुएं ऐसी होती हैं जिसके बिना जीवन व्यतीत करना मुश्किल होता है। ऐसी चीजों को आवश्यक वस्तुओं की लिस्ट में शामिल किया जाता है। केंद्र सरकार को जब भी यह पता चल जाए कि एक तय वस्तु की आवक मार्केट में मांग के मुताबिक काफी कम है और इसकी कीमत लगातार बढ़ रही है तो वो एक निश्चित समय के लिए एक्ट को उस पर लागू कर देती है। उसकी स्टॉक सीमा तय कर देती है, जो भी विक्रेता इस वस्तु को बेचता है, चाहे वह थोक व्यापारी हो, खुदरा विक्रेता या फिर आयातक हो, सभी को एक निश्चित मात्रा से ज्यादा स्टॉक करने से रोका जाता है ताकि कालाबाजारी न हो और दाम ऊपर ना चढ़ें।

हिंदुस्तान जिंक गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर के जरिए 4,000 करोड़ रुपए जुटाएगी

नई दिल्ली: वेदांता समूह की अनुषंगी कंपनी हिंदुस्तान जिंक लि. (एचजेडएल) ने मंगलवार को कहा कि उसके निदेशक मंडल द्वारा गठित समिति ने डिबेंचर के जरिए 4,000 करोड़ रुपए तक जुटाने को मंजूरी दे दी है। एचजेडएल ने बंबई शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि मंगलवार को निदेशकों की समिति की बैठक में इसकी मंजूरी दी गई। इसमें कहा गया है, ''अधिकृत निदेशकों की समिति ने दस-दस लाख रुपए अंकित मूल्य के 40,000 असुरक्षित, सूचीबद्ध, विमोच्य, गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर निजी नियोजन आधार पर पेश करने को मंजूरी दे दी।'' इसके जरिए 4,000 करोड़ रुपए तक जुटाने का लक्ष्य है। अधिक अभिदान मिलने पर 1,000 करोड़ रुपए तक की अतिरिक्त बोलियां रखने का विकल्प रखा गया है। वेदांता लि. की एचजेडएल में 64.9 प्रतिशत हिससेदारी है जबकि 29.5 प्रतिशत हिस्सेदारी सरकार के पास है।

मिस्त्री परिवार के साथ विवाद को खत्म करने के लिए टाटा ग्रुप ने बढ़ाया हाथ, पेश किया ये ऑफर

नई दिल्ली। देश के सबसे बड़े औद्योगिक समूह टाटा ग्रुप ने मिस्त्री परिवार के साथ चल रहे विवाद को सुलझाने के लिए पहल की है। अब टाटा ग्रुप मिस्त्री परिवार की हिस्सेदारी खरीदने के लिए तैयार है। बता दें कि दोनों परिवारों को बीच शेयरों को लेकर बीते एक साल से विवाद चल रहा है। टाटा संस के वकील ने मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट को बताया कि वह नकदी संकट से जूझ रहे शापूरजी पलौंजी ग्रुप की 18 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने को तैयार है। शापूरजी पलौंजी ग्रुप अपने कर्ज के भुगतान के लिए पैसा जुटाना चाहता है। लेकिन वह हिस्सेदारी बेचने के बजाय शेयर गिरवी रखकर उधार लेना चाहता है। टाटा समूह को लगता है कि ऐसा करने में जोखिम है। इससे ऐसे निवेशकों के हाथ शेयर लग सकते हैं जो आगे चलकर कंपनी के हितों के खिलाफ काम कर सकते हैं।

ये रही विवाद की वजह

सुप्रीम कोर्ट ने मिस्त्री ग्रुप से कहा है कि वह 28 अक्टूबर तक टाटा समूह को कोई शेयर नहीं बेचेगा और न ही उसे गिरवी रखेगा। मामले की अगली सुनवाई 28 अक्टूबर से शुरू होगी। शापूरजी पलौंजी ग्रुप पर पलौंजी मिस्त्री और उनके परिवार का नियंत्रण है। इस ग्रुप की टाटा समूह की होल्डिंग कंपनी टाटा संस में 18 फीसदी हिस्सेदारी है। मिस्त्री के बेटे साइरस मिस्त्री को 2016 में टाटा संस के चेयरमैन पद से हटा दिया गया था। तभी से उनकी टाटा परिवार के साथ ठनी हुई है।

मिस्त्री परिवार कितना है कर्ज

मिस्त्री परिवार का रियल एस्टेट, इन्फ्रास्ट्रक्चर और होम एप्लायंसेज का कारोबार है। समूह की अपने कर्ज के भुगतान के लिए टाटा संस में अपनी कुछ हिस्सेदारी गिरवी रखकर 1 अरब डॉलर जुटाने की योजना थी। एसपी ग्रुप की मेन होल्डिंग कंपनी शापूरजी पलौंजी एंड कंपनी प्राइवेट पर फरवरी के अंत तक 9280 करोड़ रुपये (1.3 अरब डॉलर) का कर्ज था। पूरे ग्रुप पर मार्च 2019 तक 30,000 करोड़ रुपये से अधिक कर्ज था।

ट्रेन में कन्फर्म सीट न मिलने पर विमान से करें सफर, यह नया स्टार्टअप दे रहा सुविधा

बिजनेस डेस्क:

रेलवे से टिकट बुक करने के बाद आपको कन्फर्मेशन का इंतजार करना होता है। वहीं आपको टिकट कैंसल भी करनी पड़ती है, जिसकी वजह से यात्रियों के सफर पर असर पड़ता है। मुंबई स्थित स्टार्टअप रेलोफाई (Railofy) ने भारत की पहली 'वेस्टलिस्ट और आरएसी प्रोटेक्शन' सेवा शुरू की है, जो भारत में वेटलिस्ट समस्या से निपट रही है।यात्रियों को लंबा सफर तय करने के लिए फ्लाइट या ट्रेन ही दो विकल्प रहते हैं लेकिन अक्सर फ्लाइट का टिकट थोड़ा महंगा होने के चलते यात्री ट्रेन से ही सफर करना पसंद करते हैं। इसके बाद आपको चार्ट तैयार होने की प्रतीक्षा करनी पड़ती है और यदि टिकट कन्फर्म नहीं होती है तो यात्रा रद्द करनी पड़ती है। एक यात्री दीपिका अग्रवाल ने बताया, 'मुंबई से दिल्ली तक सफर करना था और हमारे 6 लोगों के टिकट वेटलिस्ट के थे। हमारे टिकट आखिरी वक्त में भी कन्फर्मेशन नहीं हुए। इसके बाद हमने इस ऐप के माध्यम से अपना सफर पूरा किया।'

क्या करना होगा यात्री को

दरअसल, यात्री को रेलोफाई की वेबसाइट या ऐप पर जाकर, अपने टिकट का पीएनआर नंबर डालना होगा। वहीं यात्री को एक शुल्क जमा करना होगा, जो हर यात्रा के हिसाब से तय किया गया है। इसके बाद रेलोफाई यात्री के वेटलिस्ट टिकट को ट्रैक करता रहता है। यदि यात्री का टिकट कन्फर्म नहीं होता, तो रेलोफाई यात्री को फ्लाइट का टिकट देकर उसकी यात्रा पूरी करवाता है। वहीं यात्री को ट्रेन के ही दाम पर विमान से यात्रा करने का मौका मिलता है।दीपिका ने आगे कहा, 'हमारे 6 टिकट वेटलिस्ट में थे। उस समय तत्काल टिकट का दाम 4000 था और मार्केट में फ्लाइट का एक टिकट 5000 रुपए का पड़ रहा था। हमने रेलोफाई से वेटलिस्ट प्रोटेक्शन लिया था। चार्ट बनने के बाद हमें सिर्फ 2000 रुपए में फ्लाइट का टिकट मिल गया।'

100 यात्री कर चुके हैं सफर

रेलोफाई के संस्थापक टीम से रोहन ने बताया, 'लगभग 30 करोड़ भारतीय हर साल रेलवे की वेटलिस्ट से जूझते हैं। हम चाहते हैं कि यात्री को अपने सफर में कोई परेशानी न हो। जनवरी 2020 से हमने इसे शुरू किया और पहले कुछ महीने में ही करीब 100 यात्रियों ने हमारे माध्यम से अपना सफर पूरा किया।' उन्होंने बताया कि रेलोफाई की सेवा अभी देश में चल रहीं सभी ट्रेनों और क्लासेस के लिए उपलब्ध है। वहीं कोरोना महामारी के दौरान प्रवासी मजदूरों ने हमारी सुविधा का लाभ उठाया। जो लोग काम पर फिर से लौट रहे हैं, वे भी हमारे माध्यम से अपना सफर पूरा कर रहे हैं। रोहन ने कहा कि जिन यात्रियों का गांव एयरपोर्ट से दूर है, रेलोफाई उन्हें उनके घर से एयरपोर्ट तक पहुंचाने की सुविधा भी देता है। उन्होंने कहा कि हालांकि रेलोफाई लंबे सफर को आसान बनाने के साथ ही छोटे मार्गों के लिए बस सुविधा भी देना शुरू कर रहा है, ताकि यात्रियों को कम से कम परेशानी हो।

विमान में कोविड-19 संक्रमण की आशंका बेहद कम - आयटा

दिल्ली- अंतरराष्ट्रीय हवाई परिवहन संघ ने कहा है कि विमान में कोविड-19 संक्रमण की आशंका बेहद कम है। हवाई परिवहन संघ ने आयटा की एक अध्ययन रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए यह बात कही जिसमें कहा गया है कि इस साल मार्च में लंदन से हनोई और बोस्टन से हांगकांग और कुछ अन्य उड़ानों में यात्रा के दौरान लोगों के संक्रमित होने के प्रमाण मिले हैं। विमान सेवा कंपनियों के संध ने अपने बयान में कहा कि कोविड-19 महामारी फैलने के बाद से उड़ानों की संख्या लाखों में रही है, लेकिन यात्रा के दौरान संक्रमण के मामले गिने-चुने ही है। आंकड़ो की मानें तो बस, ट्रेन, रेस्त्रा और ऑफिसों की तुलना में विमान में कोरोना संक्रमण होने का खतरा कम होता है। क्योंकि विमानों में हेपा फिल्टर लगे होने का लाभ होता है जोकि वायरस सहित हवा में मौजूद 99.99 फीसदी सूक्ष्म कणों को फिल्टर कर देता है। बता दें कि अध्ययन में उन दो उड़ानों का जिक्र किया गया है जोकि मार्च की हैं। उस समय से अबतक काफी कुछ बदल गया है। लोगों को अब मास्क और अन्य सेफ्टी कवर पहनने की आदत पड़ गई है। जून में अंतरराष्ट्रीय नागर विमानन संगठन ने कोविड-19 के मद्देनजर नये दिशा-निदेर्श भी जारी किये हैं जिनका पालन किया जा रहा है। यहीं नहीं आयटा भी यात्रियों से सावधानी बरतने और बार-बार साबुन से हाथ धोने की अपील कर रहा है।

आईओसी गुजरात रिफाइनरी विस्तार, पेट्रोरसायन परियोजना में 17,825 करोड़ रुपये करेगी निवेश

नई दिल्ली।

देश की प्रमुख तेल कंपनी इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) ने मंगलवार को कहा कि वह गुजरात रिफाइनरी की क्षमता बढ़ाने के साथ पेट्रोरसायन संयंत्र की स्थापना के लिये 17,825 करोड़ रुपये निवेश करेगी। कंपनी मार्जिन को बनाये रखने के लिये पेट्रोरसायन कारोबार बढ़ाने पर ध्यान दे रही है। शेयर बाजार को दी सूचना में आईओसी ने कहा कि उसके निदेशक मंडल की 21 सितंबर को हुई बैठक में गुजरात रिफाइनरी परिसर में पेट्रोरसायन और ल्यूब इंटीग्रेशन परियोजना को मंजूरी दे दी गयी। इस पर 17,825 करोड़ रुपये की लागत अनुमानित है। परियोजना के तहत गुजरात में वडोदरा रिफाइनरी की क्षमता 1.37 करोड़ टन सालाना से बढ़ाकर 1.8 करोड़ टन सालाना करने का प्रस्ताव है। साथ ही 5 लाख टन सालाना क्षमता का प्रॉपीलीन (पीपी) संयंत्र और 2,35,000 टन सालाना ल्यूब ऑयल बेस स्टॉक (एलओबीएस) यूनिट की परिकल्पना की गयी है। कंपनी के अनुसार यह परियोजना भविष्य में प्रमुख रसायनों के उत्पादन के लिए महत्वपूर्ण होगी। यह आईओसी के कॉर्पोरेट मार्जिन को बढ़ाएगा। सोमवार को कंपनी की सलाना बैठक के बाद आईओसी के चेयरमैन श्रीकांत माधव वैद्य ने संवाददाताओं से कहा था कि आईओसी पेट्रोरसायन विनिर्माण क्षमता बढ़ाने की योजना बना रही है और कपड़ा कारोबार में कदम रखने पर विचार कर रही है। वैद्य ने कहा गुजरात रिफाइनरी परियोजना आईओसी की पेट्रोरसायन क्षमता को अगले दशक तक 70 प्रतिशत से अधिक बढ़ाने की योजना का हिस्सा है। फिलहाल यह 32 लाख टन सालाना है। उन्होंने कहा था पेट्रोरसायन उत्पादन ऊर्जा क्षेत्र की कंपनियों के लिये एक आकर्षक अवसर है क्योंकि प्रति व्यक्ति खपत अभी भी काफी कम है। वैद्य के अनुसार इससे मार्जिन और तेल बाजार में उतार-चढ़ाव के जोखिम से बचाव में मदद मिलेगी। आईओसी वर्तमान में ओडीशा की पारदीप रिफाइनरी में एथलिन ग्लायकोल परियोजना को अमल में ला रही है। इसके साथ ही यहां पैराजायिलन..प्यूरीफाइड टेरेप्थालिक एसिड (पीएक्स..पीटीए) प्लांट भी लगाया जा रहा है। गुजरात रिफाइनरी और हरियाणा की पानीपत रिफाइनरी में भी विस्तार कार्य चल रहे हैं। कंपनी इन सभी परियोजनाओं पर 28,869 करोड़ रुपये निवेश कर रही है। उन्होंने कहा कि कंपनी ओडिशा के भद्रक में 1,970 करोड़ रुपये की लागत से कपड़ा विनिर्माण परियोजना लगाने की भी योजना बना रही है।

आवासीय भवनों में निर्माण के दौरान ही विकसित किया जाए दूरसंचार सेवाओं का बुनियादी ढांचा: TRAI

नई दिल्ली।

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) के प्रमुख आर. एस. शर्मा का कहना है कि बहुमंजिला इमारतों में कनेक्टिविटी एक बड़ी समस्या है। उनका सुझाव है कि बहुमंजिला आवासीय भवनों में नागरिक कल्याण संगठनों (आरडब्ल्यूए) को दूरसंचार क्षेत्र के सभी परिचालकों को साझा बुनियादी ढांचा खड़ा करने की अनुमति देनी चाहिये। शर्मा ने कहा कि लोगों की आम धारणा यह है कि एक बार मोबाइल टावर लग जायेगा तो कनेक्टिविटी संबंधी सभी समस्याओं का समाधान हो जायेगा। लेकिन ऐसा होता नहीं है। बहुमंजिला भवनों में दूरसंचार संपर्क की गुणवत्ता अभी भी एक बड़ा मुद्दा है।उन्होंने कहा कि इसलिए आरडब्ल्यूए को चाहिए कि वह इमारतों के निर्माण की योजना के दौरान ही बिजली, पानी और अन्य सेवाओं की तरह ही कनेक्टिविटी के बुनियादी ढांचे को भी शामिल करें। यह ढांचा साझा करने लायक हो ताकि सभी दूरसंचार सेवाप्रदाताओं की पहुंच सुनिश्चित हो सके। शर्मा ट्राई के दो परिचर्चा पत्रों के विमोचन के मौके पर बोल रहे थे। इसमें एक परिचर्चा पत्र बहुमंजिला आवासीय इमारतों में कनेक्टिविटी की अच्छी गुणवत्ता से जुड़ा है। ट्राई प्रमुख ने कहा कि आम धारणा यह है कि मोबाइल टावर की मौजूदगी सभी समस्याओं का निराकरण कर देगी। लेकिन इमारतों के भीतर कनेक्टिविटी अभी भी एक चुनौती है।उन्होंने कहा, 'लोगों का मानना है कि एक बार टावर आ जाएगा, सब कुछ काम करने लगेगा। यह एक मिथक है। पहले लंबी-लंबी इमारतें बन जाती हैं और उसके बाद हम कनेक्टिविटी के बारे में सोचते हैं।' शर्मा ने कहा कि कई बार तो एक कमरे से दूसरे कमरे में जाने पर ही मोबाइल नेटवर्क की गुणवत्ता में फर्क आ जाता है। यह समस्या सिर्फ बहुमंजिला आवासीय इमारतों की ही नहीं, बल्कि अस्पतालों, मॉल और उप-नगरीय क्षेत्रों में स्थित कार्यालयी इमारतों में भी है। उन्होंने कहा कि इसका दीर्घावधि में एक ही समाधान है और वह है फाइबर कनेक्टिविटी। ट्राई प्रमुख ने कहा, 'मेरा मानना है कि पारंपरिक तौर पर हम बिजली, पानी और केबल टीवी की लाइन को ही प्राथमिकता देते हैं, जब किसी इमारत का निर्माण हो रहा होता है तो हम इन सबके लिए प्रावधान करते हैं लेकिन ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी, वॉयस और डेटा कनेक्टिविटी के लिये ऐसा प्रावधान नहीं करते हैं, क्योंकि हमारी सोच है कि यह सब मोबाइल टावर से काम करेगा।' उन्होंने कहा कि असल में पर्याप्त मात्रा में टावरों की संख्या भी अच्छी गुणवत्ता का नेटवर्क तैयार नहीं करेगी। इसका समाधान नीति और व्यवहार में बदलाव लाकर हो सकता है। शर्मा ने कहा कि आरडब्ल्यूए दूरसंचार सेवाप्रदाताओं को अपार्टमेंट में प्रवेश देने के लिए के लिए शुल्क वसूलते हैं। उन्हें लगता है कि इससे होने वाली आय से वह लोगों को अधिक अच्छी सुविधाएं उपलब्ध करा सकते हैं। लेकिन यह चीजों को दूसरे तरीके से देखने का नजरिया है। रहवासियों को अच्छी सुविधाएं तब मिलेगी जब उनकी कनेक्टिविटी की जरूरतें पूरी होंगी। उन्होंने कहा कि ऐसे में यह आरडब्ल्यूए के हित में होगा कि वे अपनी इमारतों में हर दूरसंचार सेवाप्रदाता को प्रवेश का मौका दें। इन सभी कंपनियों को दूरसंचार से जुड़ा एक साझा करने लायक बुनियादी ढांचा बनाने की अनुमति देनी चाहिए ताकि इन्हें अपनी सेवा उपलब्ध कराने में 'बटन खोलने और बंद करने' जितनी आसानी हो।

इन दो बैंकों में एफडी पर मिल रहा है 7% ब्याज

नई दिल्ली।

कोरोना महामारी के दौरान कई बैंकों ने ब्याज दरों में कटौती की है। भारतीय स्टेट बैंक में 5.4 फीसदी ब्याज मिल रहा है। **HDFC** बैंक की बात करें तो यहां अधिकतम ब्याज दर 5.5 फीसदी के पास है, जबकि **ICICI** बैंक की ब्याज दर भी इसके आस पास ही है। बता दें कि अभी दो बैंक ऐसे हैं जहां 7 फीसदी का ब्याज मिल रहा है। ये दो बैंक हैं- पहला इंडसंड बैंक और दूसरा यस बैंक।

इंडसंड बैंक

इंडसंड बैंक रेगुलर डिपॉजिट्स पर 7 फीसदी की ब्याज दर मिल रही है। वैसे तो इस बैंक में अलग-अलग अवधि के लिए ब्याज दर अलग-अलग है, लेकिन ये ब्याज दर 1 साल से 3 साल के लिए है। हालांकि, अगर आप 3 साल से अधिक और 10 साल तक के लिए डिपॉजिट करते हैं तो आपको ब्याज ज्यादा नहीं बल्कि कम मिलेगा और ये दर है 6.75 फीसदी।

यस बैंक

इंडसंड बैंक अलावा यस बैंक भी शानदार ब्याज मिल रहा है। इसमें भी रेगुलर डिपॉजिट पर 7 फीसदी का ब्याज दिया जा रहा है। हालांकि, अगर बात सीनियर सिटीजन की आती है तो बैंक की तरफ से करीब 7.5 फीसदी तक का ब्याज मिल सकता है। यह बैंक की ये ब्याज दर 1 साल से 3 साल के लिए है। अन्य बैंकों में डिपॉजिट पर दिए जाने वाले ब्याज की दरें कम हैं।

और भी हैं विकल्प

अगर बैंकों की बजाए स्मॉल फाइनेंस बैंक की ओर जाएं तो यहां और भी अधिक ब्याज मिल सकता है।

अगर आप म्यूचुअल फंड या शेयर बाजार में पैसा लगाए तो आपको अधिक ब्याज मिल सकता है, लेकिन बैंकों जैसा भरोसा वहां नहीं मिलेगा। निवेश की सुरक्षा काफी अहम होती है, ऐसे में लोग बैंकों में निवेश करना ही पसंद करते हैं।

चीन ने बढ़ाई इन जरूरी चीजों की कीमत, जल्द महंगी हो सकती हैं भारत में दवाइयां

बिजनेस डेस्क:

भारत और चीन के बीच चल रहे तनाव की वजह से अब भारत में दवाइयां महंगी होने वाली हैं। दरअसल कड़वी सच्चाई है कि चीन पर भारत अपनी निर्भरता अचानक से नहीं घट जाएगी। भारत बहुत बड़े पैमाने पर मेडिसिन का उत्पादन करता है लेकिन इसके लिए जरूरी उत्पाद **API (Active Pharmaceutical Ingredients)** और **KSM (Key Starting Materials)** का आयात चीन से किया जाता है।

बता दें कि चीन ने की स्टार्टिंग मटीरियल की कीमत 10-20 फीसदी बढ़ा दी हैं। इसका सीधा असर भारत में दवा की कीमतों पर दिखाई दे सकता है। अगले एक से दो महीने के भीतर जब च्यस्रू की नई खेप आएगी तो उसकी कीमत ज्यादा होगी, जिसके कारण मैन्युफैक्चरिंग कॉस्ट बढ़ जाएगा और दवा की कीमत भी बढ़ानी पड़ेगी।

70-80% चीन से आयात करता है KSM

भारत **API** का बड़े पैमाने पर आयात करता रहा है। **API** को बेसिक फार्म इंग्रीडिएंट कहते हैं। इसकी मदद से दवा तैयार होती है। एपीआई की कीमत अब प्री-कोविड लेवल पर पहुंच चुकी है। भारत जरूरत का 70-80 फीसदी चीन से आयात करता है। **KSM** की मदद से भारतीय कंपनियां एंटीबॉडी तैयार मेडिसिन तैयार करती हैं। इसकी कीमत में तेजी के कारण दवा की कीमत में भी तेजी आएगी। इसकी कीमत में 15 फीसदी तक की तेजी आई है।

गिरावट के साथ बंद हुई शेयर मार्किट, सेंसेक्स 300 अंक लुढ़का, निफ्टी 11,200 के नीच बंद

मुंबई: एशिया के अन्य बाजारों में कमजोर रुख के बीच बाजार में अच्छी दखल रखने वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, एचडीएफसी और मारुति के शेयरों में गिरावट के साथ बीएसई सेंसेक्स मंगलवार को 300 अंक लुढ़क गया। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 300.06 अंक यानी 0.79 प्रतिशत टूटकर 37,734.08 अंक पर बंद हुआ। इसी प्रकार, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 96.90 अंक यानी 0.86 प्रतिशत की गिरावट के साथ 11,153.65 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में सर्वाधिक नुकसान में मारुति रही। कंपनी का शेयर करीब 3 प्रतिशत नीचे आया। इसके अलावा जिन अन्य प्रमुख शेयरों में गिरावट दर्ज की गयी, उनमें एल एंड टी, इंडसइंड बैंक, एक्सिस बैंक, ओएनजीसी, रिलायंस इंडसट्रीज, एशियन पेंट्स और एचडीएफसी शामिल हैं। दूसरी तरफ लाभ में रहने वाले शेयरों में एचसीएल टेक, टीसीएस, सन फार्मा और टेक महिंद्रा शामिल हैं। आनंद राठी के इक्विटी शोध प्रमुख (फंडामेंटल) आनंद राठी ने कहा कि कोविड-19 संक्रमण के बढ़ते मामलों के कारण फिर से पाबंदी लगाये जाने की चिंता के बीच दुनिया के अन्य प्रमुख बाजारों में बिकवाली हुई जिसके कारण भारतीय बाजार में भी गिरावट आयी। कोविड-19 संक्रमण के बढ़ते मामलों से पहले से नरम पड़ी आर्थिक स्थिति में पुनरूद्धार को नुकसान पहुंच सकता है। उन्होंने कहा कि दोपहर के कारोबार में बाजार में थोड़े समय के लिये सुधार देखने को मिला लेकिन दुनिया के अन्य बाजारों में बिकवाली जारी रहने से यह स्थिति बरकरार नहीं रह पायी। वैश्विक स्तर पर एशिया के अन्य बाजारों में चीन में शंघाई, हांगकांग और दक्षिण कोरिया का सोल नुकसान के साथ बंद हुए। हालांकि यूरोप के प्रमुख बाजारों में शुरूआती कारोबार में सकारात्मक रुख रहा। इस बीच वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 1.30 प्रतिशत की तेजी के साथ 41.98 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। विदेशी विनिमय बाजार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 20 पैसे की गिरावट के साथ 73.58 पर बंद हुआ।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कॉनमेबोल विश्व कप क्वालीफायर्स के पहले मैच में पराग्वे का सामना पेरू से

असुनसियोन । अगले महीने होने वाले 2022 फीफा विश्व कप क्वालीफायर्स में दक्षिण अमेरिकी जोन के पहले मुकाबले में पराग्वे का सामना पेरू से होगा। दक्षिण अमेरिका में फुटबाल को नियंत्रित करने वाली संस्था-कॉनमेबोल ने इसकी जानकारी दी। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, क्वालीफायर्स का पहला मुकाबला असुनसियोन के डेफेनडोरेस डेल चाको स्टेडियम में आठ अक्टूबर को खेला जाएगा। दिन के अन्य मुकाबलों में मोंटेवीडियो में उरुग्वे का सामना चिली से ब्यूनस आयर्स में अर्जेंटीना का सामना इक्वाडोर से होगा। क्वालीफायर्स का पहला राउंड आठ अक्टूबर को पूरा होगा और इसी दिन कोलंबिया के सामने वेनेजुएला की तथा ब्राजील के सामने बोलिविया की चुनौती होगी। 2022 फीफा विश्व कप क्वालीफायर्स में दक्षिण अमेरिकी जोन के मुकाबले मार्च में शुरू होने थे, लेकिन कोरोना वायरस महामारी के कारण इसे निलंबित कर दिया गया था। 2022 फीफा विश्व कप का आयोजन 21 नवंबर से 18 दिसंबर तक कतर में खेला जाएगा।

नोवाक जोकोविच ने पांचवीं बार इटेलियन ओपन का खिताब अपने नाम किया

डिजिटल डेस्क।

सर्बिया के स्टार खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने इटेलियन ओपन का खिताब अपने नाम कर लिया है। जोकोविच ने पांचवीं बार इस टूर्नामेंट का खिताब जीता है। वहीं विमेंस सिंगल्स में रोमानिया की सिमोना हालेप ने पहली बार इटेलियन ओपन का खिताब अपने नाम किया। वर्ल्ड नंबर-1 जोकोविच ने मेंस सिंगल्स के फाइनल मैच में अर्जेंटीना के डिएगो श्वार्टजमैन को 7-5, 6-3 से मात देकर टूर्नामेंट का खिताब जीता। जोकोविच सबसे ज्यादा ATP मास्टर्स 1000 टाइटल जीतने वाले खिलाड़ी बने इसके साथ ही जोकोविच सबसे ज्यादा ATP मास्टर्स 1000 टाइटल जीतने वाले खिलाड़ी भी बन गए हैं। उन्होंने अब तक रिकॉर्ड 36 बार ATP मास्टर्स 1000 टाइटल अपने नाम किए हैं। वर्ल्ड नंबर-2 राफेल नडाल 35 ATP मास्टर्स 1000 टाइटल के साथ दूसरे नंबर पर हैं। वहीं रोजर फेडरर के नाम 28 ATP मास्टर्स 1000 टाइटल हैं। वह सबसे ज्यादा ATP मास्टर्स 1000 टाइटल जीतने वाले खिलाड़ियों की लिस्ट में तीसरे नंबर पर हैं।

जोकोविच ने इस साल 32 से 31 मैच जीते

जीत के बाद जोकोविच ने कहा, यह शानदार सप्ताह था, काफी चुनौतीपूर्ण सप्ताह। मुझे नहीं लगाता कि, मैंने इस पूरे सप्ताह अपनी सर्वश्रेष्ठ टेनिस खेली है। लेकिन मुझे लगता है कि जब जरूरत थी तब मैंने अपनी सर्वश्रेष्ठ टेनिस खेली। उन्होंने कहा, इससे मुझे काफी संतुष्टि मिलती है और मुझे इस बात का गर्व है कि, मैं अपने पांचवें गियर में वापसी कर सका। पेरिस जाने से पहले रोम से बेहतर टूर्नामेंट मेरे लिए नहीं हो सकता था। जोकोविच ने इस साल 32 मैच खेले हैं और 31 में उन्हें जीत मिली है।

श्वार्टजमैन पहली बार टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचे थे

दोनों खिलाड़ियों का यह पांचवीं बार आमना-सामना हुआ। जोकोविच ने अब तक सभी 5 मैचों में श्वार्टजमैन को हराया है। श्वार्टजमैन पहली बार टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचे थे। इतना ही नहीं वह 15 साल बाद इटेलियन ओपन के फाइनल में पहुंचने वाले अर्जेंटीना के पहले खिलाड़ी भी बने, लेकिन खिताब जीतने से चूक गए। उनसे पहले अर्जेंटीना के गिलर्मो कोरिया ने 2005 में इस टूर्नामेंट का फाइनल खेला था। डिएगो की कोशिश उन खिलाड़ियों की फेहरिस्त में शामिल होने की थी। जिन्होंने जोकोविच और नडाल के अलावा इस टूर्नामेंट को जीता हो, लेकिन वो एंडी मरे और एलेक्जेंडर ज्वेरेव के साथ खड़े नहीं हो सके।

श्वार्टजमैन ने क्वार्टरफाइनल में नडाल को हराया था

डिएगो श्वार्टजमैन ने मेंस सिंगल्स के सेमीफाइनल मैच में कनाडा के डेनिस शापोवालोव को 6-4, 5-7, 7(7)-6(4) से मात देकर फाइनल में अपनी जगह बनाई है। इससे पहले श्वार्टजमैन ने क्वार्टरफाइनल मैच में नडाल को 6-2, 7-5 से मात देकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया था। नडाल 15वीं बार टूर्नामेंट के क्वार्टरफाइनल में पहुंचे थे। वहीं जोकोविच ने मेंस सिंगल्स के अन्य सेमीफाइनल मैच में नॉर्वे के कैस्पर रुड को 7-5, 6-3 से मात देकर फाइनल में प्रवेश किया था।

सिमोना हालेप ने पहली बार टूर्नामेंट का खिताब जीता

वहीं विमेंस सिंगल्स में रोमानिया की सिमोना हालेप ने पहली बार टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम कर लिया है। टॉप सीड हालेप ने फाइनल में चेक रिपब्लिक की कैरोलिना प्लीस्कोवा के खिलाफ 6-0, 2-1 की बढ़त बना ली थी, लेकिन तभी प्लिस्कोवा चोटिल हो गईं और फिर वह दोबारा कोर्ट पर नहीं आईं। इसके बाद हालेप को विजेता घोषित कर दिया गया। हालेप 2017 और 2018 के फाइनल में हार गई थी, लेकिन इस बार वह किस्मत के सहारे ही खिताब अपने नाम करने में सफल रहीं।

हालेप का यह 22वां डब्ल्यूटीए और क्ले कोर्ट पर 9वां खिताब

हालेप को अब रविवार को फ्रेंच ओपन में अपना पहला मुकाबला खेलना है। मौजूदा चैंपियन ऑस्ट्रेलिया की अश्लेग बार्टी की गैर मौजूदगी में हालेप महिला एकल में टूनार्मेंट की टॉप सीड खिलाड़ी होंगी। इटेलियन ओपन जीतने के बाद हालेप का यह 22वां डब्ल्यूटीए और क्ले कोर्ट पर 9वां खिताब है। दोनों खिलाड़ियों के बीच करियर की यह 12वीं भिड़ंत थी। प्लिस्कोवा ने हालेप के खिलाफ पिछले चार मुकाबलों में से तीन में जीत दर्ज की थी। हालेप की यह लगातार 14वीं जीत है। उन्होंने कोविड-19 महामारी के बाद टेनिस के फिर से शुरू होने के बाद पराग्वे ओपन का खिताब जीता था।

आईपीएल-13 के उद्घाटन मैच को 20 करोड़ लोगों ने देखा : जय शाह

दुबई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह ने मंगलवार को कहा कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 13वें सीजन में शनिवार को खेले गए उद्घाटन मुकाबले को करीब 20 करोड़ लोगों ने देखा। शाह के अनुसार, यह किसी भी देश में किसी भी खेल के उद्घाटन मुकाबले को देखने वालों के हिसाब से सबसे ज्यादा संख्या है। आईपीएल-13 का उद्घाटन मुकाबला शनिवार को अबु धाबी के शेख जायेद स्टेडियम में मौजूदा चैंपियन मुंबई इंडियंस और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच खेला गया, जिसमें महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी वाली चेन्नई सुपर किंग्स ने चार बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस को पांच विकेट से हराया था। जय शाह ने ट्विटर पर बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली को टैग करते हुए लिखा, आईपीएल के उद्घाटन मैच ने एक नया रिकॉर्ड कायम किया है। बीएआरसी के अनुसार, इस मैच को 20 करोड़ लोगों ने देखा। यह किसी भी देश में किसी भी खेल के उद्घाटन मुकाबले को देखने वालों के हिसाब से सबसे ज्यादा संख्या है। कोविड-19 महामारी के कारण आईपीएल 2020 का आयोजन यूएई के तीन स्थानों पर खेला जा रहा है। इसका फाइनल 10 नवंबर को होगा, जिसके आयोजन स्थल की घोषणा बाद में की जाएगी।

सोशल डिस्टेंसिंग के कारण एक जर्मन फुटबाल टीम 0-37 से हारी

बर्लिन ।

जर्मनी की एक छोटे स्तर की लीग के फुटबाल क्लब को सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करने का कारण 0-37 के विशाल अंतर से हार का सामना करना पड़ा। क्लब ने मैदान पर सिर्फ अपने सात खिलाड़ी ही उतारे ताकि वे सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते रहें और कोरोनावायरस संक्रमण को रोक सकें। ईएसपीएन की रिपोर्ट के मुताबिक जर्मनी की सबसे कम स्तर वाली लीग क्रेइस्क्लासे में 13 सितंबर को एसजी रिपोडोर्फ/मोल्जेन 2 का सामना एसवी होलडेनस्टेड्ट-2 से था, जहां उसे 0-37 से हार मिली। होल्डेनस्टेड्ट ने लगभग हर दूसरे मिनट में गोल किया। दरअसल मैच शुरू होने से पहले रिपडोर्फ की टीम को पता चला था कि होलडेनस्टेड्ट की टीम का एक खिलाड़ी कोविड-19 पॉजिटिव निकला था। बाद में हालांकि होल्डेनस्टेड्ट की पूरी टीम का टेस्ट निगेटिव आया था लेकिन रिपडोर्फ के खिलाड़ी सुरक्षित महसूस नहीं कर रहे थे और उन्होंने मैच स्थगित करने को भी कहा था। संक्रमण के डर से कई खिलाड़ी मैदान पर उतरना नहीं चाहते थे इसलिए रिपडोर्फ के सिर्फ सात खिलाड़ी ही मैदान पर उतरे। रिपोडोर्फ के को-चेयरमैन पैट्रिक रिस्टो ने ईएसएपीएन से कहा, हमने मैच

स्थगित करने को कहा था, लेकिन होल्डेनस्टेड्ट खेलना चाहती थी। जब मैच शुरू हुआ तो हमारे खिलाड़ी ने गेंद को पास किया और हमारी टीम साइडालाइन पर खड़ी हो गई।

होल्डेनस्टेड्ट ने गोल कर दिया, लेकिन रेफरी ने हमारे कप्तान को खेल भावना के विपरित व्यवहार करने का दोषी पाया। उन्होंने कहा कि टीम किसी तरह का जोखिम नहीं लेना चाहती थी इसलिए खिलाड़ी मैदान पर लौटे लेकिन सिर्फ खड़े रहे।

संक्षिप्त समाचार

टोक्यो ओलंपिक में मेरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन आएगा: अतानु दास

मुंबई। अनुभवी भारतीय पुरुष तीरंदाज अतानु दास अगले साल होने वाले टोक्यो ओलंपिक में अपने शानदार प्रदर्शन को लेकर आश्वस्त हैं। टोक्यो ओलंपिक का आयोजन इस साल जुलाई-अगस्त में होना था, लेकिन कोरोना वायरस के कारण इसे अगले साल तक के लिए स्थगित कर दिया गया है। 28 वर्षीय दास को 2016 रियो ओलंपिक में दक्षिण कोरिया के ली सेयूंग यून के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। दास ने भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी मुदित दानी के साथ इन स्पोटलाइट आनलाइन शो में कहा, रियो में मैं अपने पहले ओलंपिक को लेकर बहुत उत्साहित था। लेकिन दुर्भाग्यवश मैं हार गया था। इसके बाद अगले दो महीने तक मैं किसी से बातचीत भी नहीं करना चाहता था। उस हार से मैंने बहुत कुछ सीखा है। दास इस समय एएसआई पुणे में ट्रेनिंग कैम्प का हिस्सा हैं। उन्होंने तरूणदीप राय और प्रवीण जाधव के साथ टोक्यो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया था। उन्होंने कहा, 2021 ओलंपिक के लिए मैं कड़ी तैयारी कर रहा हूं। रियो 2016 मेरा पहला था, लेकिन टोक्यो सबसे अच्छा होगा और इसके लिए मैं और अधिक तैयारी करूंगा।

डब्ल्यूबीबीएल में मेलबर्न स्टार्स की कप्तानी करेंगी मेग लेनिंग

मेलबर्न। महिला बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) के आने वाले संस्करण में मेग लेनिंग मेलबर्न स्टार्स की कप्तानी करेंगी। वह एलीसे विलानी से कप्तानी की जिम्मेदारी लेंगी जिन्होंने पिछले सीजन में टीम की कप्तानी की थी। लेनिंग ने शुरुआती दो संस्करणों में टीम की कप्तानी की थी। लेनिंग ने एक आधिकारिक बयान में कहा, मैं एक बार फिर मेलबर्न स्टार्स की कप्तानी करने को तैयार हूं और विलानी ने जो काम किया है उसे आगे ले जाना चाहती हूं। कप्तान होना गर्व की बात है और हमारी टीम जिस तरह की लग रही है हम उससे काफी खुश हैं। उन्होंने कहा, सबसे ज्यादा मैं इस बात से खुश और तैयार हूं कि हम दोबारा क्रिकेट खेलने जा रहे हैं। फ्रेंचाइजी ने ऑल-राउंडर भावी देवचंदा के साथ भी करार किया है। देवचंदा को लेकर लेनिंग ने कहा, भावी निश्चित तौर पर स्टार्स की टीम में नई हैं। हम उनके डब्ल्यूबीबीएल में आने से अच्छा महसूस कर रहे हैं। मुझे पूरा भरोसा है कि वह इस मौके का पूरा फायदा उठाएंगी।

विराट भईया से काफी कुछ सीखा : देवदूत पडिकल

दुबई।

सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर की जीत में अहम रोल निभाने वाले बाएं हाथ के बल्लेबाज देवदूत पडिकल ने कहा है कि उन्होंने विराट कोहली से काफी कुछ सीखा है। बेंगलोर ने आईपीएल के अपने पहले मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवरों में पांच विकेट खोकर 163 रन बनाए थे। इस लक्ष्य का उसने अच्छे से बचाव किया और हैदराबाद को 153 रनों पर समेट कर 10 रनों से मैच अपने नाम किया। पडिकल ने इस मैच के साथ अपना आईपीएल पदार्पण किया है और पहले ही मैच में 42 गेंदों पर 56 रनों की पारी खेली। आईपीएल की वेबसाइट पर जारी एक वीडियो में पडिकल ने चहल से बात करते हुए कहा, जब मुझे पता चला कि मैं पदार्पण करने वाला हूं तो मैं काफी घबराया हुआ था। जिस दिन मुझे खबर मिली उस दिन मैं अपने कमरे में टहल रहा था और सोच रहा था कि मैं हैदराबाद के खिलाफ खेलूंगा। मैं जब बल्लेबाजी करने आया तो मैं जम गया। मैंने जब अपनी शुरुआती गेंदें खेलीं तो मुझे अच्छा

महसूस हुआ। उन्होंने कहा, पिछले महीने से हम ट्रेनिंग कर रहे हैं। विराट भइया ने मुझसे बात की और मैंने उनसे काफी कुछ सीखा। जब मैं उनके साथ होता हूं तो उनसे सवाल पूछता रहता हूं।

पडिकल ने आस्ट्रेलिया के एरॉन फिंच के साथ पहले विकेट के लिए 90 रनों की साझेदारी की। फिंच के साथ खेलने पर पडिकल ने कहा, फिंच के साथ खेलना शानदार था। वह समझ गए थे कि मैं तेजी से रन बना रहा हूं। इसलिए उन्होंने मुझे स्ट्राइक दी और मुझ पर भरोसा दिखाया। बेंगलोर का अगला मैच गुरुवार को किंग्स इलेवन पंजाब के साथ है।

चहल की गेंदबाजी से खुश विराट कोहली, बोले- युजी ने तो मैच का पासा ही पलट दिया

दुबई। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (RCB) के कप्तान विराट कोहली ने IPL-13 के अपने पहले मैच में सनराइजर्स हैदराबाद (SRH) को मात देने के बाद अपनी टीम के साथियों की जमकर तारीफ की। बेंगलोर ने सोमवार को खेले गए मैच में हैदराबाद को 10 रनों से हराया। मैच के बाद पुरस्कार वितरण समारोह में कोहली ने कहा, पिछले साल परिणाम दूसरा था। हमने आज धैर्य बनाए रखा। बेंगलोर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पांच विकेट के नुकसान पर 163 रन बनाए थे। जवाब में हैदराबाद सिर्फ 153 रन ही बना सकी। बेंगलोर के लिए युजवेंद्र चहल ने इस जीत में अहम रोल निभाया। उन्होंने 16वें ओवर में जॉनी बेयरस्टो को आउट किया और फिर अगली गेंद पर विजय शंकर को पवेलियन भेजा।

चहल आए और हमारे लिए मैच बदल दिया

कोहली ने चहल को लेकर कहा, चहल आए और हमारे लिए मैच बदल दिया। आज उन्होंने बताया कि, अगर आपके पास स्किल है तो आप किसी भी विकेट पर अहम साबित हो सकते हो। वह आए और अटैकिंग लाइन पर गेंदबाजी की। बेंगलोर को अपना अगला मैच गुरुवार को किंग्स इलेवन पंजाब (KXIP) के खिलाफ खेलना है।

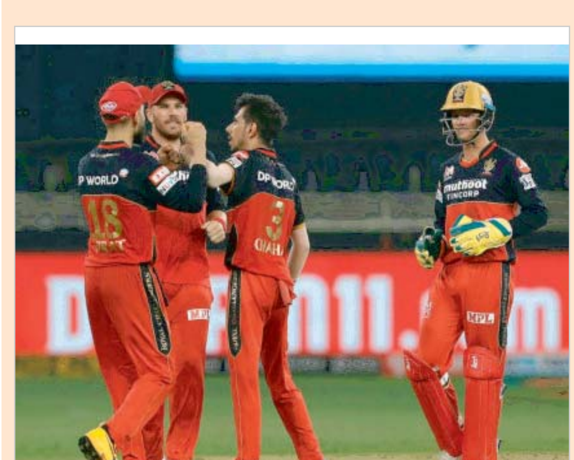

आर्सेनल ने गोलकीपर एलेक्स रुर्नेसन के साथ किया करार

लंदन । इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) क्लब आर्सेनल एफसी ने फ्रेंच क्लब डिजोन के गोलकीपर एलेक्स रुर्नेसन के साथ करार करने की घोषणा की है। 25 वर्षीय आइसलैंड के अंतर्राष्ट्रीय फुटबालर एलेक्स जुलाई 2018 में लीग-1 से जुड़े थे। उन्होंने पिछले सीजन में डिजोन क्लब के लिए सभी प्रतियोगिताओं में 13 मैच खेले थे। एलेक्स ने अपनी घरेलू टीम केआर रीक्जाविक के साथ अपने करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद वह डेनमार्क में तीन साल तक एक क्लब के लिए खेले थे, जहां उन्होंने 62 मैचों में टीम का प्रतिनिधित्व किया था। आर्सेनल के कोच मिकेल अरटेटा ने कहा, टीम में जगह बनाने के लिए हम स्वस्थ्य प्रतिस्पर्धा का माहौल बनाना चाहते हैं और गोलकीपिंग में गहराई लाने के लिए हम एलेक्स के साथ काम करने को लेकर उत्साहित हैं।

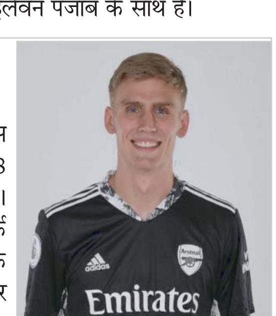

शुरुआत में ही मुंबई इंडियंस के खिलाफ खेलना अच्छा : कार्तिक

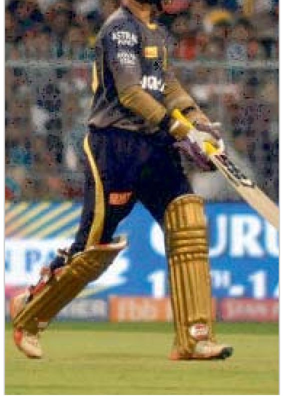

अबु धाबी ।

कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के कप्तान दिनेश कार्तिक ने मंगलवार को कहा कि मुंबई इंडियंस के पास विश्व स्तरीय खिलाड़ी हैं और इसलिए आईपीएल के 13वें सीजन की शुरुआत में ही चार बार की चैंपियन के खिलाफ खेलना उनके लिए अच्छा है। दो बार की पूर्व चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स आईपीएल के 13वें सीजन के अपने पहले मैच में बुधवार को यहां शेख जायेद स्टेडियम में मौजूदा विजेता मुंबई इंडियंस के खिलाफ मुकाबले में उतरेगी। मुंबई को अपने पहले मैच में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ पांच विकेट से मात खानी पड़ी थी। कोलकाता नाइट राइडर्स और मुंबई इंडियंस, आईपीएल के इतिहास में अब तक 25 बार एक दूसरे के खिलाफ मुकाबले में उतरी है, जिसमें से कोलकाता केवल छह बार ही जीत दर्ज करने में सफल रही है। कार्तिक ने मैच की पूर्वसंध्या पर वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, उनकी टीम (मुंबई इंडियंस) विश्व स्तरीय खिलाड़ियों की एक टीम है, वे एक मजबूत लाइनअप हैं और उनके पास आइपीएल ट्रॉफी है। यह अच्छा है कि हम टूर्नामेंट में मुंबई के खिलाफ अपनी शुरुआत कर रहे हैं। हर साल एक अलग साल होता है और मुझे यकीन है कि यह कल शानदार मैच होगा। कार्तिक ने संकेत दिए कि शुभमन गिल और सुनील नरेन कोलकाता के लिए पारी की शुरुआत कर सकते हैं। उन्होंने कहा, शुभमन गिल एक क्वालीटी खिलाड़ी हैं। मुझे यकीन है कि वह सभी उम्मीदों को पार कर जाएंगे। गिल और नरेन एक अच्छा ओपनिंग संयोजन बनाते हैं। इस दौरान इयोन मोर्गन ने कहा कि वह एक मैच फिनिशर के तौर पर अपनी भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि हमारे पास जो टीम है, वह बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में बहुत सारे विकल्प देती है। हमारे पास कई बहुमुखी क्रिकेटर हैं। मैं जानता हूं कि आंद्रे रसेल ने केकेआर के लिए एक फिनिशर की भूमिका निभाई है। उम्मीद है कि अगर मुझे फिनिशर की भूमिका मिलती है, तो मैं वह करूंगा।

टीम की सफलता में अनुभवी मिडफील्डरों का समूह अहम होगा : प्रधान

बेंगलुरू । भारतीय महिला हॉकी टीम की मिडफील्डर निक्की प्रधान ने कहा है कि मौजूदा अनुभवी मिडफील्डरों का समूह आगामी टूर्नामेंटों में टीम के लिए एक अहम भूमिका निभाएंगी। प्रधान ने कहा, हम बहुत ही भाग्यशाली हैं कि भारतीय टीम में कई सारे मिडफील्डर हैं, जो राष्ट्रीय टीम के लिए पहले ही 100 मैच खेल चुकी हैं। उन्होंने कहा, ओलंपिक जैसे बड़े टूर्नामेंटों में अनुभव एक महत्वपूर्ण कारक होता है और अगर हम अपना शत फीसदी देती हैं तो हम किसी भी टीम के खिलाफ जीत सकती हैं। अनुभव हमें सिखाता है कि दबाव में हमें शांत रहना है और सोच स्पष्ट रखना है। और इसलिए मौजूदा अनुभवी मिडफील्डरों का समूह आगामी टूर्नामेंटों में टीम की सफलता में अहम भूमिका निभाएगा। प्रधान कई यादगार जीतों में भारतीय महिला हॉकी टीम का हिस्सा रह चुकी हैं। वह 2017 में महिला एशिया कप में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय टीम, 2019 में महिला सीरीज फाइनल्स जीतने वाली टीम और पिछले साल अमेरिका को हराकर ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने वाल टीम का हिस्सा रह चुकी हैं। 26 साल की प्रधान 2016 ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाली झारखंड की पहली महिला हॉकी खिलाड़ी थीं। उन्होंने पिछले ओलंपिक के अनुभव को साझा करते हुए कहा, रियो ओलंपिक में हिस्सा लेना अद्भुत था। विश्व के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के साथ रहना कुछ अलग था। भारतीय महिला हॉकी टीम ने 36 साल बाद ओलंपिक में जगह बनाई थी और यह हमारे लिए बेहद खास था।

राहुल का मोदी सरकार पर वार- किसानों को करके जड़ से साफ, पूंजीपति मित्रों का खूब विकास

नई दिल्ली।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने किसान कानून को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार पर निशाना साधा है। राहुल गांधी ने मंगलवार को किए अपने ट्वीट में लिखा- 2014- मोदी जी का चुनावी वादा किसानों को स्वामीनाथन कमीशन वाला एमएसपी 2015- मोदी सरकार ने कोर्ट में कहा कि उनसे ये न हो पाएगा। 2020- काले किसान कानून मोदी जी की नीयत साफ... कृषि-विरोधी नया प्रयास... किसानों को करके जड़ से साफ... पूंजीपति मित्रों का खूब विकास। इससे पहले भी राहुल गांधी ने सोमवार को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन की उस टिप्पणी को लेकर सरकार पर हमला बोला, जिसमें मंत्री ने कोविड-19 के मामलों में वृद्धि के पीछे लोगों के गैर जिम्मेदाराना व्यवहार को वजह बताया था। राहुल गांधी ने कहा कि मोदी सरकार का अंधा अहंकार देश की बदहाली के लिए कभी भगवान तो कभी जनता को दोषी ठहराता है लेकिन खुद के कुशासन को नहीं। लोकसभा में कोरोना वायरस महामारी को लेकर हुई विशेष चर्चा के दौरान एक सवाल के जवाब में रविवार को हर्षवर्धन ने कहा कि देश में कोविड-19 के प्रसार में वृद्धि का कारण सामाजिक गैर जिम्मेदाराना व्यवहार है। इस टिप्पणी को लेकर ही गांधी ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। हर्षवर्धन की टिप्पणी संबंधी एक मीडिया रिपोर्ट को टैग करते हुए गांधी ने ट्वीट किया, मोदी सरकार का अंधा अहंकार देश की बदहाली के लिए कभी भगवान तो कभी जनता को दोषी ठहराता है कुशासन और गलत नीतियों को नहीं। अपने ट्वीट में उन्होंने कहा, देश अभी और कितने एक्ट ऑफ मोदी को झेलेगा।

कृषि बिल को लेकर बोले अमित शाह- किसानों की खुशहाली के विरोध कर रहा विपक्ष

नेशनल डेस्क।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गेहूं व चना सहित रबी की छह फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में वृद्धि किए जाने के फैसले को 'ऐतिहासिक करार देते हुए इसे किसानों की आय दोगुनी करने की दिशा में केंद्र सरकार का सार्थक प्रयास बताया। उन्होंने सिलसिलेवार ट्वीट कर संसद से पारित कृषि उपज व्यापार और वाणिज्य (संवर्द्धन और सुविधा) विधेयक-2020 और कृषक (सशक्तिकरण एवं संरक्षण) कीमत आश्वासन समझौता और कृषि सेवा पर करार विधेयक-2020 का विरोध करने के लिए विपक्षी दलों को आड़े हाथों लिया । गृह मंत्री ने अपने ट्वीट में लिखा कहा कि इन कृषि सुधार विधेयकों का विरोध करने वाले लोग असल में किसानों की खुशहाली के विरोधी हैं। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार का हर दिन, हर क्षण किसानों और गरीबों के कल्याण के प्रति समर्पित रहा है तथा आज छह रबी फसलों की एमएसपी बढ़ाकर उसने अपने उसी संकल्प को पुनः दोहराया है। शाह ने लिखा कि मोदी जी ने रबी फसलों की एमएसपी में ऐतिहासिक वृद्धि कर किसानों की आय को दोगुना करने की दिशा में सार्थक प्रयास किया है। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए शाह ने कहा कि जो लोग किसानों को भड़का कर अपनी खोई राजनीतिक जमीन ढूंढ़ने का प्रयास कर रहे हैं, उन्होंने 2009-14 तक सत्ता में रहते हुए किसानों से मात्र 1.25 लाख मीट्रिक टन दाल खरीदी जबकि मोदी सरकार ने 2014-19 में 76.85 लाख मीट्रिक टन दाल खरीदी। उन्होंने कहा कि इतना बड़ा फर्क उनके ढोंग और मोदी जी के समर्पण को साफ दर्शाता है। गृह मंत्री ने अगले ट्वीट में लिखा कि मोदी सरकार के कृषि सुधार विधेयकों का विरोध करने वाले लोग असल में किसानों की खुशहाली और उनकी उपज के सही मूल्य के विरोधी हैं। यह लोग नहीं चाहते कि देश का पेट भरने वाला अन्नदाता कभी उनके समान समृद्ध और सशक्त हो पाए। लेकिन मोदी सरकार किसानों को उनका अधिकार देकर रहेगी। कांग्रेस सहित कई अन्य विपक्षी दल इस विधेयक को किसान विरोधी बताते हुए इसका विरोध कर रहे हैं। कांग्रेस का कहना है कि इन दोनों विधेयकों के कारण देश के किसानों में एमएसपी पर खरीद को लेकर आशंकाएं उत्पन्न हो गई हैं ।

रैपर-गीतकार बादशाह का नया गाना 'कर टकाटक, बन टकाटक' उभरते इंफ्लुएंसर्स के लिए है

मुंबई। बेहिसाब स्वैग, गीतों के प्रासंगिक बोल और थिरकने पर मजबूर करने वाली धुनें, हमारे प्यारे बैडब्वॉसय बादशाह की खासियतें हैं। उन्होंने हमें इस दशक की सबसे यादगार धुनें दी हैं और अपने बेहतरीन रैप से लगातार अपनी ओर ध्यान खींचा है। अपने प्रशंसकों को और खुश करने के लिये, इस स्टार रैपर ने एमएक्स प्लेयर के शॉर्ट फॉर्मेट वीडियो एप एमएक्स टकाटक के लिये एक एंथेम लिखा है, जिसमें वे सभी उभरते इंफ्लुएंसर्स से 'कर टकाटक, बन टकाटक' के लिए कह रहे हैं। खुद बादशाह का एक मिनट का यह शानदार वीडियो आज जारी हुआ है और यह कंटेन्ट क्रिएटर्स को बिना डरे अपना टैलेंट दिखाने और अपनी भावनाएं व्यक्त करने के लिये प्रोत्साहित करता है, ताकि उनके भी प्रशंसक बनें। एमएक्स टकाटक ने जोरदार वृद्धि की है और यह न केवल बादशाह के लिये, बल्कि 1 मिलियन से ज्यादा इंफ्लूएंसर्स की अपनी बड़ी कम्युनिटी के लिये पहली पसंद के रूप में उभरा है। इस ब्राण्ड का विजन है कंटेन्ट क्रिएटर्स को सशक्त करना, उनके टैलेंट को निखारना और उन्हें सफलता की अपनी कहानियां गढ़ने के लिए एक मंच प्रदान करना। यह एंथेम इसी दिशा में एक अन्य कदम है और इसके लिये बादशाह से बेहतर प्रेरणा कौन दे सकता था।

बारिश से बचने के लिए पेड़ के नीचे खड़े 4 एक ही परिवार के 4 मासूम, आसमानी बिजली गिरने से मौत

सीधी। मध्य प्रदेश के सीधी जिले के खड्डी खुर्द गांव के में आसमानी बिजली गिरने से एक ही परिवार के 4 मासूमों की मौत हो गई। जिले के खड्डी खुर्द गांव के बच्चे बारिश से बचने के लिए पेड़ के नीचे खड़े थे। अचानक गिरी बिजली से तीन बच्चों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई जबकि चौथे बच्चे ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। मृतकों में तीन बच्चे सगे भाई बहन थे जबकि चौथा बच्चा चचेरा भाई था। एक ही परिवार के 4 चिराग बुझ जाने के बाद गांव में मातम पसरा हुआ है। जानकारी के अनुसार, खड्डी खुर्द गांव के 4 बच्चे बारिश से बचने के लिए पेड़ के नीचे खड़े थे। तभी तेज हवा के साथ तेज बारिश आ गई। थोड़ी देर में ही आकाशीय बिजली उसी पेड़ पर गिर पड़ी। तीन बच्चों मंतोष (15), नेहा साकेत (17), दुर्गा साके (10),की घटनास्थल पर ही मौत हो गई जबकि चौथे बच्चे बृजेश साकेत पिता लखन साकेत को घायल होने पर सीधी के अस्पताल रेफर किया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी भी मौत हो गई। मृतकों में शिवनाथ साकेत की दो बेटियां और एक बेटा और उसके भाई लखन साकेत का एक बेटा बृजेश साकेत शामिल है।

फिट इंडिया डायलॉग पर फिटनेस के दीवानों से बात करेंगे मोदी, कोहली-मिलिंद सोमण से भी चर्चा

नेशनल डेस्क।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को फिट इंडिया मुहिम की पहली वर्षगांठ के सिलसिले में फिटनेस की अलख जगाने वालों और नागरिकों से देशव्यापी ' 'फिट इंडिया संवाद के जरिए बात करेंगे। ऑनलाइन संवाद में प्रतिभागी फिटनेस के अपने सफर की दास्तान सुनाएंगे और टिप्स भी देंगे। यहां मंगलवार को जारी आधिकारिक बयान के अनुसार प्रधानमंत्री स्वस्थ जीवन के महत्व पर अपने विचार रखेंगे। इस संवाद में भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान विराट कोहली, मॉडल और धावक मिलिंद सोमण, आहार विशेषज्ञ रूतुजा दिवेकर भी भाग लेंगे। प्रधानमंत्री की पहल पर शुरू किया गया फिट इंडिया संवाद भारत को 'फिट राष्ट्र बनाने की योजना में नागरिकों को जोड़ने की कवायद का हिस्सा है।

बयान में कहा गया कि फिट इंडिया अभियान इसलिए शुरू किया गया ताकि नागरिक मजेदार, आसान और किफायती तरीकों से फिट रह सकेंगे और फिटनेस को भारतीयों के जीवन का अहम हिस्सा बनाया जा सके। अब इस संवाद के जरिए इसे और मजबूती दी जाएगी। इस संवाद से लिंक के जरिए कोई भी 24 सितंबर को सुबह 11.30 के बाद जुड़ सकता है।

निलंबित सांसद अपने आचरण के लिए माफी मांगें, तब होगा निलंबन रद्द करने पर विचार:रविशंकर प्रसाद

नई दिल्ली।

केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने मंगलवार को कहा कि राज्यसभा के निलंबित सदस्यों द्वारा अपने आचरण के लिए माफी मांगे जाने के बाद ही उनका निलंबन रद्द करने पर विचार किया जाएगा। प्रसाद की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब राज्यसभा में मंगलवार को कांग्रेस के नेतृत्व में कई विपक्षी दलों ने आठ सदस्यों का निलंबन रद्द करने की मांग करते हुए उच्च सदन की कार्यवाही का बहिष्कार किया। उच्च सदन में सबसे पहले कांग्रेस सदस्यों ने कार्यवाही का बहिष्कार किया। इसके बाद आप, तृणमूल कांग्रेस और वाम दलों के सदस्यों ने भी कार्यवाही का बहिष्कार किया। बाद में राकांपा, सपा और राजद के सदस्य भी सदन से बाहर चले गए। प्रसाद ने संसद भवन परिसर में संवाददाताओं से कहा, हमें उम्मीद थी कि कांग्रेस राज्यसभा में विपक्षी सदस्यों के अमर्यादित आचरण का विरोध करेगी। उन्होंने कहा, राज्यसभा के निलंबित सदस्यों द्वारा अपने आचरण के लिए माफी मांगे जाने के बाद ही उनका निलंबन रद्द करने पर विचार किया जाएगा । केंद्रीय मंत्री ने कहा यह किस प्रकार की राजनीति है... जब विदेश से ट्वीट आता है... और सांसद इस प्रकार का व्यवहार करते हैं... । समझा जाता है कि ट्वीट को लेकर प्रसाद का इशारा कांग्रेस नेता राहुल गांधी के संदर्भ में था जो अभी अपनी मां और कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी की चिकित्सा जांच कराने के लिये उनके साथ विदेश गए हुए हैं। रविशंकर प्रसाद ने कहा, हमने पहले कभी ऐसा नहीं देखा कि कांग्रेस का कोई सांसद राज्यसभा की टेबल पर चढ़कर नृत्य करे और दस्तावेज फाड़े ।

प्लीज मुझे माफ कर दो- चूहों द्वारा शव कुतरने के बाद देखिए अस्पताल प्रबंधक की गुहार

इंदौर।

चूहों द्वारा शव को कुतरने वाले मामले में इंदौर के यूनिक हॉस्पिटल से एक हैरान कर देने वाला वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में यूनिक हॉस्पिटल के मालिक डॉ.प्रमोद नीमा हाथ जोड़कर माफी मांगते हुए गिड़गिड़ाते नजर आ रहे है। दरअसल, मामला इंदौर के यूनिक हॉस्पिटल में एडमिट हुए कोविड पेशेंट का है जिनकी मौत के बाद अब इंदौर निजी अस्पतालों की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो गए हैं और यहां तक तो ठीक है अब तो पूरे मामले की मजिस्ट्रियल जांच के आदेश इंदौर प्रशासन ने दे दिए है। वीडियो में यूनिक हॉस्पिटल इंदौर के प्रबंधक डॉक्टर प्रमोद नीमा पीड़ित परिजनों से गुहार लगा रहे हैं कि हम आपके बाबूजी के इलाज का पूरा पैसा माफ कर देंगे लेकिन जो गलती अस्पताल से हुई है उसके लिए आप हमें माफ कर दीजिए। जबकि परिजनों ने कहा था कि हमको पैसे माफ करवाने की मंशा नहीं है आप एक काम करिए कि जिस कंडीशन में बाबूजी की बॉडी हमको मिलनी चाहिए थी। उस स्थिति में आप बॉडी दे दीजिए आपके अस्पताल में इंसानियत शर्मसार हो गई है कि एक बुजुर्ग की बॉडी को इतनी जगहों पर चूहों ने कुतर डाला है पैर की उंगली से लेकर आंखों तक कान एवं उनके गुप्तांग सभी जगहों पर चूहों ने बॉडी को कुतर दिया है। बातचीत का ये वीडियो अब जमकर वायरल है। जानकारी ये भी है कि सीएम शिवराज से सीधे संबंध रखने वाले डॉ. नीमा और उनके अस्पताल पर क्या कार्रवाई की जाएगी जो खुद ये बोलते नजर आ रहे है कि मैं मर जाऊंगा आप मुझे माफ़ कर दे।

सीमा विवाद को लेकर भारत-चीन के बीच 14 घंटे चली छठे दौर की बातचीत

इंटरनेशनल डेस्क।

सीमा पर विवाद के चलते सोमवार को भारत की चीन के साथ वरिष्ठ सैन्य कमांडर स्तर की छठे दौर की वार्ता 14 घंटे तक चली । इस दौरान पहली बार भारत के भारतीय विदेश मंत्रालय के संयुक्त सचिव भी मौजूद रहे । बैठक में भारत ने पूर्वी लद्दाख में टकराव वाले स्थानों से चीनी सैनिकों को जल्द हटाए जाने पर जोर दिया गया। वार्ता सीमा पर लंबे समय से जारी टकराव को दूर करने के लिए पांच सूत्री द्विपक्षीय समझौते के क्रियान्वयन पर केंद्रित रही। पूर्वी लद्दाख में भारत के चुशूल सेक्टर में एलएसी के पार मोल्डो में बैठक सुबह करीब 9 बजे शुरू हुई और रात 11 बजे तक जारी रही। इससे पहले दोनों देशों के बीच पांचवें दौर की कोर कमांडर स्तर की वार्ता दो अगस्त को करीब 11 घंटे चली थी। उससे पहले चौथा दौरान 14 जुलाई को करीब 15 घंटे चली थी। बैठक के दौरान भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने 10 सितंबर को मास्को में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक के इतर विदेश मंत्री एस जयशंकर और उनके चीनी समकक्ष वांग यी के बीच हुए समझौते को निश्चित समय-सीमा में लागू करने पर जोर दिया।

भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व भारतीय सेना की लेह स्थित 14 कोर के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल हरिंदर सिंह ने किया। ऐसा पहली बार हुआ है कि सैन्य वार्ता से संबंधित भारतीय प्रतिनिधिमंडल में विदेश मंत्रालय के संयुक्त सचिव स्तर के अधिकारी शामिल हुए। विदेश मंत्रालय में संयुक्त सचिव नवीन श्रीवास्तव इस प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा हैं। वह सीमा विषयक परामर्श और समन्वय कार्य प्रणाली के तहत चीन के साथ सीमा विवाद पर राजनयिक वार्ता में शामिल रहे हैं। भारतीय प्रतिनिधिमंडल में लेफ्टिनेंट जनरल पी जी के मेनन भी शामिल हैं, जो अगले महीने 14 वीं कोर कमांडर के तौर पर सिंह का स्थान ले सकते हैं। भारतीय दल ने साढे चार महीने से जारी गतिरोध को खत्म करने के लिए चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी द्वारा सैनिकों को जल्द हटाने पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि वार्ता का एजेंडा पांच सूत्री समझौते के क्रियान्वयन की स्पष्ट समयसीमा तय करना था। समझौते को निश्चित समय-सीमा में लागू करना। तनावपूर्ण गतिरोध को खत्म करना है जिसके तहत सैनिकों को शीघ्र वापस बुलाना। तनाव बढ़ाने वाली कार्रवाइयों से बचना। सीमा प्रबंधन पर सभी समझौतों और प्रोटोकॉल का पालन करना। वास्तविक नियंत्रण रेखा पर शांति बहाली के लिए कदम उठाना जैसे उपाय शामिल हैं।

भारत में पहली बार 24 घंटे के भीतर कोविड-19 के एक लाख से अधिक मरीज हुए ठीक

नई दिल्ली। भारत में पहली बार एक दिन में कोविड-19 के एक लाख से अधिक मरीज ठीक हुए हैं और इसके साथ ही देश में कोरोना वायरस से संक्रमित लोगों के ठीक होने की दर बढ़कर 80.86 प्रतिशत हो गई है। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार देश में पिछले 24 घंटे में 76 हजार से कम नए मामले सामने आए। मंत्रालय की ओर से सुबह आठ बजे जारी किए गए अद्यतन आंकड़ों के अनुसार पिछले 24 घंटे में 75,083 नए मामले सामने आए जबकि 1,01,468 लोग संक्रमणमुक्त हुए। मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार पिछले 24 घंटे में 75,083 नए मामले सामने आने के बाद देश में संक्रमण के मामले बढ़कर 55,62,663 हो गए। वहीं, 1,053 और लोगों की मौत के बाद मृतक संख्या बढ़कर 88,935 हो गई। कुल 44,97,867 लोगों के संक्रमण मुक्त होने के बाद देश में मरीजों के ठीक होने की दर 80.86 प्रतिशत हो गई है। कोविड-19 से मौत की दर 1.60 प्रतिशत है। आंकड़ों के अनुसार देश में अभी 9,75,861 मरीजों का कोरोना वायरस के लिए इलाज जारी है, जो संक्रमण के कुल मामलों का 17.54 प्रतिशत है। भारत में आठ सितम्बर के बाद पहली बार 76 हजार से कम नए मामले सामने आए हैं। आठ सितम्बर को 75,809 नए मामले सामने आए थे। भारत में कोविड-19 के मामले सात अगस्त को 20 लाख के पार, 23 अगस्त को 30 लाख के पार, पांच सितम्बर को 40 लाख के पार और 16 सितम्बर को 50 लाख के पार चले गए थे। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के अनुसार देश में 21 सितम्बर तक कुल 6,53,25,779 नमूनों की कोविड-19 की जांच की गई, इनमें से 9,33,185 नमूनों की जांच सोमवार को ही की गई। की जांच सोमवार को ही की गई। की जांच सोमवार को ही की गई। पिछले 24 घंटे में जिन 1,053 लोगों की मौत हुई, उनमें से सबसे अधिक 344 लोग महाराष्ट्र के थे।

संक्षिप्त समाचार

5 सालो में पीएम मोदी ने की 58 देशों की यात्रा, खर्च हुए 517.82 करोड़ रुपयः सरकार

नेशनल डेस्क। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मार्च 2015 से नवंबर 2019 के बीच कुल 58 देशों की यात्रा की और इन यात्राओं पर कुल 517.82 करोड़ रुपये खर्च हुए। यह जानकारी मंगलवार को संसद में दी गई। राज्यसभा को एक सवाल के लिखित जवाब में विदेश राज्यमंत्री वी मुरलीधरन ने यह भी बताया कि प्रधानमंत्री के इन दौरों से द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भारत के दृष्टिकोण के बारे में अन्य देशों की समझ बढ़ी तथा संबंधों में मजबूती आई है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) की फौजिया खान ने सरकार से जानना चाहा था कि वर्ष 2015 से आज की तारीख तक प्रधानमंत्री ने कितने देशों का दौरा किया और इन दौरों पर कुल कितना व्यय हुआ। इसके जवाब में मुरलीधरन ने बताया कि 2015 से प्रधानमंत्री ने 58 देशों की यात्रा की। इन यात्राओं पर कुल 517.82 करोड़ रुपए व्यय हुआ। विदेश राज्यमंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री की विदेश यात्राओं के दौरान उनके द्वारा किए गए पारस्परिक विचार-विमर्शों से द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भारत के दृष्टिकोण के बारे में अन्य देशों की समझ बढ़ी है और इन वार्ताओं से व्यापार और निवेश, प्रौद्योगिकी, सामुद्रिक सहयोग, अंतरिक्ष, रक्षा सहयोग और लोगों के बीच परस्पर संपर्कों सहित अनेक क्षेत्रों में उनके साथ संबंध मजबूत हुए हैं। मुरलीधरन ने कहा कि संबंधों में आई इस मजबूती ने हमारे आर्थिक विकास को बढ़ावा देने और हमारे नागरिकों की भलाई के लिए भारत के राष्ट्रीय विकास एजेंडे में योगदान दिया है। मुरलीधरन ने कहा कि भारत अब जलवायु परिवर्तन, अन्तरराष्ट्रीय अपराध और आतंकवाद, साइबर सुरक्षा और परमाणु अप्रसार सहित बहुपक्षीय स्तर पर वैश्विक एजेंडे को मूर्तरूप देने के लिए बढ़-चढ़कर योगदान दे रहा है और अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन और आपदा समर्थ अवसंरचना के लिए गठबंधन जैसे वैश्विक मुद्दों के लिए दुनिया को अपनी अनूठी पहलों की पेशकश कर रहा है।

मेट्रो में नियमों की अनदेखी पड़ेगी भारी, जुर्माना भरो या जलालत झेलो

नई दिल्ली। डीएमआरसी अपनी मेट्रो में ऊटपटांग हरकतें, शारीरिक दूरी का नियम न मानने अथवा कोरोना संबंधी निर्देशों का पालन न करने वालों से सख्ती से निपटा रहा है और अब तक करीबन पांच हजार से ज्यादा लोगों को जहां समझा-बुझाकर, रोककर घर भेज दिया गया है तो वहीं दस दिन के इस विशेष अभियान के दौरान करीब ढाई हजार लोगों से जुर्माना भी वसूला गया गया है। बता दें कि दिल्ली मेट्रो ने ऑपरेशन एवं मेंटीनेंस एक्ट की धारा-59 के तहत यह तय किया है कि यदि कोई भी यात्री कोरोना संबंधी दिशा निर्देशों का पालन नहीं करता है तो उसकी मामूली गलती पर समझा बुझाकर छोड़ दिया जाएगा। यदि गलती गंभीर हुई तो कुछ देर रोककर समझाकर भेज दिया जाएगा और यदि नियमों की अनदेखी का मामला सामने आया तो जुर्माना किया जाएगा। हालांकि कोरोना महामारी में सात सितम्बर से शुरू हुई मेट्रो में ज्यादा ऊटपटांग या अश्लील हरकतें करने वाले नहीं दिखाई दे रहे हैं। यात्री मास्क पहन कर, शारीरिक दूरी का पालन कर रहे हैं और जिन लोगों ने ऐसा नहीं किया उनके खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। सबसे ज्यादा ऐसे मामले भी येलो लाइन पर दिखाई दे रहे हैं जहां 724 लोगों से जुर्माना वसूला गया है। जबकि सबसे कम ग्रे लाइन पर द्वारका से नजफगढ़ लाइन पर कुल 17 यात्रियों से जुर्माना वूसला गया है। चूंकि नकद, टोकन से यात्रा नहीं हो रही है इसलिए रोजाना करीबन नौ हजार से साढ़े नौ हजार के बीच स्मार्ट कार्ड की बिक्री भी हो रही है।

जम्मू-कश्मीर के बडगाम में सुरक्षाबलों ने मार गिराया एक आतंकी, पूरे इलाके में तलाश अभियान जारी

नेशनल डेस्क। जम्मू-कश्मीर के बडगाम जिले में मंगलवार को घेराबंदी एवं तलाश अभियान के दौरान सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में एक आतंकवादी मारा गया और सुरक्षा बल का एक जवान घायल हो गया। एक पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि यह मुठभेड़ सोमवार रात शुरू हुई और अंतिम रिपोर्ट मिलने तक जारी थी। मुठभेड़ के दौरान आतंकवादी सुबह मारा गया जबकि जवान कल रात घायल हुआ था। नौहर्द और चदूरा चरार ए शरीफ में अभियान चलाये जाने के कारण हजरत शेख नूरुद्दीन वली की दरगाह तक जाने वाली सड़क को बंद कर दिया गया है। आतंकवादियों की मौजूदगी की खुफिया सूचना के आधार परजम्मू-कश्मीर पुलिस के विशेष अभियान समूह, राष्ट्रीय राइफल्स और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवानों ने बडगाम के नौहर्द और चरार ए शरीफ में सोमवार रात तलाश अभियान शुरू किया। अधिकारी ने बताया कि सुरक्षा बल के जवान पूरे इलाके की घेराबंदी कर घर-घर तलाशी ले रहे थे। जम्मू-कश्मीर पुलिस के विशेष अभियान समूह, राष्ट्रीय राइफल्स और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवानों ने बडगाम अधिकारी ने बताया कि सुरक्षा बल के जवान पूरे इलाके की घेराबंदी कर घर-घर तलाशी ले रहे थे।

कोरोना से ठीक होकर घर पहुंची मां तो ताला लगाकर गायब हुआ बेटा, महिला ने 3 दिन गुजारे बाहर

नेशनल डेस्क। तेलंगाना के निजामाबाद में कोरोना संक्रमण से ठीक होने के बाद 65 वर्षीय एक महिला को कथित तौर पर उसके बेटे ने साथ रखने से इंकार कर दिया। पुलिस ने बताया कि महिला के पति ने दूसरी महिला से शादी करने के बाद उसे छोड़ दिया था और वह बेटे के साथ रहती थी। हालांकि, महिला और उसकी पुत्रवधू की आपस में नहीं बनती थी और लगभग एक साल पहले उसे वृद्धाश्रम में भर्ती कराया गया था। उन्होंने कहा कि वृद्धाश्रम में रह रही महिला और अन्य वरिष्ठ नागरिकों में संक्रमण की पुष्टि हुई और इलाज के बाद उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई थी। वृद्धाश्रम में महिला के अस्थायी रूप से रहने की व्यवस्था नहीं हो पाई और वह रहने के लिए अपने बेटे के घर आ गई। हालांकि, उनकी बहू को कथित तौर पर महिला के आने की जानकारी थी उनकी बहू को कथित तौर पर महिला के आने की जानकारी थी लेकिन फिर भी दंपति घर बंद कर हैदराबाद के लिए रवाना हो गए। बिना किसी विकल्प के बुजुर्ग महिला पिछले 3 दिनों से घर के बाहर रही और कुछ लोगों के दिए भोजन से गुजारा किया।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार-समाचार

तालिबान हमले में 9 अफगान सुरक्षाकर्मियों की मौत, मरने वालों में तीन पुलिस अफसर भी शामिल

काबूल. अफगानिस्तान शांति प्रक्रिया के बीच तालिबान के एक हमले में नौ अफगान सुरक्षाकर्मियों की मौत हो गई है। मरने वालों में तीन पुलिस अफसर भी शामिल हैं। इस घटना में चार अन्य जवान घायल हैं। यह हमला काबूल से 245 किलोमीटर दूर एक सुरक्षा चौकी पर किया गया। हालांकि, इस हमले की अभी तक विस्तृत जानकारी मुहैया नहीं हो पाई है। अफगानिस्तान सुरक्षा प्रवक्ता के अनुसार सुरक्षा बलों की जवाबी कार्रवाई में सभी तालिबान लड़ाके मारे गए हैं। हालांकि, इस हमले को लेकर तालिबान ने अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

इस साल की शुरुआत में ईरानी आतंकी हमले को किया नाकाम: बहरीन

दुबई. बहरीन का कहना है कि इस साल के शुरुआत में ईरान की ओर से आतंकी हमले की कोशिश की गई थी जिसे नाकाम कर दिया गया। यह जानकारी सोमवार को दी गई। बहरीन के अनुसार, यह आतंकी हमला राजनयिकों को निशाना बनाकर किया गया था। इस देश में अमेरिका की नौसेना का पांचवां बेड़ा तैनात है। सऊदी अरब के स्थानीय मीडिया और बहरीन के एक स्थानीय अखबार द्वारा रविवार रात को बताया गया था कि यह नई साजिश है। आतंकियों का यह प्रयास जनवरी में अमेरिकी ड्रोन हमले का बदला था जिसमें इरानी जनरल कासीम सुलेमानी को मार दिया गया था।

उल्लेखनीय है कि बहरीन और इजरायल ने कुछ दिन पहले ही रिश्ते सामान्य किए हैं। संयुक्त राष्ट्र में ईरान के मिशन ने बहरीन के दावे को खारिज किया और कहा कि बिना सच्चाई वाले बेतुके और झूठे आरोपों की कड़ी में यह एक और मिसाल है। इस मामले में बयान देने के लिए मौके पर बहरीन के वे सरकारी अधिकारी नहीं मिल सके जो हमेशा ईरान की ओर से आतंकी हमलों की साजिश को नाकाम करने का दावा करते हैं। मिशन के प्रवक्ता अली रजा मीर यूसुफी ने कहा है कि ऐसा लगता है कि अमेरिका और क्षेत्र में उसके ग्राहक राष्ट्रों द्वारा ईरान को कोसने की कोई सीमा नहीं है। वे फलस्तीन के लोगों तथा अपनी जनता से हाल में किए गए विश्वासघात से ध्यान हटाने की कोशिश कर रहे हैं।

सऊदी अरब के सरकारी टीवी पर प्रसारित फुटेज में दिख रहा है कि पुलिस ने एक घर पर छापा मारा है। फुटेज में दिख रहा है कि छापेमारी में राइफल और विस्फोटक जब्त किए गए हैं। सऊदी अरब के स्थानीय मीडिया के अनुसार, 9 आतंकियों को गिरफ्तार किया गया है। बहरीन के सरकार समर्थित समाचार पत्र अखबार अल -खलीज ने गृह मंत्रालय के अधिकारियों के हवाले से खबर दी है कि कथित रूप से विदेशी शिष्टमंडल को निशाना बनाने के लिए एक सड़क पर लगाए गए विस्फोटक के मिलने के बाद अधिकारियों ने साजिश का पर्दाफाश किया। समाचार पत्र के अनुसार, मंत्रालय ने ईरान की सेना पर आतंकियों का समर्थन करने का आरोप लगाया है।

आतंकियों ने बहरीन के अधिकारियों के सुरक्षा गार्डों की हत्या की भी योजना बनाई थी। यह स्पष्ट नहीं है कि सभी गिरफ्तारियां और कथित साजिश कब की है क्योंकि अखबार अल-खलीज की खबर घटनाओं को 2017 की बता रही है। समाचार पत्र ने आतंकियों का संबंध अल अश्तार ब्रिगेड से बताया है। यह शिया संगठन है जिसने बहरीन में कई विस्फोटों की जिम्मेदारी ली है।

पाकिस्तान में विपक्षी पार्टियों ने इमरान खान और सेना के खिलाफ किया गठबंधन, देशभर में होंगे प्रदर्शन

इस्लामाबाद. पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान का तत्काल इस्तीफा मांगते हुए मुल्क की प्रमुख विपक्ष पार्टियों ने उनकी सरकार को हटाने के वास्ते देशव्यापी प्रदर्शन करने के लिए गठबंधन किया है। रविवार को हुए सर्वदलीय सम्मेलन में 26 बिंदु वाले एक प्रस्ताव को स्वीकार किया गया। इस सम्मेलन में पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन), जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम फज़्ल (जेयूआई-एफ) और कई अन्य पार्टियों ने शिरकत की थी। इस सम्मेलन की मेजबानी पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) ने की थी।

सर्वदलीय बैठक के बाद संयुक्त पत्रकार वार्ता में जेयूआई-एफ प्रमुख मौलाना फज़्ल उर रहमान ने प्रस्ताव पढ़ा और कहा कि विपक्षी पार्टियां पाकिस्तान डेमोक्रेटिक मूवमेंट (पीडीएम) नाम से गठबंधन बनाने को राजी हो गई हैं ताकि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी की हुकूमत के खिलाफ अक्टूबर से देशव्यापी प्रदर्शन शुरू किए जा सकें।

प्रस्ताव में सेना का नाम लिए बिना आरोप लगाया गया है कि खान की सरकार को "उसी संस्थान ने फर्जी स्थिरता दी है" जिसने मौजूदा शासकों को सत्ता में लाने के लिए चुनाव में हस्तक्षेप किया था। शक्तिशाली फौज का जाहिर तौर पर संदर्भ देते हुए प्रस्ताव में कहा गया है कि मुल्क के अंदरूनी मामलों में संस्थान की बढ़ती दखलअंदाजी बेहद चिंतनीय है और इसे देश की स्थिरता और संस्थानों के लिए खतरा बताया गया है।

प्रस्ताव के मुताबिक, प्रदर्शन चरणों में शुरू होंगे। पहले चरण में विपक्षी पार्टियां सभी चार प्रांतों में अक्टूबर में संयुक्त रैलियां करेंगी। दूसरा चरण दिसंबर में शुरू होगा, जिस दौरान विपक्ष देशभर में बड़ी रैलियां करेगा। इसके बाद अगले साल जनवरी में सरकार को हटाने के वास्ते इस्लामाबाद के लिए निर्णायक बड़ा मार्च शुरू होगा।

विपक्ष ने यह भी मांग की कि फिर से चुनाव कराएं जाएं और पारदर्शी तरीके से कराएं जाएं और स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव के लिए चुनाव सुधार पारित किए जाएं। संसद को "रबड़ स्टैंप" बताते हुए, पीडीएम ने घोषणा की कि विपक्ष विधायी प्रक्रिया में सरकार के साथ सहयोग नहीं करेगा। रहमान ने कहा कि संयुक्त प्रस्ताव में मुल्क में सरकार की राष्ट्रपति प्रणाली लाने की किसी भी कोशिश को खारिज किया गया है और संसदीय प्रणाली को मजबूत करने का संकल्प लिया गया है।

इससे पहले लंदन से वीडियो लिंक के माध्यम से सम्मेलन को संबोधित करते हुए पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने कहा था कि विपक्ष प्रधानमंत्री इमरान खान के खिलाफ नहीं है, बल्कि उनके खिलाफ है जो "अक्षम" व्यक्ति को सत्ता में लेकर आए हैं। पाकिस्तान मुस्लिम लीग- नवाज (पीएमएल-एन) के प्रमुख शरीफ (70) पिछले साल नवंबर से लंदन में रह रहे हैं। लाहौर उच्च न्यायालय ने उन्हें इलाज के वास्ते चार हफ्तों के लिए विदेश जाने की इजाजत दी थी।

पीपीपी के प्रमुख आसिफ अली ज़रदारी ने शुक्रवार को शरीफ से फोन पर बातचीत की थी और उन्हें रविवार को ऑनलाइन होने वाली विपक्ष की अगुवाई वाले सर्वदलीय सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए आमंत्रित किया था। सम्मेलन में शरीफ ने खान का कथित रूप से समर्थन करने के लिए देश की ताकतवर फौज की आलोचना की। उन्होंने कहा, "हमारा संघर्ष इमरान खान के खिलाफ नहीं है। आज, हमारा संघर्ष उन लोगों के खिलाफ है, जिहोंने इमरान खान को बैठाया है और जिन्होंने उन जैसे अक्षम व्यक्ति को लाने के लिए (2018 के) चुनाव को प्रभावित किया और मुल्क को तबाह किया।" पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा कि सबसे बड़ी प्राथमिकता इस "चयनित सरकार और इस व्यवस्था" को हटाने की होनी चाहिए। उन्होंने कहा, "अगर बदलाव नहीं होते हैं तो मुल्क को अपूरणीय क्षति होगी।" उन्होंने कहा कि सेना को सियासत से दूर रहना चाहिए और संविधान एवं राष्ट्रपिता कायदे आज़म मोहम्मद अली जिन्ना की दृष्टि का अनुसरण करना चाहिए तथा लोगों की पसंद में दखल नहीं देनी चाहिए।

शरीफ ने कहा, "हमने इस देश को अपनी नजर में और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी मजाक बना दिया है।" पूर्व राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने भी वीडियो लिंक के जरिए सम्मेलन को संबोधित किया और सरकार की आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार विपक्ष को दबाने के लिए हथकंडे अपना रही है।

डोनाल्ड ट्रंप को खत में जहर भेजने वाली महिला गिरफ्तारी, जांच जारी

नई दिल्ली. व्हाइट हाउस को मिले जहरीले रसिन वाले एक लिफाफे को भेजने की संदेह में एक महिला को न्यूयॉर्क-कनाडा सीमा पर गिरफ्तार किया गया है। तीन कानून प्रवर्तन अधिकारियों ने रविवार को द एसोसिएटेड प्रेस को ये जानकारी दी।

इस सप्ताह के अंत में व्हाइट हाउस पहुंचने से पहले पत्र को रोक दिया गया था। अधिकारियों ने कहा कि महिला को अमेरिकी सीमा शुल्क और सीमा सुरक्षा अधिकारियों ने बफेलो के पास पीस ब्रिज की सीमा पर हिरासत में लिया और उसे संघीय आरोपों का सामना करने की उम्मीद है। उसका नाम अभी जारी नहीं किया गया। शनिवार को पैकेट में ह्द्धष्द्धठ्ठ की उपस्थिति की पुष्टि करने के लिए दो परीक्षण किए गए थे। व्हाइट हाउस में पहुंचने से पहले सभी पत्रों की छंटनी और जांच की जाती है।

रिकिन कैस्टर बीन्स से निकाले जाने वाला एक अत्यधिक विषैला पदार्थ है जिसका उपयोग आतंकी हमलों में किया जाता है। इसका उपयोग पाउडर, धुंध, गोली या एसिड के रूप में किया जा सकता है। यदि कोई जहर लेता है, तो यह पेट और आंतों की उल्टी और आंतरिक रक्तस्राव का कारण बनता है।

संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) और सीक्रेट सर्विस इस मामले की जांच कर रहे हैं। एफबीआई के वाशिंगटन फील्ड कार्यालय ने एक बयान में कहा, "एफबीआई और हमारी अमेरिकी गुप्त सेवा और अमेरिकी डाक निरीक्षण सेवा साझेदार अमेरिकी सरकार की मेल सुविधा पर प्राप्त एक संदिग्ध पत्र की जांच कर रहे हैं। इस समय, सार्वजनिक सुरक्षा के लिए कोई खतरा नहीं है।"

ट्रंप पर बिडेन का आरोप, बोले- चुनाव से पहले सुप्रीम कोर्ट में नियुक्ति शक्ति का दुरूपयोग

नई दिल्ली. अमेरिका में विपक्षी डेमोक्रेटिक उम्मीदवार जो बिडेन ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की चुनाव से पहले सुप्रीम कोर्ट में नियुक्ति की योजना है जोकि 'शक्ति का दुरूपयोग' है।

बिडेन कहा कि ट्रंप अगले सप्ताह उदारवादी जस्टिस महिला को मनोनीत करेंगे। उन्होंने सीनेट रिपब्लिकन से इसकी पुष्टि में विलंब करने का आग्रह किया है। रविवार को फिलाडेलफिया में संवैधानिक केंद्र में एक भाषण के दौरान श्री बिडेन ने कहा , "अमेरिका का संविधान अमेरिकियों को सुनने का मौका देता है और उनकी आवाज सुनी जानी चाहिए ... उन्हें यह स्पष्ट करना चाहिए वे सत्ता के इस दुरुपयोग के लिए खड़े नहीं होंगे।"

उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस उदारवादी सुश्री गिन्सबर्ग का शुक्रवार को 87 वर्ष की आयु में निधन हो गया था। नौ सदस्यीय अदालत का वैचारिक संतुलन अमेरिकी कानून में सबसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर उसके फैसलों के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, "मैं उन सीनेट रिपब्लिकन से अपील करता हूं, कृपया अपनी अंतरआत्मा की आवाज सुने, लोगों को बोलने दें, उन लपटों को शांत करें जो हमारे देश में फैली हुई हैं।"

उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ट्रम्प और सीनेटर मैककोनेल द्वारा निर्मित परिस्थितियों में किसी को भी नामित करने की पुष्टि करने के लिए मतदान न करें। नवंबर में राष्ट्रपति चुनाव के बाद तक, दो रिपब्लिकन सीनेटर लिसा मुकोर्व्स्की और सुसान कोलिन्स ने मतदान में देरी का समर्थन किया है।

विश्व में कोरोना से 3 .09 करोड़ संक्रमित, 9 .59 लाख की मौत

नई दिल्ली. विश्वभर में कोरोना वायरस (कोविड-19) महामारी से तीन करोड़ नौ लाख से अधिक लोग संक्रमित हो गये हैं और 9.59 लाख से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है।अमेरिका की जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के विज्ञान एवं इंजीनियरिंग केन्द्र (सीएसएसई) की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार कोरोना से विश्वभर में अब तक 3,09,29,163 लोग संक्रमित हुए हैं और 9,59,528 लोगों की मौत हुई है। वैश्विक महाशक्ति माने जाने वाले अमेरिका में कोरोना से संक्रमित होने वालों की संख्या 67,99,266 पर पहुंच गयी है और अब तक 1,99,474 लोगों की जान जा चुकी है। भारत में केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से सोमवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटों में कोरोना संक्रमण के 86,961 नये मामलों के साथ संक्रमितों का आंकड़ा 54 लाख को पार कर 54,87,580 हो गया। वहीं इस दौरान 1130 मरीजों की मौत होने से मृतकों की संख्या 87,882 हो गयी है। ब्राजील में अब तक 45,44,629 लोग इसकी चपेट में आ चुके हैं जबकि 1,36,895 लोगों की मौत हो चुकी है।

रूस में कोरोना से संक्रमित होने वालों की संख्या 10,98,958 पहुंच गई हैं तथा 19,349 लोगों ने जान गंवाई है। पेरू में कोरोना महामारी का प्रकोप बढ़ता ही जा रहा है और यह कोरोना से संक्रमित होने के मामले में वह छठे स्थान पर पहुंच गया है। यहां इस वायरस से अब तक 7,62,865 लोग संक्रमित हुए हैं और 31,369 लोगों की मौत हो चुकी है। कोलम्बिया में इस वायरस से अब तक 7,65,076 लोग संक्रमित हुए हैं और मृतकों की संख्या 24,208 है। वहीं मेक्सिको ने कोरोना से प्रभावित होने के मामले में दक्षिण अफ्रीका को पीछे छोड़ दिया है। यहां इससे अब तक 697,663 लोग संक्रमित हुए हैं तथा 73,493 लोगों की मौत हो चुकी है। दक्षिण अफ्रीका में कोरोना संक्रमितों की संख्या 6,61,211 पर पहुंच गई है तथा इस वायरस से मरने वालों की संख्या 15,953 हो गयी हैं।

स्पेन नए मामलों में वृद्धि के बाद अब नौवें स्थान पर है यहां अब तक करीब 6,40,040 लोग प्रभावित हुए हैं तथा 30,495 लोगों की मृत्यु हुई है। अर्जेंटीना कोरोना संक्रमित मामलों में 10वें नंबर पर पहुंच गया है। यहां इस वायरस से अब तक 6,31,365 लोग संक्रमित हुए हैं और मृतकों की संख्या 13,053 है।

चिली में कोरोना से 4,46,274 लोग संक्रमित हो चुके है तथा 12,286 लोगों की मौत हुई है।

कोरोना से प्रभावित फ्रांस में इसकी चपेट में अब तक 4,67,614 लोग आए हैं तथा 31,257 लोगों की मृत्यु हुई है। ईरान में अब तक इस महामारी से 4,22,140 संक्रमित है जबकि 24,301 लोगों की मौत हो चुकी है।ब्रिटेन में कोरोना से अब तक 3,96,744 लोग संक्रमित हुए हैं तथा 41,866 लोगों की मौत हुई है। कोरोना संक्रमण मामलों में बंगलादेश सऊदी अरब से आगे निकल गया है और यहां संक्रमितों की संख्या 3,48,918 हो गई है तथा 4,939 लोगों की मौत हो चुकी है। सऊदी अरब में कोरोना के 3,29,754 मामले सामने आए हैं जबकि 4,485 लोगों की मौत हो चुकी हैं।पाकिस्तान में कोरोना से अब तक 3,06,304 लोग संक्रमित हुए हैं तथा 6,420 लोगों की मौत हो चुकी है। तुर्की में कोरोना संक्रमितों की संख्या 3,02,867 हो गयी है और 7,506 लोगों की मौत हो चुकी है। इराक में संक्रमितों की संख्या 3,19,035 है वहीं 8,555 लोगों की मौत हो चुकी है। यूरोपीय देश इटली में इस जानलेवा विषाणु से 2,98,156 लोग संक्रमित हुए हैं तथा 35,707 लोगों की मौत हुई है।

जर्मनी में अब तक 2,86,743 लोग इस वायरस की चपेट में आए हैं तथा 9,390 लोगों की मौत हुई है। फिलीपींस में संक्रमितों की संख्या 2,83,460 तथा 4,984 लोगों की मौत हो चुकी है। इंडोनेशिया में संक्रमितों की संख्या 2,44,676 पहुंच गई तथा 9,553 लोगों की मौत हो चुकी है।

बेलारूस में सरकार विरोध प्रदर्शन जारी, हजारों लोगों की भीड़ का सुरक्षा बलों से सामना

मिन्स्क (बेलारूस). राष्ट्रपति अलेक्जांडर लुकाशेंको को पद से हटाने के लिए हजारों विपक्षी समर्थकों ने रविवार को बेलारूसी राजधानी मिन्स्क में मार्च किया, जिसमें भारी सुरक्षा बल की मौजूदगी थी, जहां भीड़ को काबू करने के लिए वाटर कैनन और हथियारबंद वाहन शामिल थे। यह विरोध प्रदर्शन तब हुआ जब राजधानी में एक महिला मार्च के दौरान पुलिस अधिकारियों ने सैकड़ों प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया।

विपक्षी आंदोलन हर रविवार को बड़े पैमाने पर सामने उबर कर आता है। यहां राष्ट्रपति लुकाशेंको ने जो 9 अगस्त के चुनावों में जीत हासिल की थी, उसका विरोध हो रहा है। दरअसल विपक्ष ने यहां हुए राष्ट्रपति चुनाव में एक बार फिर से राष्ट्रपति अलेक्जांडर लुकाशेंको को जीता हुआ मानने से इनकार कर दिया। अलेक्जांडर लुकाशेंको ढाई दशक से सत्ता में हैं। कई हफ्तों से उनके खिलाफ व्यापक प्रदर्शन हो रहे हैं। विपक्ष लगातार लुकाशेंको पर पद छोड़ने के लिए दबाव बनाए हुए है।

विपक्ष लगातार लुकाशेंको पर पद छोड़ने के लिए दबाव बनाए हुए है। राष्ट्रपति लुकाशेंको ने जो 9 अगस्त के चुनावों में जीत हासिल की थी उसका विरोध हो रहा है।

चुनाव में लुकाशेंको को टक्कर देने वाली विपक्षी नेता स्वेतलाना तिखानोवस्काया ने कहा हाल ही में कहा था कि हमारे लोग नहीं हटेंगे, वे हर दिन जगते हैं और एक नया बेलारूस देखना चाहते हैं। जिस व्यक्ति को पद छोड़ना है, वह मिस्टर लुकाशेंको हैं। जवाब में बेलारूस के अधिकारी सरकार विरोधियों और विपक्षी नेताओं के खिलाफ कार्रवाई कर रहे हैं।

%मार्च ऑफ जस्टिस% के लिए एकत्रित हुए लाल-सफेद विरोध-प्रदर्शन के झंडे लेकर लोगों ने %कायर महिलाओं को पीटते हैं% और %बाहर निकलो!% जैसे नारे लगाते हुए सड़कों पर भीड़ लगा दी। आपको बता दें कि पुलिस और आंतरिक सैनिकों ने सैन्य ट्रकों, वाटर कैनन और हथियारबंद वाहन को शहर में ले जाया गया है। साथ ही प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए कंटीले तार लगा दिए गए है। शाम के समय, बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प हुई। वियासना राइट्स समूह ने कहा कि मिन्स्क में कम से कम 30 और अन्य शहरों में 33 को हिरासत में लिया गया है।

71 परियोजनाओं की सौगात के साथ
डिप्टी सीएम ने घाटमपुर से किया उप चुनावी शंखनाद

(संजय मौर्य)

कानपुर घाटमपुर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री जनपद के प्रभारी मंत्री, केशव प्रसाद मौर्य ने आज अपने निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार जनता डिग्री कालेज, घाटमपुर में 71 विभिन्न मार्गो का लोकापर्ण, शुभारम्भ एवं शिलान्यास किया, जिसमें 211 किमी0 के विभिन्न मार्गो का निर्माण किया जायेगा, जिसकी कुल लागत 24225.42 लाख है। उन्होंने कहा कि इन विकास योजनाओं के लोकापर्ण शिलान्यास से घाटमपुर, कल्याणपुर, महाराजपुर, बिठूर, बिल्हौर, किदवई नगर एवं गोविन्द नगर में कई महत्वपूर्ण विकास कार्य कराये जायेगे। उन्होंने इस मौके पर पूर्व कैबिनेट मंत्री स्व0 कमलरानी वरुण को याद करते हुए कहा कि स्व0 कमलरानी वरुण आज हम सबके बीच में नही है। उन्होंने अपनी सेवा के बल पर घाटमपुर के सवार्गीण विकास के लिए निरन्तर कार्य किया, जिसे भुलाया नही जा सकता। उन्होंने अपने सेवा भाव से जो स्थान बनाया उसे कोई मिटा नही

सकता। उन्होंने स्व0 कमलरानी वरुण को सच्ची श्रद्धाजलि अर्पित करते हुए उनकी स्मृति में आनुपुर मोड (एनएच 86) से परास चैराहा (एसएच 46) जिसकी लम्बाई 20. 12 किमी0 की सड़क को स्व0 कमलरानी वरुण के नाम से करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि पूर्व कैबिनेट मंत्री के सम्मान के दृष्टिगत शासन द्वारा यह निर्णय किया गया।

उपमुख्यमंत्री ने इस मौके पर उपस्थित लोगो को शुभकामनाए देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री जी का एक ही लक्ष्य है, कि हम प्रत्येक वर्ग व समाज के लोगो का विकास भी करे और विकास का लाभ उन तक जरुर पहुचाये जो इसके उत्तराधिकारी है। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारो में बिजली का भीषण संकट पूरे प्रदेश में देखने को मिलता था। वर्तमान सरकार बिजली, सड़क, उद्योग एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं को बढावा देने एवं अन्य ढ़ाचागत सुविधाओ को बढावा देने हेतु कृत संकल्प है और इस दिशा में पूरे प्रदेश में तेजी से विकास कार्य कराये जा रहे है। उन्होंने कहा कि कोरोना संक्रमण के संकट के समय में भी सरकार द्वारा इस महामारी से बचाव हेतु आवश्यक व्यवस्थाओं को करते हुए लॉकडाउन के दौरान प्रवासी श्रमिकों सहित अन्य गरीब वर्ग के लोगो को हर संभव सहायता प्रदान की गयी है।

उन्होंने कहा कि किसानों के हित में केन्द्र सरकार द्वारा कृषि सुध ाार विधेयक लाया गया है, जिससे किसानों को लाभ प्राप्त होगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जनध ान योजना के अन्तर्गत गरीब वर्ग के लगभग 40 करोड लोगो का खाता खुलावाया गया है जिसके द्वारा सीधे लाभार्थियों को उनके खाते में विभिन्न योजनाओं की निर्धारित धनराशि बिना बिचैलियो के भेजी जा रही है। इस व्यवस्था से भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के साथ बिचैलियों को दूर भगाने का कार्य किया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा आयुष्मान योजना के अन्तर्गत गरीब एवं निर्धन लोगो के लिए 05 लाख तक के इलाज की सुविधा किसी बीमारी के इलाज हेतु प्रदान की गयी है।

इस अवसर पर उच्च शिक्षा तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री नीलिमा कटियार ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा विकास के कार्यक्रमों की एक श्रंखला नि. रन्तर चलती रहे इसी के दृष्टिगत इस शिलान्यास का कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। उन्होंने लोगो को स्मरण कराते हुए कहा कि पहले जब लोग–बाग कानपुर से घाटमपुर आते थे तब सड़क पर अत्यधिक गढ़ढे हुआ करते थे। आज पूरे प्रदेश में उ0प्र0 के मुख्यमंत्री के कुशल नेतृत्व में मार्गो का सौन्दरीकरण व चैडीकरण का कार्य पूरे व्यवस्थित ढंग से कराया जा रहा है। उन्होंने बताया है कि जनपद में 01 लाख 77 हजार परिवारों को उज्जवला का लाभ, 30 हजार से ज्यादा परिवारों को निःशुल्क राशन कार्ड खाद्य सुरक्षा के अन्तर्गत जोडा गया, 13 हजार परिवारों को प्रधानमंत्री योजना तथा 35 हजार परिवारों को सौभाग्य योजना से लाभान्वित किया गया। उन्होंने कहा कि घाटमपुर का संमग्रता एवं सम्पूण ाता के साथ विकास कार्य कराये जायेगे। पुनर्निर्माण की प्रकिया मे तेजी लाते हुए युद्ध स्तर पर कार्य कराये जायेगे।

इस अवसर पर विद्यायक अभिजीत सांगा, विद्याायक भगवती प्रसाद सागर, एमएलसी अरुण पाठक, क्षेत्रीय अध्यक्ष मानवेन्द्र सिंह, जिलाध्यक्ष ग्रामीण कृष्ण मुरारी शुक्ला, जिलाधिकारी आलोक तिवारी, वरिष्ठ पुलिस अध ाीक्षक डा0 प्रीतिन्दर सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं अध िाकारीगण उपस्थित रहे।

सार–समाचार

बोलते रहे केशव और सोते रहे कृष्ण मुरारी।

कानपुर डिप्टी सीएम केशव मौर्य के उद्बोधन के दौरान सोते नज़र आए बीजेपी जिलाध्यक्ष कृष्ण मुरारी शुक्ला।

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में मंगलवार को योगी आदित्यनाथ ने फिल्म सिटी इन्फोटेनमेंट जोन का शुभारंभ किया और फिल्म जगत की हस्तियों को उत्तरप्रदेश का आमंत्रण दिया।

नही थम रहा बंदरों का आतंक

उन्नाव ब्लॉक बिछिया सभागार में सोमवार को काफ़ी बंदरो ने मिलकर एक युवक के ऊपर हमला बोलकर जख़्मी कर दिया स इससे पूर्व मे भी कई लोगों को जख़्मी कर चुके है स ब्लॉक सभागार बिछिया में बंदरों के आतंक से लोगों में ख़ौफ़ बढ़ता जा रहा है। सोमवार को बंदरों ने एक 45 वर्षीय युवक पर उस समय हमला बोल दिया जब वह अपने निजी कार्य से ब्लॉक मे प्रवेश कर रहा था स शोर सुनकर आस–पास के लोगों ने उसे बंदरों से बचाया। ब्लॉक अधिकारियो का कहना है कि एक माह में यह पांचवीं घटना है जब बंदरों ने किसी को घायल किया है। इसी माह चार अन्य लोगों पर भी बंदर हमला कर चुके हैं स ब्लॉक में बंदरों के बढ़ते उत्पात से परेशान अधिकारी व कर्मचारी कई वन विभाग के अधिकारी से शिकायत कर चुके हैं। लेकिन वन विभाग का कोई अधिकारी किसी भी प्रकार से कुछ नहीं कर रहें है। ब्लॉक कर्मचारियों का कहना है कि वन विभाग बंदरों को पकड़ने की ज़िम्मेदारी टालकर बच रहे हैं।

सोमवार दोपहर लगभग 2 बजे बंदरों ने ब्लॉक आ रहे युवक सुनील कुमार को बुरी तरह घायल कर दिया।

लोगों का कहना है कि ब्लॉक परिसर मे घने व छायादार पेड़ होने के साथ–साथ खाली पड़े रूम में बंदरों ने अपना निवास स्थान बना लिया है। बंदरों से परेशान लोग अपनी शिकायत कई बार वन विभाग को कर चुके हैं लेकिन कहीं से भी कोई राहत नहीं मिली है।

ए डी ओ पंचायत रवि शर्मा ने बताया की ब्लॉक सभागार मे काफ़ी दिनों से बंदरो का आतंक छाया है स वन विभाग की टीम को सूचना दे के बावजूद भी वो लोग ध्यान नहीं दे रहे है

क्रांति समय फाउंडेशन (NGO)

फर्जी अध्यापकों से वसूली कर रहा था दूसरे की मार्कशीट पर नौकरी करने वाला टीचर

यूपी एसटीएफ ने जाल बिछा कर लखनऊ के गोमतीनगर इलाके से तीन को किया अरेस्ट

लखनऊ(एजेंसी)। यूपी में एसटीएफ ने मानव संपदा पोर्टल से फर्जी शिक्षकों की जानकारी निकालकर कर उनसे वसूली करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है। एसटीएफ ने इस गिरोह के तीन सदस्यों को लखनऊ के गोमतीनगर इलाके से गिरफ्तार कर इनके पास से 60 हजार रुपए भी बरामद किए है। गिरोह का मास्टरमाइंड यदुनंदन यादव खुद बाराबंकी के एक सरकारी प्राथमिक विद्यालय में प्रमोद सिंह के नाम से नौकरी कर रहा है। जांच में भी फर्जी शिक्षक है और बाराबंकी के स्कूल में प्रमोद कुमार सिंह के फर्जी नाम से नौकरी कर रहा था।

आईजी एसटीएफ अमिताभ यश ने बताया कि सरकारी स्कूलों में फर्ज़ी और दूसरों की मार्कशीट से नौकरी करने वालों मामलों की जांच में एएसपी सत्यसेन यादव की टीम को लगाया था। इस टीम को जानकारी मिली कि गोरखपुर का रहने वाला यदुनंदन यादव पता चला कि यदुनंदन मानव संपदा पोर्टल से फर्ज़ी शिक्षकों को तलाशता है और उन्हें मानव संपदा अधिकारी बन कर फोन करता है और भेद खोलने का डर दिखाकर वसूली करता है। इस काम में यदुनंदन का भाई सत्यपाल भी उसकी मदद करता है। दोनों भाईयों ने एक फर्ज़ी शिक्षक प्रमोद कुमार यादव को वसूली के लिए बुलाया था। विभूतिखंड में वेव मॉल के सामने एसटीएफ ने तीनों को धर दबोचा। आरोपियों से साठ हजार रुपये और फर्ज़ी दस्तावेज भी बरामद हुए हैं।

आईजी एसटीएफ ने बताया कि यदुनंदन का भाई कभी यदुनन्दन का चपरासी और कभी ड्राइवर बनकर शिकार को झांसे में लेता था।

विकास दुबे के बाद नए गैंग लीडर की तलाश कर रही पुलिस

कानपुर (एजेंसी)। विकास दुबे के पंजीकृत गिरोह में अब जय बाजपेई और उसके भाइयों को भी शामिल किया गया है। साथ ही उनके नए गैंग लीडर की तलाश की जा रही है। दरअसल, पुलिस रिकॉर्ड में डी–124 गिरोह विकास दुबे के नाम से पंजीकृत है। इसमें पूर्व में उसके एक दर्जन गुर्गों को शामिल किया गया था। मगर, बिकरू कांड के बाद इस गैंग चार्ट का रिव्यू किया गया। एनकाउंटर में मारे गए विकास दुबे और उसके पांच साथियों के नाम गिरोह से निकाल दिए गए। उनकी जगह पर अब तक गैंग चार्ट में 25 लोगों के नाम अंकित हो चुके हैं। पुलिस ने बिकरू कांड की विवेचना शुरू की तो जय बाजपेई का नाम प्रकाश में आया। घटना वाले दिन विकास दुबे को हथियार, पैसा और उसके बाद भागने के लिए गाड़ियां उपलब्ध कराने के आरोप में पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर जेल भेजा। बाद में उसे और उसके भाइयों को गैंगस्टर एक्ट में नामजद किया गया।

एसपी ग्रामीण ब्रजेश श्रीवास्तव ने बताया कि विकास बिकरू कांड के बाद विकास के जिन गुर्गों को जेल भेजा गया है, उन्हीं का आपराधिक इतिहास फिर से रिव्यू किया जा रहा है। यह देखा जा रहा है विकास दुबे के आपराध िाक जीवन में कौन सबसे ज्यादा उसके साथ रहा है और घटनाओं में शामिल भी रहा है।

दिव्यांगजन अधिनियम के अनुपालन के लिये शासनादेश जारी

राष्ट्रीय विकलांग पार्टी ने पटाखा फोड कर बांटी मिठाई, दीप जलाकर खुशी का किया इजहार

कानपुर(संजय मौर्य)

दिव्यांगजन अधिनियम 2016 के अनुपालन का शासनादेश जारी कर दिया है। दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग उत्तर प्रदेश शासन ने मुख्यमंत्री के आदेश पर गृह विभाग को व गृह विभाग ने पुलिस महानिदेशक को आदेश जारी कर प्रदेश के सभी थानो एवं पुलिस अधिकारियों के कार्यालयों के बाहर दिव्यांगजन अधिकारों के बोर्ड लगाने के आदेश दिये है। ये आदेश राष्ट्रीय विकलांग पार्टी द्वारा 15.6.2020 को मुख्यमंत्री को दिये गये ज्ञापन के अनुपालन जारी किया गया है।

दिव्यांगजन अधिनियम का अनुपालन कराने के आदेश की खुशी मे आज राष्ट्रीय विकलांग पार्टी के सभी पदाधिकारी व सदस्यो ने पटाखा फोड कर मिठाई व अपने घरों की छतों पर दीप जलाकर कर खुशी मनाई ।

राष्ट्रीय विकलांग पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव वीरेन्द्र कुमार ने कहा की इस शासनादेश के जारी होने से विकलांग व्यक्तियों को उत्पीडन से मुक्त करवाने में मदद मिलेगी द्य वीरेन्द्र कुमार ने कहा की केवल राष्ट्रीय विकलांग पार्टी ही विकलांग व्यक्तियों को उनका हक व अधिकार दिला सकती है।

आज के कार्यक्रम में राष्ट्रीय महासचिव वीरेन्द्र कुमार के अलावा जिला अध्यक्ष राहुल कुमार, अशोक कुमार, अल्पना कुमारी, दिलीप कुमार, पवन राने, बंगाली शर्मा, आनन्द तिवारी, जौहर अली, कान्ती कुशवाहा, मिनाक्षी राजपुत, शिवदेवी सिंह चौहान, ममता, आदि शामिल थे।

बहन के साथ जान गवाने आई लड़की ने नदी में लगाई छलांग पुलिस ने दोनों को जिंदा बचाया’

सिपाही उमाशंकर व संदीप को परिजनो ने बताया भगवान

मोहम्मद अनस ,तारिक़

बहराइच जरवल रोड बहराइच। जरवल रोड थाना क्षेत्र में सोमवार देर शाम घाघरा नदी में कूदने आई दो लड़कियों को पुलिस की तत्परता से जिंदा बचाते हुए परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार कैसरगंज थाना क्षेत्र के ग्राम करसर बे. टोरा निवासी 22 वर्षीय प्रिया पुत्री भ. ागीरथ किसी बात से नाराज़ होकर अपने मामा की लड़की 16 वर्षीय तनु पुत्री रामू निवासी ग्राम रुकना पुर थाना कैसरगंज के साथ जरवल रोड थाना क्षेत्र के लखनऊ बहराइच राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित घाघरा पुल पर पहुंच गई और प्रिया ने तनु से कुछ कह कर पुल से नदी में छलांग लगा दी। वही घाघरा घाट पुलिस चौकी पर तैनात सिपाही उमा शंकर निषाद तथा संदीप यादव को लड़कियों को अकेले पुल की तरफ जाता देख कुछ शक हुआ तो दौड़ते हुए पुल पर पहुंचे लेकिन तब तक प्रिया ने छलांग लगा दी जबकि संदीप ने तनु को रोक लिया। वहीं सिपाही उमाशंकर निषाद ने तत्परता दिखाते हुए गोताखोरों को लेकर तत्काल नदी में पहुंच गए और प्रिया को भी जिंदा पकड़ लिया। सूचना पर पहुंचे चौकी प्रभारी शैलकांत उपाध्याय ने दोनों लड़कियों के परिजनों को सूचना दी। सिपाही उमाशंकर निषाद ने बताया कि प्रिया अपनी ममेरी बहन तनु के साथ आई थी जब तनु ने कहा कि हम घर कैसे जाएंगे तो प्रिया यह कहते हुए नदी में कूद गई कि तुम भी आओ साथ में कूद जाओ और साथ रहो। जरवल रोड थाना प्रभारी हर्षवर्धन सिंह ने बताया कि दोनों लड़कियों को सकुशल उनके परिजनों को सौंप दिया गया है घर में किसी बात से नाराज होकर प्रिया ने यह कदम उठाया था। वही परिजनों ने अपने लड़कियों को सकुशल पाकर दोनों सिपाहियों समेत जरवल रोड पुलिस का आभार प्रकट किया है।

बिजली करेन्ट लगने से मजदूर की मौत

प्रकाश शुक्ला

उन्नाव,अवैध रूप से संचालित हो रही फैक्ट्री में बिजली करेंट लगने से श्रमिक की हुई मौत,सदर कोतवाली क्षेत्र के मगरवारा चौकी क्षेत्र में अवैध रूप से संचालित हो रही फैक्ट्री में बिजली का करेंट लगने से श्रमिक फैक्ट्री में अवैध तरीके से बिजली का हो रहा। संचालन,जगह –जगह बिजली के तार मिले कटे।सूत्रों की माने तो बिजली चोरी की वजह से गई श्रमिक की मौत।गंगा कलर एजेंसी टी.वी. टावर अकरमपुर में स्थित है। जिस के संचालक कमलेश श्रीवास है।फैक्ट्री प्रबंधन ने मुआवजा देकर कराया सुलह समझौता।

लिाधिकारी कानपुर नगर। डीआईजी /एसएसपी कानपुर नगर, जिलाधिकारी कानपुर नगर की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में सभी धर्म गुरुओं के साथ मन्दिर , मस्जिद ,गुरुद्वारा चर्च आदि के खोलने के सम्बन्ध में बैठक सम्पन्न हुई । बैठक में यह निर्णय हुआ कि सभी धर्म स्थलों को कोविड –19 प्रोटोकॉल का पालन करते हुए खोलने की अनुमति दी जाती है। साथ ही मन्दिर ,मस्जिद ,गुरुवारे, चर्च आदि में कोई भी धर्मिक कार्यक्रम , धार्मिक जुलूस आदि निकालने की अनुमति नही होगी। बैठक में अपर जिलाधिकारी नगर, समस्त एसपी, समस्त एसीएम तथा धर्म गुरु उपस्थित रहे।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा प्रथम ई लोक अदालत आयोजित

कानपुर(संजय मौर्य)

उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार व जनपद न्यायाधीश कानपुर नगर ए के सिंह के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कानपुर नगर द्वारा दिनांक 21.09.2020 को जेल में निरुद्ध बंदियों के लिए प्रथम ई लोक अदालत का आयोजन किया गया। उक्त लोक अदालत में अमित सिंह द्वितीय द्वारा 37 मामलों का निस्तारण किया गया । सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कानपुर नगर ऐश्वर्य प्रताप सिंह द्वारा बताया गया ई लोक अदालत का मुख्य उद्देश कोरोना संक्रमण को देखते हुए ऐसे बंदियों के वाद निस्ता. रित करना है जो स्वेच्छा से वाद निस्तारित कराना चाहते हैं परंतु जिनकी पेशी न्यायालय में नहीं हो पा रही है तथा इससे ऐसे बंदियों को लाभ मिलेगा जो गरीब हैं तथा स्वेच्छा से अपना वाद निस्तारित कराना चाहते हैं। ऐसे बंदियों की सूची जेल अधीक्षक कानपुर नगर द्वारा जेल च्स्टे व पैनल अधिवक्ताओं की सहायता से तैयार कराई गई।नोडल अधिकारी व अपर सत्र न्यायाधीश पवन कुमार श्रीवास्तव भी आयोजन में मौजूद रहे तथा उनके द्वारा बताया गया कि ई लोक अदालत का मुख्य उद्देश माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशानुसार जेल में डीकंजेशन करना भी है तथा यह भी कि ऐसी लोक अदालत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कानपुर नगर द्वारा प्रत्येक माह वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित की जाएगी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

उत्तर और दक्षिण गुजरात में सामान्य बारिश का अनुमान

अहमदाबाद आगामी दिनों में गुजरात में अतिभारी बारिश की कोई संभावना नहीं है। हांलाकि उत्तर और दक्षिण गुजरात में सामान्य बारिश हो सकती है। कई जगह भारी बारिश होने का भी अनुमान है। राहत आयुक्त और अतिरिक्त सचिव हर्षद पटेल की अध्यक्षता में आज गांधीनगर में वेधर वॉच ग्रुप का वेबिनार हुआ। वेबिनार के बाद मीडिया को जानकारी देते हुए हर्षद पटेल ने कहा कि सुबह 6 से दोपहर 2 बजे तक राज्य की 5 तहसीलों में 1 मिमी से 8 मिमी तक बारिश हुई है।

भरुच जिले के जंबुसर तहसील में सबसे अधिक 8 मिमी बारिश हुई। 22 सितंबर 2020 तक राज्य में 1095.55 मिमी यानी 131.84 प्रतिशत मौसम की बारिश हो चुकी है। हर्षद पटेल ने बताया कि फिलहाल गुजरात पर कोई स्ट्रोंग सिस्टम के सक्रिय नहीं होनेसे अतिभारी बारिश की कोई संभावना नहीं है।

लेकिन बुधवार को छत्तीसगढ़ पर का हलका दबाव पश्चिम मध्य प्रदेश की ओर बढ़ने की संभावना के चलते उत्तर गुजरात और दक्षिण गुजरात में सामान्य बारिश हो सकती है। इसके अलावा कई जगह भारी बारिश भी होने का अनुमान है। इस सिस्टम के कमजोर होने के बाद 24 सितंबर से बारिश का जोर घटेगा और 25 सितंबर के बाद बारिश की कोई संभावना नहीं है।

गुजरात की जीवनदायिनी सरदार सरोवर नर्मदा बांध में 319887 एमसीएफटी जलराशि का संग्रह हुआ है, जो कुल संग्रह क्षमता का 95.75 प्रतिशत है।

राज्य के 205 जलाशयों में 523431 एमसीएफटी पानी जमा हुआ हो जो कुल संग्रह क्षमता का 93.97 प्रतिशत हैद्य राज्य के 174 जलाशय अलर्ट पर, 7 जलाशय अलर्ट पर और 6 जलाशय वॉर्निंग पर हैं।

पिता ने 1 साल की बच्ची को पहली मंझिल से फैंका, पत्नी के चरित्र पर था संदेह

सूरत शहर के मान दरवा. जा क्षेत्र में एक शख्स ने पत्नी के चरित्र पर संदेह को लेकर अपनी एक साल की मासूम बच्ची को पहली मंझिल से नीचे फैंक दिया।

सूरत के निर्मल अस्पताल में उपचाराधीन बच्ची की हालत नाजुक बताई गई है।

पुलिस ने बच्ची की मां की शिकायत के आधार पर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी के मुताबिक सूरत के मान दरवाजा क्षेत्र की नई कॉलोनी निवासी 24 वर्षीय सुषमा ने भाविन सोनवणे का साथ लव मैरेज की थीद्य संतान में 6 साल का पुत्र नकुल और 1 साल की पुत्री हर्षिता है।

पिछले काफी समय से भाविन घर खर्च के लिए रुपए नहीं देकर सुषमा को प्रताड़ित कर रहा था। सुषमा यदि नौकरी करने जाए तो भाविन उसके चरित्र पर संदेह करता और मारपीट करता।

भाविन कोई काम नहीं करता था, जिसे लेकर पति–पत्नी के बीच झगड़ा हुआ। भाविन ने सुषमा के साथ मारपीट शुरू कर दी।

भाविन इतने पर नहीं रुका उसने निद्राधीन अपनी एक साल की बच्ची को पहली मंझिल से नीचे फैंक दिया।

बेहोशी की हालत में हर्षिता को शहर के निर्मल अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है।

सलाबतपुरा पुलिस ने सुषमा की शिकायत के आधार पर भाविन को गिरफ्तार कर लिया है और उसके खिलाफ हत्या की कोशिश का मामला दर्ज कर जांच शुरू की है।

रांदेर में जर्जरित एपार्टमेंट की गैलरी ढही, तीन मजदूरों की मौत

सूरत शहर के रांदेर क्षेत्र स्थित एक जर्जरित एपार्टमेंट की गैलरी ढहने से नीचे सो रहे तीन श्रमिक मलबे के नीचे दब गए। घटना के बारे में खबर मिलते ही फायर ब्रिगेड और एम्ब्युलैंस घटनास्थल पर पहुंच गई और मलबे में दबे तीन मजदूरों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया। जहां उपचार के दौरान तीनों की मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक सूरत के रांदेर क्षेत्र में नवयुवग कॉलेज के निकट

निलांजन एपार्टमेंट की गैलरी मंगलवार की सुबह करीब 4 बजे अचानक भरभराकर ढह गई। घटना के वक्त नीचे तीन श्रमिक सो रहे थे, जो गैलरी के मलबे के नीचे दब गए। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड और एम्ब्युलैंस घटनास्थल पर पहुंच गईद्य मलबे में दबे तीनों श्रमिकों को बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचायाद्य जहां उपचार के दौरान तीनों श्रमिकों ने दम तोड़ दिया।

जानकारी के मुताबिक प्रशासन 2011 में एपार्टमेंट को गिराने की नोटिस जारी की थी और 2019 में बिल्डिंग को सील कर दिय गया था। साथ ही बिल्डर को पूरी बिल्डिंग जल्द गिरा देने का आदेश दिया गया था। इसके बावजूद बिल्डर की ओर से कोई कार्यवाही नहीं की गई और आज बिल्डिंग की गैलरी ढहने से तीन श्रमिकों की जान चली गई।

सुरत मनपा के उधना ज़ोन में अवैध रूप से वैध कार्य कराने वाले अधिकारी ?

धार्मिक कार्यक्रम के नाम 3000 की भीड़ जुटाने वाले समेत 50 से ज्यादा हिरासत में

वडोदरा कोरोना से बचने के लिए सोशल डिस्टेंसिग का पालन और मास्क लगाना कितने जरूरी है यह बच्चे बच्चे तक समझ गए हैं। लेकिन कुछ लोग ऐसे भी हैं जिन्हें न तो अपनी और न ही दूसरों की जान की पड़ी है। ऐसी सोच रखने वाले करीब 3000 जितने लोगों की भीड़ वडोदरा के खोडियारनगर में जमा हो गई। भीड़ में शामिल लोगों ने मास्क पहनना तो दूर सोशल डिस्टेंसिग की ऐसी तैसी कर दीं। वडोदरा के खोडियारनगर में देवीपूजक समाज का धार्मिक कार्यक्रम था। इस कार्यक्रम का आयोजन कांतिभाई वाघेला नामक शख्स ने किया था। इस कार्यक्रम में कांति वाघेला के मुंबई और मेहसाणा से रिश्ते–नातेदार आए थेद्य कार्यक्रम की खबर मिलते ही हरकत में आई पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुंच गई। भीड़ क्यों एकत्र की गई थी, यह जानकर पुलिस भी चौंक पड़ी। कांति वाघेला ने अपनी विधवा पुत्री की मन की शांति और सुख समृद्धि लिए कार्यक्रम का आयोजन किया था और इसमें करीब 3000 लोगों को एकत्र कोरोना काल में सोशल डिस्टेसिंग की धज्जिया उड़ाईं। इस धार्मिक कार्यक्रम में सोशल डिस्टेस का पालन करना तो दूर किसी ने मास्क तक नहीं लगाया थां। भीड़ में शामिल एक महिला ने यहां तक कह दिया कि हम पर देवी माता का आशीर्वाद है और कोरोना हमारा कुछ नहीं

बिगाड़ सकता। हमारे समाज को कोरोना नहीं होगां। मौके पर मौजूद डीसीबी लग्धीर झाला ने कहा कि कोरोना कोई धर्म या जाति देख किसी को अपनी चपेट में नहीं लेता। लोगों को नियमों का पालन करना अनिवार्य है। डीसीपी ने कहा कि कार्यक्रम का आयोजन करने वाले के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जाएगी। पुलिस ने कार्यक्रम के आयोजक समेत 50 से ज्यादा लोगों को हिरासत में ले लिया है।

30 से 60 फीसदी खरीफ फसलों के नुकसान पर प्रति हेक्टर 20 हजार की सहायता

अहमदाबाद मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने कहा खरीफ फसलों में किसान आसमानी खेती करते हैं और अतिवृष्टि या अनावृष्टि होने की स्थिति में आगामी दिनों में यदि बारिश होती है तो किसानों का सहायता के लिए सरकार तैयार है। गुजरात विधानसभा सत्र के दौरान मुख्यमंत्री किसान योजना के संक्षिप्त प्रश्न के उत्तर में विजय रूपाणी ने कहा कि यह योजना किसानों को ऊंचा प्रीमियम न भरना पडे, इसके लिए घोषित की गई है। सरकार ने किसानों के हित के लिए सूखा की व्याख्या की है। एसपीआरएफ में 5 ईंच से कम बारिश होने पर उस इलाके के सूखाग्रस्त माना जाता था। अब इस योजना में 10 ईंच से कम बारिश होने पर उस इलाके को सूखा प्रभावित माना जाता है। किसानों को सहायतार्थ इस साल से अमल में आई मुख्यमंत्री किसान योजना में आगामी समय में जरूरत के मुताबिक परिस्थितियों को देखते हुए इसमें सुधार की सरकार की तैयारी है। कृषि मंत्री आरसी फलदु ने प्रश्न के उत्तर में कहा कि आपत्ति के समय किसानों के साथ खड़े रहना सरकार का ध र्म है और उस धर्म को निष्ठा से निभा रहे हैं। पिछले 25 से 30 साल में राज्य के किसानों के हित में खरीफ सीजन में आपदा के दौरान पहले की कोई सरकारों ने मदद नहीं की थी, लेकिन वर्तमान सरकार हरसंभव सहायता कर रही है। अतीत की सरकारों ने किसानों को भगवान भरोसे छोड़ दिया था, जबकि मौजूदा सरकार उनके साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री किसान सहायता योजना में राज्य के 56 लाख से ज्यादा छोटे और सीमांत किसानों को शामिल किया गया है। एमडीआरएफ के लाभ बरकरार रखते हुए लाभ दिया जाता है। फलदु ने कहा कि इस योजना के तहत अनावृष्टि, अतिवृष्टि और बेमौसमी बारिश से नुकसान के मामले में सहायता दी जाएगी। ऐसे मामलों में 33 से 60 प्रतिशत के लिए प्रति हेक्टर रु. 20000 के आधार पर ज्यादा से ज्यादा 4 हेक्टर तक सहायता दी जाएगी। इसी प्रकार 60 प्रतिशत से अधि क नुकसान के लिए प्रति हेक्टर रु. 25000 की सहायता 4 हेक्टर तक दी जाएगी।

इसके लिए किसानों को ऑनलाइन पोर्टल पर आवेदन करना होगा। मंजूर होनेपर सहायता लाभार्थियों के बैंक एकाउन्ट में सीधे डीबीटी के जरिए भुगतान किया जाएगा।

24 घंटों में राज्य की 114 तहसीलों में बारिश

अहमदाबाद सुबह 6 बजे पूर्ण हुए 24 घंटों के दौरान राज्य की 114 तहसीलों में बारिश हुईहै। चार तहसीलों में सबसे अधिक बारिश

रिकार्ड की गई। मौसम विभाग के अनुमान के मुताबिक राज्य के कई हिस्सों में बारिश का दौर जारी है। 24 घंटों के दौरान नवसारी के वां. सदा, तापी के कुकरमुंडा, वडोदरा के करजण और सूरत के उमरपाडा में 4–4 ईंच बारिश दर्ज हुई। वहीं कपराडा और नर्मदा के नांदोड में 3, तापी के निझर और डोलवण, सूरत के मांडवी और सूरत शहर, डांग के वघई और पोरबंदर के कुतियाणा में 2.5 ईंच बारिश रिकार्ड की गई। इसके बा. रडोली, महुवा, मांगरोल, विसावदर, नवसारी, खेरगाम, धोराजी, भरुच, उच्छल, सोनगढ़ और व्यारा, आ. हवा, पादरा, कवांट, धरमपुर और सागबारा में 2 ईंच बारिश हुई। स्टेट इमर्जंसी ऑपरेशन सेंटर से मिली जानकारी के मुताबिक राज्य में अब तक मौसम की 132 प्रतिशत बारिश दर्ज हो चुकी है। कच्छ झोन में सबसे अधिक 272 प्रतिशत, उत्तर गुजरात में 114 प्रतिशत, पूर्व–मध्य गुजरात में 96 प्रतिशत, सौराष्ट्र में 178 और दक्षिण गुजरात में 113 प्रतिशत बारिश हुई है।

क्रांति समय
स्पेशल ऑफर
अपने बिज़नेस को बढ़ाये हमारे साथ
ADVERTISEMENT WITH US
सिर्फ 1000/- रु में
(1 महीने के लिए)
संपर्क करे

बीजेपी ने कोरोना के प्रसार के लिए तबलीगी जमात को ठहराया जिम्मेदार

अहमदाबाद गुजरात की सतारूढ़ भाजपा ने शुरुआती दौर में बढ़ते कोरोना मामलों के लिये तबलीगी जमात को

जिम्मेदार ठहराया है। इस बयान पर पलटवार करते हुए कांग्रेस ने यहां फरवरी में हुए नमस्ते ट्रंप कार्यक्रम को इसके लिए पूरी तरह जिम्मेदार ठहराया हैं। दरअसल, विधानसभा में कोविड योद्धाओं को धन्यवाद के लिए लाए गए प्रस्ताव की चर्चा के दौरान दोनों दलों ने एक–दूसरे पर आरोप लगाए। उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल ने कहा कि शुरुआती दौर में गुजरात में कोरोना वायरस के प्रसार के लिए तबलीगी जमात के सदस्य जिम्मेदार रहे क्योंकि उन्हें खुद ही अपने दौरे का खुलासा नहीं किया। वहीं, नेता प्रतिपक्ष परेश धनानी ने कहा कि ये तुगलकी नेता थे ना कि तबलीगी, जोकि बड़े पैमाने पर वायरस के प्रसार के लिए जिम्मेदार थे। कांगेस नेता ने कहा कि संक्रमण इतने बड़े पैमाने पर इसलिए फैला क्योंकि सरकार ने समय पर कदम नहीं उठाए। एक लाख लोगों का एकत्र होना (नमस्ते ट्रंप कार्यक्रम में) इस प्रसार का सबसे बड़ा कारण था। सरकार अपनी नाकामी छिपाने के लिए एक खास समुदाय के लोगों को निशाना बना रही है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ड्रग्स केस में सारा अली खान, श्रद्धा कपूर से अगले हफ्ते NCB कर सकती है पूछताछ: रिपोर्ट्स

सुशांत सिंह राजपूत केस में ड्रग्स ऐंगल में एनसीबी की पूछताछ के दौरान रिया ने सारा अली खान और श्रद्धा कपूर का ड्रग्स के लेनदेन में नाम लिया था। एनसीबी इस सप्ताह सारा अली खान और श्रद्धा कपूर को ड्रग्स केस में पूछताछ के लिए समन भेज सकती है। टाइम्स नाउ के मुताबिक दोनों ही एक्ट्रेस का नाम सुशांत सिंह राजपूत मौत मामले के अंतर्गत ड्रग्स केस में सामने आया था। सुशांत के फार्महाउस पर फिल्म छिछोरे की सक्सेस पार्टी रखी गई थी, जिसमें ड्रग्स के इस्तेमाल की बात सामने आई थी। बताया जा रहा था कि श्रद्धा कपूर भी इस पार्टी में शामिल हुई थीं।

बता दें कि एनसीबी को दिए बयान में रिया ने कहा था कि सुशांत ड्रग के आदी हो चुके थे और वह इससे निकल नहीं पा रहे थे। दावे के मुताबिक, रिया ने यह भी बताया कि सुशांत पहले भी ड्रग्स लेते थे, लेकिन बहुत लिमिटेड मात्रा में। रिया ने बताया कि %केदारनाथ% मूवी की शूटिंग के दौरान सुशांत की डोज बढ़ी और उन्होंने सारा के साथ पहली बार ड्रग्स की हेवी डोज ली।

गौरतलब है कि दिवंगत एक्टर सुशांत सिंह राजपूत और रिया चक्रवर्ती रिलेशनशिप में थे। एक्टर ने 14 जून की सुबह फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। इसके बाद उनके पिता केके सिंह ने रिया के खिलाफ एफआईआर करवाकर एक्टर को आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप लगाया था। इस समय एनसीबी सुशांत सिंह राजपूत की पूर्व मैनेजर श्रुति मोदी और टैलेंट मैनेजर जया साहा से ड्रग्स ऐंगल को लेकर पूछताछ कर रही है।

नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के अलावा सुशांत सिंह राजपूत मौत केस में सीबीआई भी छानबीन में जुटी हुई है। वहीं, ईडी, दिवंगत एक्टर के फाइनेंशियल ऐंगल की खोजबीन में लगी है। दिवंगत एक्टर के सीए से पूछातछ से लेकर बैंक अकाउंट्स तक की छानबीन कर रही है।

पायल घोष के खिलाफ लीगल एक्शन लेंगी ऋचा चड्ढा, वकील ने जारी किया एक्ट्रेस की तरफ से बयान

बॉलीवुड फिल्ममेकर अनुराग कश्यप के मामले में एक्ट्रेस पायल घोष द्वारा नाम घसीटे जाने पर ऋचा चड्ढा के वकील ने बयान जारी किया है। ऋचा ने पूरे मामले की निंदा करते हुए कहा है कि वह पायल घोष के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेंगी। पायल घोष ने हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान ऋचा चड्ढा, माही गिल और हुमा कुरैशी का नाम लिया था। पायल घोष का कहना था कि अनुराग ने उन्हें बताया था कि जिन एक्ट्रेस ने उनके साथ काम किया उन्हें इसमें कोई परेशानी नहीं हुई। मैं ऋचा चड्ढा को जब बुलाता हूं दौड़ी आती है।

सोशल मीडिया पर ऋचा चड्ढा की वकील सवीना बेदी ने बयान जारी कर कहा, 'हमारी क्लाइंट ऋचा चड्ढा किसी तीसरे पक्ष द्वारा हाल में लगाए गए आरोपों में अनावश्यक और झूठे तौर पर उनके नाम को घसीटे जाने की निंदा करती हैं। हालांकि, हमारी क्लाइंट का मानना है कि महिलाओं को न्याय जरूर मिलना चाहिए। कुछ कानून हैं जो उन्हें उनके वर्कप्लेस पर बराबरी से खड़े होने का सुनिश्चित करते हैं।'

गौरतलब है कि पायल घोष ने कहा था कि पहली बार मैं अनुराग कश्यप से वर्सोवा, अराम नगर ऑफिस में मिली थी। दूसरी बार मैं उनके घर पर उनसे मिली। हमारी फिल्मों और फिल्म इंडस्ट्री को लेकर बातचीत हुई। इसके बाद अनुराग ने मुझे मिलने के लिए फिर बुलाया। इस बार भी उनका घर था। और यह तीसरी बार था जब मैं उनसे मिल रही थी। उन्होंने मेरे साथ जबरदस्ती करने की कोशिश की। मैंने कोई अलार्म नहीं बजाया बल्कि उनसे बोला कि वह मुझे जाने दें।

Kareena Kapoor Birthday: टशन के फ्लॉप होने से डिप्रेशन में आ गई थीं करीना कपूर, पति सैफ को मानती हैं कामयाबी की वजह

करीना कपूर खान आज अपना 40वां जन्मदिन मना रही हैं. करीना कपूर अलग-अलग फिल्मों में अपनी शानदार एक्टिंग से दर्शकों का दिल जीतती आई हैं. यही नहीं अपनी शानदार तस्वीरों और लुक्स से भी फैंस के दिलों पर राज करती रही हैं. करीना कपूर खान का स्टाइल स्टेटमेंट उनके फैंस को खूब पसंद आता है. यही नहीं उनका बेबाक अंदाज भी लोगों को उनकी तरफ आकर्षित करता है. करीना ने इस बार अपनी फैमिली के साथ अपना बर्थडे सेलिब्रेट किया. जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं. वैसे तो करीना अपने इंटरव्यूज में काफी सोच-समझकर उत्तर देती नजर आती हैं, लेकिन कई बार उन्होंने अपने फैंस को अपने सीक्रेट्स से रूबरू कराया.

करीना ने अपने एक इंटरव्यू में बताया था कि उन्होंने पति सैफ अली खान से काफी कुछ सीखा है. एक्ट्रेस ने कहा- 'सैफ ने मुझे बताया था कि पहले उन्हें तलाश मूवी ऑफर की गई थी, लेकिन उन्होंने ये करने से मना कर दिया. क्योंकि उन दिनों वे कुछ कॉमर्शियल फिल्में करना चाहते थे. मैंने सैफ से जो सबसे अच्छी बात सीखी, वह ये थी कि मनी, सक्सेस और फेम के पीछे भागने के बजाय खुद के साथ कंफर्टेबल कैसे रहा जाए.'

करीना ने आगे कहा- 'सैफ ने मुझे खुद से प्यार करना सिखाया. जिंदगी की सबसे बेहतरीन चीजों से प्यार करना सिखाया. ऐसी चीजें, जो पैसों से कहीं ज्यादा हैं. परिवार, मन की शांति, किताबें पढ़ना, बैठकर अपनों के साथ अपने काम को लेकर बात करना और भी काफी कुछ.' हाल ही में एक्ट्रेस अपने नेपोटिज्म पर दिए बयान के बाद विवादों में आ गई थीं. एक्ट्रेस ने अपने बयान में कहा था- 'ये थोड़ा अजीब लग सकता है, लेकिन मेरा स्ट्रगल उन लोगों के स्ट्रगल जितना इटरेस्टिंग नहीं है, जो जेब में 10 रुपये लेकर ट्रेन में बैठकर आते हैं.'

जॉन अब्राहम की फिल्म सत्यमेव जयते 2 का सामने आया नया पोस्टर, ईद 2021 में होगी रिलीज

सरकार द्वारा लॉकडाउन प्रतिबंधों में ढील दिए जाने के बाद कई फिल्मकारों और प्रोडक्शन हाउसों ने सुरक्षा मानदंडों को बनाए रखते हुए काम फिर से शुरू कर दिया है। सत्यमेव जयते 2 के निर्देशक मिलाप झवेरी लॉकडाउन में अपनी पटकथा को और निखारने में जुट गए हैं। अब इसकी शूटिंग लखनऊ में होगी। टी-सीरीज और एमे एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित यह फ़िल्म 12 मई, 2021 में ईद के मौके पर रिलीज करने की उम्मीद दिखाई जा रही है।

सत्यमेव जयते के कमर्शियल सक्सेस के बाद जॉन, मिलाप और प्रोड्यूसर्स ने इस बार जॉन के अपोजिट दिव्या खोसला कुमार के साथ फ्रैंचाइजी को आगे ले जाने का फैसला किया है। जहां पहली फिल्म भ्रष्टाचार से निपटती थी, वहीं यह फ़िल्म पुलिस से लेकर राजनेताओं, उद्योगपतियों और आम आदमी तक सभी क्षेत्रों में भ्रष्टाचार से निपटती है।

एक्टर जॉन अब्राहम ने भी फिल्म का नया पोस्टर रिलीज करते हुए कैप्शन में लिखा, 'जिस देश की मइया गंगा है, वहां खून भी तिरंगा है। सत्यमेव जयते 2 सिनेमाघरों में 12 मई, 2021 में रिलीज होगी।' वहीं, मुंबई से अपने शूट लोकेशन और कहानी को बदलकर लखनऊ में शूट करने पर निर्देशक मिलाप कहते हैं, 'रचनात्मक रूप से हमने स्क्रिप्ट को बदलकर लखनऊ कर दिया क्योंकि इससे हमें इसे बड़े पैमाने पर बनाने का मौका मिलेगा और कैनवास को भी बड़ा बनाया जा सकेगा। देखने मे भी लखनऊ पैमाने और भव्यता को जोड़ता है। इस फिल्म का एक्शन दस गुना ज्यादा गतिशील, पावरफूल और दमदार होने वाला है। सत्यमेव जयते 2, आम जनता की फिल्म है और यह एक्शन, संगीत, संवादबाजी, देशभक्ति और वीरता का उत्सव भी है। ईद एक परफ़ेक्ट आदर्श अवसर है मनोरंजन करने के लिए'।

निर्माता निखिल आडवाणी कहते हैं, 卐जैसा कि मिलाप ने इस विषय को विकसित किया है। उत्पादकों के रूप में, हम उनके अपने रचनात्मक विकल्पों का खुशी से समर्थन करते है। अब शूट लखनऊ में किया जाएगा जो कीं भारत में मेरे निजी पसंदीदा शहरों में से एक है। यह हमारे लिए बेहद खास फिल्म है। इस मताधिकार में पहली फ़िल्म के लिए प्रशंसकों द्वारा दिखाए गए प्यार ने हमें एक बड़ा, अधिक रोमांचक अनुभव बनाने के लिए प्रोत्साहित किया है। हमें उम्मीद है कि मौजूदा परिस्थितियों में सुधार होगा और हमारे लिए एक बार फिर सिनेमाघरों में अपने दर्शकों तक पहुंचने का मार्ग प्रशस्त होगा।

%सत्यमेव जयते बॉक्स ऑफिस कमर्शियल हिट के साथ दर्शकों ने भी एक्शन और ड्रामा को काफ़ी पसंद किया। जॉन तभी से हमारे देश के एक्शन हीरो बन गए हैं। निखिल और हमने फ्रैंचाइजी को आगे ले जाकर, मिलाप और जॉन के साथ मनोरंजक कमर्शियल सिनेमा बनाते रहने का फ़ैसला किया है। पहले भाग की सफलता को देख निश्चित रूप से इस बार हम पर एक बड़ी और बेहतर फिल्म बनाने की ज़िम्मेदारी है। मिलाप ने एक अच्छी स्क्रिप्ट लिखी है जिसमें माइंड ब्लोइंग कहानी के साथ-साथ शानदार गाने होंगे जो हर एक दर्शकों से जुड़ेंगे। और जॉन का पहले कभी नहीं देखा लूक होगा।', निर्माता भूषण कुमार कहते हैं।

गौरतलब है कि भूषण कुमार, कृष्ण कुमार (टी-सीरीज), मोनिशा आडवाणी, मधु भोजवानी, निखिल आडवाणी (एमे एंटरटेनमेंट) द्वारा निर्मित सत्यमेव जयते 2, 12 मई 2021 को रिलीज होगी।

आपने एक शिशु को जन्म दिया है, लेकिन आप इस बात से चिंतित भी है कि क्या गर्भावस्था के बाद फिट रह पाएंगी, क्या आप पहले जैसी स्लिम और सुंदर दिखेंगी। बच्चें के जन्म के बाद पहले जैसा दिखने के लिए आपको क्या करना होगा, तमाम तरह के सवाल आपके मन में उठते होंगे। लेकिन आपको चिंता करने की जरूरत नहीं। गर्भावस्था के बाद पहले जैसी चुस्ती, फूर्ती पाने के लिए आप व्यायाम का सहारा ले सकती हैं। ऐसे कौन से व्यायाम हो सकते हैं, जो आपको फिट रख सकते हैं, आइए जानें उनके बारे में।

गर्भावस्था के बाद कसरत

o हर महिला चाहती है गर्भावस्था के बाद दोबारा से पहले की तरह,फिट होना । आइए कुछ ऐसे ही व्यायाम के बारे में जानें, जिनसे आप पहले जैसे फिट हो सकती हैं। किसी भी प्रकार के व्यायाम की शुरूवात से पहले यह बात ध्यान रखें कि आपको टहलने जैसे हल्के-फुल्के व्यायाम करने हैं । इसके बाद आप दस ऐसे व्यायाम कर सकते हो जिससे आप अपनी मांसपेशियों को तो मजबूत कर ही सकते हैं,साथ ही फिट और हेल्दी भी रह सकती हैं।

1. यह व्यायाम शुरू करने के लिए, सबसे पहले पीठ के बल लेट जांए और गहरी सांस लें। सांस इतनी गहरी हो कि पेट की मांसपेशियों पर बल पड़े। उसके बाद धीरे-धीरे सांस छोड़े। इस एक्सरसाइज को प्रसव के बाद के शुरूआती दिनों में लगातार करें।

2.पीठ के बल लेट जाएं पैरों को थोड़ा सा खोल कर रखें। धीरे-धीरे हाथों को ऊपर उठाएं लेकिन कोहनी मुडनी नहीं चाहिए। पैर भी जमीन पर टिकाये रखें । फिर दोनों हाथों को वापिस जमीन पर ले आएं। इस एक्स रसाइज को कई बार दोहराएं। इससे आपकी मांसपेशी खिचेंगी और मजबूत भी होंगी।

3.पीठ के बल लेट जाएं दोनों हाथों को साइड में रहने दें। धीरे-धीरे पैरों को उठाएं लेकिन पंजे और एडी को जमीन पर ही टिकाए रखें, कमर के हिस्से को भी उठाएं लेकिन हाथ और पैर नहीं उठने चाहिए।

4.पीठ के बल लेट जाएं। हाथों को पेट पर रखें और पंजों, एड़ियों को जमीन पर टिका दें फिर पेट पर बल देते हुए सर और घुटनों को ऊपर करें लेकिन पंजे और एड़ी जमीन पर ही रहेंगे।

5. पीठ के बल लेटकर दायें पैर को सीधा रहने दे और बांए पैर को उठाएं लेकिन ध्यान रखें आपके पंजे और एडी जमीन पर ही रहेंगे। हाथ को सीधा करते हुए घुटने तक ले जाएं लेकिन उसे टच न करें। साथ ही बांए ओर ही सर को ऊपर उठाएं और लेटें रहें। इसी एक्सरसाइज को अब दाएं पैर से करें।

6. पीठ के बल सीधे लेट जाएं। हाथों को साइड में रहने दें। और एक पैर को ऊपर उठाएं लेकिन पंजे-एड़ी जमीन पर रहने दें। पेट पर बल देते हुए पैरों को जितना ऊपर हो सकें उठाएं।

7. पीठ के बल सीधे लेटते हुए दोनों हाथों को सीधा रखें और एक पैर को बिना घुटना मोंड़े हवा में उठाए और बिना सिर उठाएं उसे जितना उठा सकते हैं उठाएं। यही एक्सरसाइज दूसरे पैर से भी करें।

8. सीधे लेट जाएं और कोहनियों को तकिए के उपर रखें साथ ही बटक को ऊपर उठाकर पेट पर बल देते हुए गहरी-गहरी सांसे लें।

9. पीठ के बल सीधे लेटते हुए दोनों हाथों को सीधा रखें और दोनों पैरों को बिना घुटना मोंड़े हवा में उठाए और बिना सिर उठाएं उसे जितना उठा सकते हैं उठाएं।

10. पीठ के बल लेट जाएं और हाथों को सिर के नीचें रखें साथ ही पैरों को भी जमीन पर टिकाएं। पीठ के बल सीधे लेटे हुए पेट पर बल देते हुए पैरों करे जितना ऊपर उठा सकते हैं उठाएं। इन दस एक्सारसाइज को धीरे-धीरे करें और चंद दिनों में ही आप अपने आपको पहले जैसा फिट पाएं। लेकिन ध्यान रहें सभी एक्सरसाइज को डॉक्टर्स की सलाह पर ही करें।

रंग भरे नैना

कहते हैं कि हमारी आत्मा का रास्ता हमारी आंखों से होकर जाता है। खूबसूरत और अपने भीतर ढेर सारी जिज्ञासाओं को समेटी आंखों से बेहतर कुछ नहीं है। इसलिए सही आई-शैडो की मदद से अपनी आंखों को बनाएं और खूबसूरत!

आई शैडो लगाने के लिए हमेशा आई शैडो ब्रश का इस्तेमाल करें। आई शैडो लगाने के लिए उसके साथ एक फोम भी आता है, उसका इस्तेमाल कभी न करें। वह आपके आई मेकअप को आसानी से बिगाड़ सकता है। और कभी भी अपना आई मेकअप किट किसी के साथ शेयर नहीं करें। अगर आप हल्के रंगों के आई शैडो जैसे ब्लू, लाइट ग्रीन या लाइट ग्रे आई शैडो लगा रही हैं, तो सबसे पहले आई लाइनर या आई शैडो पेंसिल की मदद से पलकों के ऊपर एक पतली लाइन खींच लें। अकसर हल्के शेड्स की आई शैडो के कारण हमारी आंखें छोटी दिखने लगती हैं। आई लाइनर लगा लेने से ऐसा नहीं होगा।

आई शैडो लगाते वक्त सबसे पहले हल्के रंग की आई शैडो को आंखों के ऊपरी हिस्से पर पूरी तरह से लगाएं। मीडियम शेड को निचले हिस्से में और डार्क शेड की आई शैडो को हमेशा आंखों के किनारे वाले हिस्से में लगाएं।

ड्रामेटिक आई मेकअप के लिए डार्क शेड का इस्तेमाल ज्यादा कर सकती हैं। अपने आई शैडो के रंगों को आपस में अच्छी तरह से मिलाएं ताकि आपकी आंखें दूर से ही नजर आ सकें।

क्योंकि रहना है आपको भी अपडेट

जमाने के साथ चलना है, तो कंप्यूटर से दोस्ती जरूरी है। घरेलू महिलाएं भी कंप्यूटर की इस जरूरत को समझ चुकी हैं, तभी तो वो अपनी जिंदगी को कंप्यूटर के माध्यम से और आसान बना रही हैं। इसकी वजह यह थी कि आज बहुत दिनों के बाद उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये अमेरिका में रहने वाले अपने बेटे से बात की थी। मिसेज मेहरा ही नहीं, बल्कि आज वो तमाम महिलाएं कंप्यूटर और इंटरनेट की जानकारी का लाभ लाभ उठा रही हैं, जिन्होंने समय की बहती धारा के साथ चलने में ही अपनी भलाई समझी। जिन महिलाओ ने वक्त की नजाकत को समझते हुए कंप्यूटर और इंटरनेट सीखकर आधुनिक तकनीक को अपना दोस्त बनाकर चलना शुरू किया, उनको इसका लाभ जरूर हुआ है। आज से दस साल पहले तक महिलाओं को अपनों का हालचाल जानने के लिए टेलीफोन और पत्र-व्यवहार पर ही निर्भर रहना पड़ता था। लेकिन आज फेसबुक और ट्विटर पर अपना अकाउंट खोलकर वे आसानी से अपने दोस्तों और रिश्तेदारों के संपर्क में हैं। इंटरनेट के जरिये आज सैकड़ों किलोमीटर की दूरियां मिट गई हैं और महिलाएं इसका बखूबी लाभ उठा रही हैं। दिल्ली के एक सरकारी फर्म में काम कर रहीं अंशिका भाटिया को अपने बेटे की शादी के लिए रिश्ते ढूंढ़ने में मुश्किल आ रही थीं। लेकिन अब वो मैट्रिमोनियल वेबसाइट्स के जरिये आसानी से अपने बेटे के लिए रिश्ता ढूंढ़ रही हैं। कई महिलाएं इंटरनेट के माध्यम से अपनी हुनर को पूरी दुनिया के सामने ला रही है। कोई अपना ब्लॉग या वेबसाइट बनाकर अपनी रसोई से टेस्टी रेसिपी को वहां शेयर कर रही हैं, तो कोई तरह-तरह के वेबसाइट से रेसिपी की विधि जानने और उसे आजमाने की कोशिश में लगी हुई हैं। कई घरेलू महिलाएं घर पर ही कंप्यूटर सीखकर बिजनेस के काम में अपने पति का हाथ बंटाने लगी हैं। नमिता उपाध्याय का कहना है कि वो घर पर बैठकर कर ही वीडियोग्राफी और शादी के कार्ड की छपाई और उनकी एडिटिंग के काम में अपने पति की मदद करती हैं। इंटरनेट और कंप्यूटर से दोस्ती करने में इन महिलाओं की मदद उनके बच्चे भी कर रहे हैं। भला कौन बच्चा नहीं चाहेगा कि उसकी मां हर चीज में माहिर हो।

डाइनिंग टेबल को ऐसे सजाएं

चाहे आप डाइनिंग टेबल का इस्तेमाल करते हों या नहीं, लेकिन इसे हमेशा सजा कर रखना चाहिए। ऐसा करने से डाइनिंग टेबल तो सुंदर लगेगी ही, साथ ही आपका मूड भी ठीक रहेगा। डाइनिंग टेबल सजाने के लिए इन एक्सेसरीज का इस्तेमाल कर सकते हैं-

टेबल क्लॉथ

टेबल क्लॉथ डाइनिंग टेबल को सजाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। टेबल के खराब हिस्से को छुपाने के लिए यह अच्छा तरीका भी है। मून रिवर कि राधिका गुप्ता का कहना है की टेबल क्लॉथ दिलचस्प और अच्छे फैब्रिक का होना चाहिए। फैब्रिक में आप बनारसी सिल्क का इस्तेमाल कर सकती हैं। यह सस्ता होने के साथ दिखने में भी प्रभावी लगता है। आप अपनी पसंद का फैब्रिक भी ले सकते हैं जैसे कि सिल्क, कॉटन, लिनेन, कॉटन पॉलिएस्टर इत्यादि।

रनर और मैट का करें इस्तेमाल

अगर आप नहीं जानते हैं की टेबल को पूरी तरह से कैसे ढका जाए तो रनर सबसे अच्छा विकल्प है। इस कपड़े मे महीन पट्टी होती है, जो टेबल के बीच में रहती है।

सेंटरपीस

यह टेबल के बीच में रखा जाता है। टेबल को और आकर्षित बनाने के लिए यह अच्छा विकल्प है।

रसोई को रखें साफ यह है आपकी राजदार

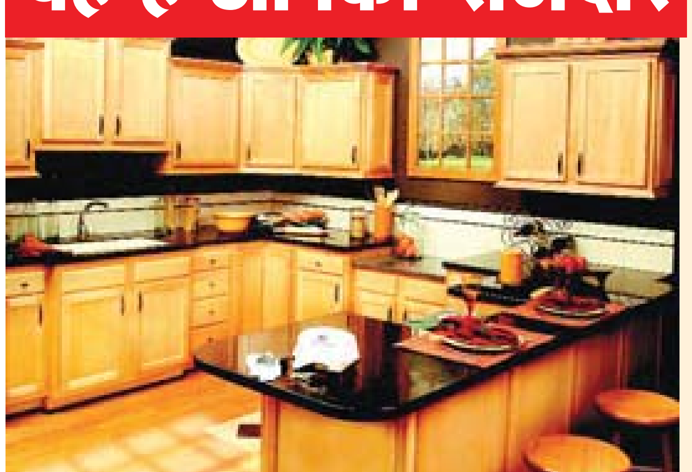

हर दिन अपनी रसोई में आप कुछेक घंटे तो जरूर बिताती होंगी। टेस्टी आलू दम बनाने से लेकर जायकेदार मटर-पनीर बनाने की आपकी रेसिपी का राज आपके अलावा आपकी रसोई को ही तो पता है! तो अपनी इस राजदार की हाइजीन का भी खास खयाल आपको ही रखना होगा। कैसे रखें रसोई को साफ-सुथरा बता रही हैं

1. बर्तनों को धोने के बाद हमेशा सुखाकर रैक में रखें। इससे बर्तन खराब नहीं होंगे और उनसे बदबू भी नहीं आएगी। यदि रात को बर्तन साफ न कर पाएं तो उन्हें कम से कम पानी से जरूर धो दें।

2. अगर आप किचन में बिजली के उपकरणों का इस्तेमाल बहुत अधिक करती हैं तो इन उपकरणों के रख-रखाव का खास ख्याल रखें। इन्हें इस्तेमाल में लाने के बाद तुरंत सूखे कपड़े से झाड़-पोंछ कर रखें।

3. बिजली के उपकरणों को छोटे बच्चों की पहुंच से दूर रखें। 4. रसोई को कॉक्रोच आदि कीड़े-मकोड़े से दूर रखने के लिए हिट, लक्ष्मण रेखा का उपयोग करें।

5. यदि आप कामकाजी हैं और रोजाना इतनी सफाई नहीं कर पाती हैं तो छह महीने में एक बार किचन में पेस्ट कंट्रोल करवाएं।

6. रसोई की खिड़की में जाली जरूर लगवाएं, ताकि छिपकली या चूहे आपकी रसोई में अपना घर न बना सकें।

7. फिनाइल से रसोई की सफाई करें, चींटियां दूर रहेंगी।

8. वेंटीलेशन के लिए रसोई में चिमनी जरूर लगवाएं। रसोई की दीवारों में काले-काले निशान नहीं पड़ेंगे और धुंआ भी इकट्ठा नहीं होगा।

9. बर्तन साफ करने के लिए लोहे वाले जूने का प्रयोग न करें। इससे बर्तन पर निशान पड़ जाएगा।

10. रसोई में स्लैब और गैस आदि साफ करने के लिए कपड़े की जगह वाइप्स का इस्तेमाल करें। किचन में टिश्यू पेपर भी रखें ताकि दाग लगने पर उसे टिश्यू पेपर की मदद से आसानी से साफ किया जा सके। दाग जब सूख जाते हैं, तब उसे साफ करना बेहद मुश्किल भरा काम है।

11. किसी भी कंटेनर, जार या डिब्बे का इस्तेमाल करके उसे साथ ही साफ करें। महीने या हफ्ते में सफाई का इंतजार न करें। इससे आपकी रसोई भी हमेशा चमकती रहेगी और आपको एक साथ ढेर सारा काम भी नहीं करना पड़ेगा।

12. बर्तन साफ करने के लिए जुराब आदि का इस्तेमाल न करें। बर्तन साफ करने के लिए मार्केट में कई प्रोडक्ट उपलब्ध हैं, उनका इस्तेमाल करें। स्कॉच ब्राइट से इसके लिए बेहतर है।

13. रसोई के लिए अलग कूड़ेदान बनाएं। कूड़ेदान में हमेशा पॉलीथीन लगा कर रखें। इससे कूड़ा फेंकने में भी सुविधा होती है और कूड़ेदान गंदा भी नहीं होता।

14. माइक्रोवेव, फ्रिज, टोस्टर, मिक्सी आदि को स्विच ऑफ करके गीले कपड़े से साफ करें। नियमित सफाई न होने पर इन उपकरणों में से बदबू आने लगती है।